धनबाद, सोमवार 01.07.2024
मूल्य- ₹ 3
वर्ष-30 अंक-130 पृष्ठ- 12
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-10
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

आज से देश में बदलेंगे वर्षों पुराने तीन कानून

90 दिन में चार्जशीट, मॉब लिंचिंग की सजा मौत, राजद्रोह कानून का खात्मा

नई दिल्ली (ईएमएस): देश में अंग्रेजों के जमाने से चल रहे तीन आपराधिक कानून सोमवार से बदल जाएंगे। दिसंबर २०२३ में संसद द्वारा पारित तीन कानून अगले महीने से पूरे देश में प्रभावी हो जाएंगे। तीनों नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम कहे जाएंगे, जो क्रमशः भारतीय दंड संहिता (१८६०), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (१८९८) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (१८७२) का स्थान लेंगे। नए कानून के तहत अब धोखाधड़ी की धारा ४२० के बदले ३१६ और हत्या की धारा को ३०२ के बदले १०१ से जाना जाएगा। यानी अब देश में अंग्रेजों का नहीं अपना कानून चलेगा।

सोमवार लागू होने वाले तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनयम हैं। ये कानून क्रमशः भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और पुराने भारतीय साक्ष्य अधिनयम की जगह लेंगे। १२ दिसंबर, २०२३ को इन तीन कानूनों में बदलाव का बिल लोकसभा में प्रस्तावित किया गया था। इसके बाद २० दिसंबर, २०२३ को लोकसभा और २१ दिसंबर, २०२३ को राज्यसभा से ये पारित हुए। २५ दिसंबर, २०२३ को राष्ट्रपति ने तीन विधेयकों को अपनी मंजूरी दी। वहीं २४ फरवरी, २०२४ को केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि तीन नए आपराधिक कानून इस साल १ जुलाई से लागू होंगे।

ठग 420 नहीं 316 कहलाएंगे, हत्यारों को 302 नहीं 101 में मिलेगी सजा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विधेयक पेश करते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने १५ अगस्त, २०२२ को लाल किले की प्राचीर से अपने उद्बोधन के दौरान देश के सामने पांच प्रण रखे थे। उनमें से एक प्रण था कि हम गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त कर देंगे। तीनों विधेयक प्रधानमंत्री द्वारा लिए गए प्रण में से एक प्रण का अनुपालन करने वाले हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में बताया था कि राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, भारत की सुप्रीम कोर्ट, २२ हाईकोर्ट, न्यायिक संस्थाओं, १४२ सांसद और २७० विधायकों के अलावा जनता ने भी इन विधेयकों को लेकर सुझाव दिए हैं। चार साल तक इस पर काफी चर्चा हुई है। सरकार ने इस पर १५८ बैठकें की हैं। विधेयक विभिन्न समिति की सिफारिशों से भी प्रभावित हैं।

किन-किन कानूनों में बदलाव होगा

भारतीय दंड संहिता: भारतीय दंड संहिता १८६० की जगह भारतीय न्याय संहिता, २०२३ जगह लेगी। यह आईपीसी के २२ प्रावधानों को निरस्त करेगी। इसके साथ ही नई संहिता में आईपीसी के १७५ मौजूदा प्रावधानों में बदलाव का प्रस्ताव किया गया है और नौ नई धाराएं पेश की गईं हैं। भारतीय न्याय संहिता, २०२३ में कुल ३५६ धाराएं हैं।

आपराधिक प्रक्रिया संहिता: दूसरा जो कानून बदलने जा रहा है वो आपराधिक प्रक्रिया संहिता यानी क्रिमिनल प्रोसीजर कोड (सीआरपीसी) है। सीआरपीसी ▶▶ 4

आज संसद में कई मुद्दों को लेकर विपक्ष कर सकता है हंगामा

नीट पेपर लीक, महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर हो सकती है बहस

नयी दिल्ली (ईएमएस): संसद की कार्यवाही के सोमवार को फिर शुरु होने पर नीट पेपर लीक, अग्निपथ योजना और महंगाई जैसे मुद्दों पर जोरदार हंगामा होने की संभावना है। विपक्ष पेपर लीक मामले के अलावा बेरोजगारी का मुद्दा भी उठा सकता है। लोकसभा में, बीजेपी के सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत करेंगे। बीजेपी की दिवंगत नेता सुषमा स्वराज की बेटी और पहली बार लोकसभा सदस्य बनी बांसुरी स्वराज इस प्रस्ताव का अनुमोदन करेंगी।

लोकसभा ने धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए १६ घंटे का समय तय किया है, जिसका समापन मंगलवार को पीएम नरेन्द्र मोदी के जवाब से होगा। राज्यसभा में चर्चा के लिए २१ घंटे का समय तय किया है और पीएम मोदी के बुधवार को जवाब देने की संभावना है। नीट मुद्दे पर संसद में इस सप्ताह काफी हंगामा हुआ था। एनटीए ने पांच मई को नीट-यूजी का आयोजन किया था, जिसमें २४ लाख परीक्षार्थी बैठे थे। नतीजे ४ जून को घोषित किए गए, लेकिन इसके बाद बिहार समेत कई राज्यों में पेपर लीक होने के अलावा परीक्षा से जुड़ी अन्य अनियमितताओं के आरोप लगे।

राज्यसभा में बीजेपी सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने पीएम मोदी को ''अतुलनीय'' बताया था और कहा था कि देश के सामने आने वाले मुद्दों से निपटने के उनके दृष्टिकोण और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण में बहुत अंतर है। बीजेपी सदस्य कविता पाटीदार ने प्रस्ताव का समर्थन किया था और चर्चा में अब तक नौ अन्य सदस्य भाग ले चुके हैं।

विपक्षी सदस्यों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' में कथित अनियमितता पर ▶▶ 4

जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने आर्मी चीफ का चार्ज लिया

नई दिल्ली (ईएमएस): जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने रविवार को नए आर्मी चीफ का चार्ज संभाला। जनरल द्विवेदी ३०वें सेना प्रमुख हैं। वे इसी साल १९ फरवरी को वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ बने थे। आर्मी चीफ बनने पर द्विवेदी लेफ्टिनेंट जनरल से जनरल रैंक पर प्रमोट हुए हैं। भारत सरकार ने ११ जून की रात उन्हें आर्मी चीफ बनाने का ऐलान किया था। इससे पहले वे सेना के वाइस चीफ, नॉर्दर्न आर्मी कमांडर, डीजी इन्फेंट्री और सेना में कई अन्य कमांड के प्रमुख के रूप में काम कर चुके हैं। जनरल द्विवेदी ने आर्मी चीफ के तौर पर जनरल मनोज पांडे की जगह ली है। जनरल मनोज पांडे आज ही रिटायर हुए हैं। लास्ट वर्किंग डे पर सेना की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे २६ महीने तक आर्मी चीफ रहे।

बीसीसीआई टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को 125 करोड़ रुपए कैश प्राइज देगा

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड - बीसीसीआई टी-२० वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को १२५ करोड़ रुपए कैश प्राइज देगा। बोर्ड के सचिव जय शाह ने रविवार को खुद इसका ऐलान किया। शाह ने एक्स पर लिखा- मुझे यह ऐलान करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि टी-२० वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया को १२५ करोड़ रुपए की इनामी राशि दी जाएगी।

टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जबर्दस्त टैलेंट, समर्पण और खेल भावना का प्रदर्शन किया। मैं इस असाधारण उपलब्धि के लिए सभी खिलाड़ियों, कोच और सपोर्ट स्टाफ को बधाई देता हूं।

वेंकैया नायडू की तीन पुस्तकों का पीएम मोदी ने किया विमोचन

हैदराबाद (ईएमएस): पीएम नरेन्द्र मोदी ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू के ७५वें जन्मदिन के मौके पर उनकी जीवन यात्रा पर तीन पुस्तकों का रविवार को विमोचन किया। पुस्तकों का विमोचन पीएम मोदी ने दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए किया। पीएम मोदी ने इस अवसर पर कहा कि वह खुश हैं कि उन्हें पुस्तकों का विमोचन करने का अवसर मिला और उन्होंने भरोसा जताया कि पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की जीवनी लोगों को प्रेरणा देगी। पीएम मोदी ने कहा कि वह और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को वेंकैया नायडू से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला है। ▶▶ 4

10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा साल में दो बार होगी

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय अगले सत्र २०२५-२६ में सीबीएसई का नया पैटर्न लागू करने की तैयारी में जुट गया है। १०वीं और १२वीं की पहली बोर्ड परीक्षा जनवरी २०२६ में होगी। इसी सत्र की दूसरी परीक्षा अप्रैल माह में होगी। छात्रों के पास दोनों परीक्षा में शामिल होने का विकल्प होगा। छात्र किसी भी एक परीक्षा में बैठकर परीक्षा दे सकते हैं। जो छात्र दोनों परीक्षा में शामिल होंगे। वह बेहतर प्रदर्शन के साथ रिजल्ट ला सकेंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली शिक्षा विभाग और देशभर के १०००० से अधिक प्रिंसिपल और शिक्षकों के साथ ऑनलाइन और फिजिकल रायशुमारी की थी। उसके बाद यह निर्णय लिया गया है। एक ही सत्र की दो परीक्षा आयोजित होने से दूसरी परीक्षा में अपने परीक्षा परिणाम को छात्र-छात्राएं बेहतर बना पाएंगी।

के.कविता की जमानत अर्जी पर फैसला सुनाएगा दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के। कविता की जमानत अर्जी पर दिल्ली हाईकोर्ट सोमवार को अपना फैसला सुनाएगा। कोर्ट ने कविता की दोनों जमानत अर्जियों पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। कविता ने निचली अदालत के छह मई के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें भ्रष्टाचार के केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के मामले के साथ-साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के धन शोधन मामले में उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी गई थी। कविता के वकील ने कहा था कि कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में ५० आरोपियों में से वह (कविता) अकेली महिला हैं और अदालत से अनुरोध किया कि उन्हें जमानत देने पर विचार किया जाए। यह घोटाला दिल्ली सरकार की २०२१-२२ की आबकारी नीति के कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार एवं धन शोधन से संबंधित है। हालांकि, इस नीति को बाद में रद्द कर दिया गया था। ईडी ने कविता (४६) को १५ मार्च को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था।

देश की 13 सैन्य छावनियों की संपत्तियों के अधिकार स्थानीय निकायों को मिलेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस): देश की १३ सैन्य छावनियों की संपत्तियों के अधिकार स्थानीय नगर निगमों, नगर पालिकाओं को हस्तांतरित किए जाएंगे। इसका अर्थ यह है कि सैन्य स्टेशन सेना के पास रहेंगे, जबकि उनके बाहर के क्षेत्र राज्य सरकार को ट्रांसफर कर दिए जाएंगे।

छावनियों को लिखे गए पत्र में सरकार ने नागरिक क्षेत्रों को अलग करने और राज्य नगर पालिकाओं के साथ उनके विलय को लेकर व्यापक गाइडलाइन जारी की है। पत्र में कहा गया है कि यह दिशानिर्देश पिछले सप्ताह रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने की अध्यक्षता में हुई बैठक में तैयार किए गए थे।

सरकार ने पत्र में कहा है कि, क्षेत्र में नागरिक सुविधाएं और नगरपालिका सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई सभी परिसंपत्तियों के स्वामित्व के अधिकार राज्य सरकार/राज्य नगर पालिकाओं को बिना किसी शुल्क के हस्तांतरित किए जाएंगे। छावनी बोर्डों की परिसंपत्तियां और देनदारियां राज्य नगर पालिकाओं को ट्रांसफर की जाएंगी।

पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सरकार जहां लागू होगा, वहां स्वामित्व का अधिकार बरकरार रखेगी।

आदेश में कहा गया है कि, नगरपालिका अपने अधिकार क्षेत्र के तहत ऐसे क्षेत्रों पर ▶▶ 4

पश्चिम बंगाल में बीच सड़क पर बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा की नेत्री की पिटाई

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में बीच सड़क बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा की नेत्री की पिटाई का खौफनाक वीडियो सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने ममता बनर्जी की सरकार पर जोरदार हमला बोला है।

भारतीय जनता पार्टी की तरफ से दावा किया गया है कि पीड़ित महिला बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा की नेता हैं। विपक्षी दलों सीपीएम और बीजेपी ने कहा है कि यह वीडियो उत्तर बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा का है। सामने आए वीडियो में, एक आदमी एक महिला को बार-बार लाठियों से मारता हुआ दिखाई दे रहा है और वहीं वहा खड़ी भीड़ पूरे घटनाक्रम के दौरान मूकदर्शक बनी हुई है।

सीपीएम और बीजेपी नेताओं के मुताबिक, हमलावर का नाम तजेमुल है, जिसका तृणमूल कांग्रेस से संबंध है। यह स्पष्ट नहीं है कि वायरल वीडियो में पुरुष और महिला के साथ मारपीट क्यों की जा रही थी। स्थानीय पुलिस ने कहा है कि उन्होंने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रहे हैं। इस वीडियो पर अभी तक तृणमूल सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कांग्रेस ने सरकार से की मांग, संसद को पारित करना चाहिए कानून

50 फीसदी से अधिक हो आरक्षण की सीमा

नई दिल्ली (ईएमएस): कांग्रेस ने रविवार को कहा कि संसद को एक कानून पारित करना चाहिए, ताकि आरक्षण की सीमा ५० फीसदी से अधिक हो सके। विपक्षी पार्टी की ओर से यह बयान तब सामने आया है, जब एक दिन पहले जद (यू) ने बिहार में आरक्षण की सीमा को नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की।

जनता दल (यूनाइटेड) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की शनिवार को बैठक हुई। जिसमें पार्टी ने उच्च न्यायालय के हालिया उस फैसले पर चिंता जताई। जिसमें बिहार सरकार के अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण की सीमा ५० फीसदी से बढ़ाकर ६५ फीसदी कर दी गई। बैठक में एक राजनीतिक प्रस्ताव भी पारित किया गया। जिसमें जदयू ने भाजपा के नेतृतत्व वाली केंद्र सरकार से राज्य के कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में डालने का अनुरोध किया, ताकि उसकी न्यायिक समीक्षा की संभावना खारिज की जा सके।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी पार्टी कहती रही है कि एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण से जुड़े राज्य के सभी कानूनों को नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है कि जद (यू) ने कल पटना में यही मांग उठाई है। लेकिन ▶▶ 4

केंद्र ने दी सौगात, एनडीआरएफ के भत्ते में 40 फीसदी वृद्धि

नई दिल्ली(ईएमएस): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनडीआरएफ के पर्वतारोहण अभियान विजय के ध्वजारोहण समारोह में कहा कि लंबे समय से एनडीआरएफ कर्मियों के लिए जोखिम और कठिनाई भत्ता बढ़ाने की मांग की जा रही थी। कल ही भारत सरकार ने इसे मंजूरी दी है और अब आपको ४० प्रतिशत की दर से जोखिम और कठिनाई भत्ता दिया जाएगा। यह सभी १६,००० एनडीआरएफ बचाव कर्मियों के लिए खुशी की बात है। शाह ने एनडीआरएफ को उसके सफल 'पर्वतारोहण' अभियान विजय के लिए बधाई दी और कहा कि यह कुछ लोगों के लिए जुनून हो सकता है तो कुछ के लिए महज कर्तव्य होता है। लेकिन, इस तरह के अभियान से व्यक्ति और समूह दोनों को मजबूती मिलती है। इससे हमें लक्ष्य हासिल करने और जीतने की आदत पड़ती है। उन्होंने कहा कि विजय की आदत ही व्यक्ति और बल दोनों को महान बनाती है। इस मौके पर केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला, एनडीआरएफ के महानिदेशक पीयूष आनंद, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य राजेंद्र सिंह, गृह विभाग के अतिरिक्त सचिव संजीव कुमार जिंदल मौजूद रहे।

शाह ने यह भी कहा कि सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की राष्ट्रीय ▶▶ 4

रिहाई के बाद सियासी चक्रव्यूह रच रहे हेमंत सोरेन,भाजपा के लिए खड़ी होगी चुनौती

रांची (ईएमएस): झारखंड में हाल में ही संपन्न लोकसभा चुनाव में महागठबंधन के हिस्से की सीटों में बढ़ोतरी हुई है जिससे झामुमो, कांग्रेस और राजद को को नई ताकत मिली है।

झामुमो और कांग्रेस के बीच समन्वय पहले से कहीं बेहतर है और दोनों दलों के सीनियर नेता इस समन्वय को और भी बढ़ाने में जुटे हुए हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर शनिवार को ही नई दिल्ली से रांची लौटे और लौटते ही उन्होंने भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रामक बयान देकर सभी को आगे की रणनीति का संकेत भी दे दिया।

जेल से रिहा होने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पूरी तरह से पुराने फॉर्म में आ गए हैं। वह एक ऐसा प्लान बना रहे हैं जिसमें भाजपा बुरी तरह फंस सकती है। दरअसल, हेमंत सोरेन सभी जिलों में आभार यात्रा निकालने की योजना बना रहे हैं। तमाम जिलों में आभार यात्रा के माध्यम से राज्य के राजनीतिक तापमान को गर्म रखने के साथ ही इसका राजनीतिक फायदा भी उठाया जाएगा। झामुमो के साथ कदम-कदम पर कांग्रेस के कार्यकर्ता होंगे और दोनों दलों के निशाने पर भाजपा होगी। इस प्रकार पूरा आयोजन आक्रामक रूप से राजनीतिक होगा और कांग्रेस के नेता हर प्रखंड, हर जिले में झामुमो के साथ होंगे और विधानसभा चुनाव के पूर्व सभी क्षेत्र का भ्रमण कर एक बड़ी लकीर खींच दी जाएगी।

वहीं दूसरी तरफ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने रांची पहुंचने के बाद एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अभी सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है हाईकोर्ट की टिप्पणी पर चर्चा की जानी चाहिए। एक मुख्यमंत्री को फंसाया जाता है, एक आदिवासी जिसे पूरा प्रदेश गुरुजी के नाम से सम्मान देता है उसके बेटे को फंसाया जाता है।गुरुजी की लड़ाई महाजनों के खिलाफ रही और अब महाजनों की पार्टी ने साजिश कर हेमंत सोरेन को जेल भिजवाया। इस बात की चर्चा हो रही है कि किस तरह से एक स्वतंत्र एजेंसी सिर्फ और सिर्फ विपक्ष के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। आनेवाले समय में स्वतंत्री एजेंसी के ऐसे कार्यों का लोग विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में मध्यप्रदेश में आदिवासियों का अपमान किया गया है उसका बदला झारखंड के लोगों ने लिया है। उन्हें माफी मांगनी है तो घूमना तो पड़ेगा ही।

सिंदरी विस चुनाव में होगा ऐतिहासिक बदलाव : रंजीत

धनबाद (कासं) : झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति इस बार आगामी सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत को लेकर तैयारी पूरी कर चुकी हैं। इसी दरम्यान झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति केंद्रीय कमिटी के निर्देशानुसार धनबाद जिले के अंतर्गत गोविंदपुर प्रखंड बरवाअड्डा जोन के बड़ा पिछड़ी पंचायत कुड़मीडीह गांव में लगभग दो सौ महिलाओं की उपस्थिति में महिला मोर्चा संगठन का विस्तार, प्रखंड कमिटी पंचायत कमिटी और बूथ स्तरीय कमिटी के मजबूती प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

केंद्रीय महासचिव उषा महतो की उपस्थिति से बरवाअड्डा जोन क्षेत्र में महिला मोर्चा संगठन का विस्तार को लेकर पूरे बड़ा पिछड़ी पंचायत और बरवाअड्डा जोन क्षेत्र में उत्साह का माहौल संचार हुआ है। धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो ने कहा कि इस बार सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक बदलाव होगा। मौके पर उपस्थित झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा के उषा महतो, धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो, बरवाअड्डा जोन अध्यक्ष हरेंद्र रजक, केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पू पहाड़ी महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटा टाइगर छोटू रजक, धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक आदि सभी ने झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के महिला मोर्चा संगठन विस्तार, गोविंदपुर प्रखंड कमिटी और बूथ स्तरीय कमिटी के मजबूती के लिए झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के मिशन और केंद्रीय अध्यक्ष टाईगर जयराम महतो के विचारधाराओं को जनजन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। सिंदरी विधानसभा चुनाव में इस बार ऐतिहासिक जीत के लिए संकल्प लिया गया।

मौके पर केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा उषा महतो, धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो, केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पू पहाड़ी महतो, बरवाअड्डा जोन अध्यक्ष हरेंद्र रजक, केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटू रजक, धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक, अशोक साव, गुंजा देवी, किरण देवी, यशोदा देवी, राखी देवी, रीना देवी, गीता देवी, संजोती कुमारी, रंजू देवी, ऐशा बीवी, उषा देवी, सुनीता देवी, शांति देवी, लक्ष्मी देवी, नोमिता देवी आदि लगभग सैकड़ों महिलाएं उपस्थिति थीं।

चापाकल में करंट, छात्रों में दहशत

निरसा (ससे) : निरसा प्रखंड के बैदपुर गांव स्थित प्राथमिक उर्दू विद्यालय के समीप चापाकल में करंट आने के कारण छात्रछात्राओं के बीच मौत का खतरा मंडराने लगा है। समय रहते ही अगर इस पर कोई कारगर ठोस कदम नहीं उठाया गया तो कभी भी सैकड़ों बच्चे मौत के साए में समा सकते है। गौरतलब है कि चापाकल के ही कुछ दूरी पर एक बिजली का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है और उसका अर्थिंग तार का कनेक्शन जमीन से है। बताया जाता है कि इसी कारण चापाकल में कभीकभार करंट आ जाती है। इसी चापाकल से सैकड़ों ग्रामीण और स्कूल में बनने वाले मिडडेमील के लिए लोग पानी का सेवन करते हैं। शनिवार को भी चापाकल में अचानक करंट आ गया। अनहोनी की आशंका जताते हुए फिलहाल ग्रामीणों द्वारा ट्रांसफार्मर का लाइन काट दिया गया है। इधर इस संबंध में स्कूल के प्रधानाध्यापक द्वारा लिखित शिकायत बिजली विभाग को दी गई परन्तु अब तक विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। विभाग की उदासीनता के कारण ग्रामीणों में रोष है। सुरक्षा को देखते हुए स्कूल के अध्यक्ष शमीम अंसारी का कहना है कि शिकायत करने व जेई को फोन करने पर फोन नहीं उठा रहे है। इसके कारण आज ट्रांसफार्मर का लाइन काट दिया गया है।

सहायक अध्यापकों ने निकाला मशाल जुलूस

धनबाद (कासं) : राज्यव्यापी आंदोलन के क्रम में हुल दिवस पर राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों में झारखण्ड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले मशाल जुलूस निकाला जा रहा है।

रविवार को हूल दिवस के अवसर पर टुंडी प्रखंड के सहायक अध्यापको ने प्रखंड मुख्यालय से बाजार तक मशाल जुलूस कुलदीप पांडेय, अनिल राजवंशी के नेतृत्व में निकाला गया। मशाल जुलूस में मुख्य रूप से राज्य सदस्य निरंजन दे व सुशील पांडेय उपस्थित हुए। दोनों राज्य सदस्यों ने संयुक्त बयान जारी कर राज्य सरकार को चेताया और कहा कि अविलंब वर्तमान सरकार अपने तीन माह में वेतनमान देने की वादा को पूरा करे अन्यथा इससे भी ज्यादा उग्र आंदोलन की रूप रेखा तैयार की जायेगी।

मशाल जुलूस में राज्य सदस्य सुशील कुमार पांडे, राज्य सदस्य निरंजन दे समेत सैकड़ों सहायक अध्यापकों ने भाग लिया ओर कहा कि टुंडी दिशोम गुरू शिबु सोरेन का आंदोलन की धरती रही है। राज्य के सहायक अध्यापक अब उन्ही के राह में चलने को विवश है। झारखंड सरकार बिहार के तर्ज पर वेतनमान जल्द लागू करें अन्यथा जोरदार आंदोलन होगा। जुलूस में मुख्य रूप से राजीव सिंह, गिरीश साव, पंकज विश्वकर्मा, सतार अंसारी, अब्दुल रसीद, गाजों सिंह, अशोक महरा, लीलनाथ मंडल, पवन मंडल, मलयाशीस बनर्जी, कोमेश हांसदा, सुशील कुमार, अनोज शर्मा, भागीरथ सिंह, ईश्वर मुर्मू, नंदलाल महतो, सुरेन किस्कू, भानु प्रसाद, अब्दुल सतार, लक्ष्मण प्रसाद, रामचंद्र तिवारी, सुनील मुर्मु, नकुल रविदास, अख्तर अंसारी, एमडी सिराज, सुशील मुर्मू, नीलांबर रजवार, दिनेश कुमार महतो पूर्वी टुंडी प्रखंड अध्यक्ष, लखन राय, इंद्रदेव राय, सुभाष महतो, मनोज, कृष्ण, सत्रुधन कुमार, सत्येंद्र चौधरी, परितोष महतो, रामू ओझा, सुभाष रजवार अनेकों पारा शिक्षक शामिल थे।

ग्रामीणों की शिकायत पर विधायक राजसिन्हा पहुंचे कपाट घाट

पुटकी (ससे) : धनबाद विधायक राज सिन्हा रविवार को पहुंचे कपाट घाट, वहां पंप हाउस में चल रहे मरम्मति कार्यों का निरीक्षण किया। इस बाबत पूछे जाने पर विधायक श्री सिन्हा ने कहा कि पिछले एक माह से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति मोटर खराब होने की वजह से ठप थी। जैसे ही मेरे संज्ञान में आया वह डीडीसी से मिलकर समस्या के समाधान के लिए पहल की। साथ ही कहा कि जलापूर्ति शीघ्र शुरू कराइए नहीं तो ग्रामीणों के साथ अनिश्चितकालीन धरना पर बैठेंगे। डीडीसी ने तत्काल पीएचडी को निर्देश दिया। जिसपर काम शुरू हो गया है। जिसे देखने आया हूं। उम्मीद है की सोमवार से जलापूर्ति प्रारंभ हो जायेगी।

ज्ञात हो कि दामोदर नदी के कपाट घाट पर स्थित पीएचडी के पंप हाउस का मोटर में उत्पन्न खराबी के कारण पिछले एक माह से पांच पंचायतों गोपीनाथडीह, वरडुभी, दुबराजडीह पेटियां, पंडारकनाली में जलापूर्ति ठप है। ५० हजार आबादी प्रभावित हुई है। जिसके चलते ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में विधायक श्री सिन्हा के पास ग्रामीणों ने शिकायत की। जिस पर विधायक ने अधिकारियों से मिलकर समस्या के समाधान के लिए पहल की।

मौके पर प्रखंड अध्यक्ष विकाश मिश्रा, मुखिया रमेश सिंह, मनोज मालाकार, गोपीनाथडीह के उप मुखिया इन्द्रजीत महतो, विष्णु सिंह, मीडिया प्रभारी राहुल सिंह, प्रीतम सिंह, रंजीत सिंह, अफताब आलम, संजय सिंह, विनोद सिंह एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

पवित्रम सेवा परिवार ने लिया पर्यावरण बचाने का संकल्प

धनबाद (ससे) : पवित्रम सेवा परिवार धनबाद द्वारा रविवार को बरवाअड्डा स्थित गणेश पेट्रोल पंप में पवित्रम वन महोत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद सांसद ढुलू महतो की धर्मपत्नी सावित्री देवी उपस्थित थीं। मुख्य अतिथि को एक पौधा, श्रीमद्भागवत गीता एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

आयोजन में पौधे लगाने और पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम मे सभी लोगों ने मंत्रों के माध्यम से धरती और पर्यावरण को बचाने का संकल्प किया। सभी उपस्थित लोगों को पर्यावरण बचाने के लिए अपने जीवन शैली मे बदलाव, एसी का उपयोग कम करने, डिस्पोजल का प्रयोग कम करने, प्लास्टिक का प्रयोग कम करने का संकल्प लिया। सभी लोगों ने घरों मे खाए जाने वाले आम, जामुन, लीची के बीजों को सुखाने का संकल्प भी किया। मुख्य वक्ता अजय भरतिया ने सभी लोगों से अपने आसपास की स्कूलो, कालेजों, सार्वजनिक स्थानों को चयन कर वहां पवित्रम परिवार के साथ मिलकर वृक्षारोपण का आह्वान किया। सभी संस्थाओं को इस अभियान में साथ जुड़ने का आह्वान किया।

मौके पर उपस्थित बाजार समिति चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल ने बाजार समिति परिसर में एक सौ एक पौधा लगाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मंत्रोचार के साथ पेट्रोल पंप में आम, अनार, आंवला, आदि फलदार पौधे लगाएं।

मौके पर मुख्य रूप से संस्था के संस्थापक अजय भरतीया, पर्यावरण संयोजक विपुल कुमार, राकेश खंडेलवाल, वंदना घोषाल, भारती दुबे के साथ पवित्रम परिवार के अन्य सदस्य एवं पदाधिकारी आलोक डोकानिया, मनोज मिश्रा, काजल झा , अनिता डोकनिया, विभा अग्रवाल, राशि गुप्ता, ब्रजेश कुमार, राजेश सिह, अमित अग्रवाल, विनोद सिंघल आदि संस्था के दर्जनों सदस्य उपस्थित थे। आयोजन की अध्यक्षता किशन वीरु शंघाई व संचालन जितेंद्र अग्रवाल ने किया।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच की कार्यशाला

धनबाद (कासं) : रविवार को वैलेंटिनो ग्रीन होटल मटकुरिया धनबाद में धनबाद कोयलांचल की शाखा अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच झारखण्ड प्रान्त की मंडल ४ की शंखनाद मण्डलीय सभा प्रांतीय उपाध्यक्ष अजय तायल की अध्यक्षता में हुई। इस सभा में मंडल ४ की सभी शाखाओं के बीच आगामी कार्यक्रमों को रखा गया। संगठन पर चर्चा हुई। मण्डलीय कार्यशालाएं पर भी चर्चा की गई। सभी सदस्यों के मध्य खुला सत्र के माध्यम से सभी के विचारों व सुझावों को प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा सुना गया। इसके बाद आतिथ्य शाखा के उपाध्यक्ष शिव शंकर चौधरी, अधिवक्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर सभा को विराम दिया गया।

मौके पर झारखण्ड प्रांतीय अध्यक्ष अरुण गुप्ता, प्रांतीय महामंत्री सार्थक अग्रवाल, प्रांतीय सहायक मंत्री विकास पटवारी, ललित अग्रवाल, पंकज भुवानिया, विवेक लिल्हा, धनबाद कोयलांचल शाखा अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, उपाध्यक्ष शिव शंकर चौधरी, उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, सचिव सुनीता अग्रवाल एवं आतिथ्य शाखा सह मंडल ४ के सभी १२ शाखा के अध्यक्ष, सचिव एवं सारे सदस्य उपस्थित थे।

मुफ्त जांच शिविर आयोजित

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना मोड़ स्थित कोयलांचल डायग्नोस्टिक सेंटर में रविवार को नि:शुल्क मेगा हेल्थ चेकअप शिविर लगाया गया। शिविर में शुगर, ब्लड प्रेशर एवं दंत की जांच की गई। वहीं दंत रोग विशेषज्ञ डॉ कुमारी दीपशिखा द्वारा मरीजों को जांचोपरांत परामर्श दी गई। शिविर में ३० से अधिक लोगों का शुगर, ब्लड प्रेशर एवं १५ लोगों ने दंत रोग की जांच करवायी। शिविर को सफल बनाने में सनी कुमार, राहुल सिंह, पंकज सिंह, विवेक त्रिपाठी, कृष्णा कुमार व संचालक शेखर रवानी सक्रिय थे।

शिक्षक को दी गई भावभीनी विदाई

गोविंदपुर (ससे) : जियलगढ़ा ग्राम पंचायत की मुखिया रेशम कुमारी ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते हैं। वह आजीवन समाज को शिक्षित करते रहते हैं। वह रविवार को जियलगढ़ा प्राथमिक विद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक राजेंद्र प्रसाद पाडेय की विदाई समारोह में बोल रही थीं। प्रधानाध्यापक पंकज कुमार ने कहा कि राजेंद्र पाडेय ने ३६ वर्षों तक विभाग की सेवा की। वह निर्विवाद, कुशल एवं कर्मठ शिक्षक रहे। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त होने के बाद भी वह समाज की सेवा करते रहेंगे। कार्यक्रम में नितेश गोप, अमूल्य रतन चौधरी, राजकुमार दास, सविता पाडेय, गौतम पाडेय, अर्चना पाडेय, मीणा कुमारी, विजय श्रीवास्तव, सुरेंद्र विश्वकर्मा, मृत्युंजय गिरि, मुनीलाल पटेल, विमल कुमार, अमरनाथ तिवारी, राजेश कुंभकार, राजेश सिन्हा, अंकित वासन, मोती मंडल, सरयू देवी, केडीपी बर्णवाल, मोनिका देवी आदि शामिल थे।

हाड़ी समाज ने की आषाढी ग्राम देवता की आराधना

जोड़ापोखर (ससे) : आजाद नगर भागा में रविवार को हाड़ी जाति समाज सुधार समिति नामक सामाजिक संस्था की शाखा ने आजादनगर में श्रद्धा एवं धूमधाम से आषाढ़ी ग्राम पूजा की। ग्राम देवता की पूजा अर्चना के साथ सबके सुख समृद्धि एवं हर संकट से उबारने की कामना की गई। मंगल कामना की गई। संस्था के जिला प्रवक्ता कार्तिक हाड़ी ने कहा कि ग्राम देवता पूजा प्रत्येक साल आषाढ़ माह में की जाती है। इस पूजा का बहुत बड़ा महत्व है।

प्राचीन समय से ही यह पूजा हमारे पूर्वज करते आ रहे हैं। इस सभ्यता को आज भी हम लोग बरकरार रखे हुए हैं। पूजा करने से ग्राम देवता प्रसन्न होते हैं। ऐसा कहा जाता है कि गांव में किसी प्रकार की अनहोनी या संकट आने पर ग्राम देवता हर संकट का निवारण करते हैं। इस कारण से ग्रामीणों में ग्राम देवता के प्रति बहुत आस्था है। बहुत ही श्रद्धाभाव व पारंपरिक तरीके से मुख्य पुजारी द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ ग्राम देवता की पूजा अर्चना की जाती हैं। ग्राम देवता पूजा प्राचीन काल से ही अन्य जाति के लोग भी श्रद्धा-पूर्वक करते हैं।

आषाढ़ी पूजा में आजाद नगर शाखा अध्यक्ष सुनील हाड़ी, भोला हाड़ी सचिव, सलाहकार प्रदीप हाड़ी, सूचना मंत्री अशोक हाड़ी, कार्यकारिणी सदस्यों में राहुल हाड़ी विक्की हाड़ी, सचिन हाड़ी, कोका हाड़ी, राजू हाड़ी, करण हाड़ी, राजेश हाड़ी, सन्नी हाड़ी, रोहन हाड़ी, अमित हाड़ी, बंटी हाड़ी, सोनू हाड़ी, संदीप हाड़ी, मोनू हाड़ी, सोहन हाड़ी, बिट्टू हाड़ी, छोटू हाड़ी, छोटू कुमार, डिग्गी कुमार, मन्नू कुमार, कुणाल कुमार, अधुना देवी, काजल हाड़ी, रूपा देवी, मीना देवी, मुंदरी देवी, चंदा देवी, सोनू देवी, बाबुल देवी, गीता देवी, समेत बड़ी संख्या में हाड़ी समाज के पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे फल, फूल, धूप, चीनी, बताशा, धूप आदि पूजन सामग्री ग्राम देवता को अर्पित कर आराधना की गई।

स्वतंत्रता संग्राम में संथाल ने भी निभाई भूमिका

गोविंदपुर (ससे) : धनबाद जिला प्रमुख संघ की अध्यक्ष एवं गोविंदपुर प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह ने हूल दिवस पर गहिरा में सिद्धूकान्हू प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में संथाल ने भी बड़ी भूमिका अदा की थी। उन्होंने कहा कि आदिवासियों का विकास ही सिद्धू कान्हू की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्रद्धांजलि सभा में आप नेता डीएन सिंह, युनुस अंसारी, कृष्णा सोरेन, पंसस मीरा देवी, आसिफ अंसारी, अनवर अंसारी, कलीम अंसारी, परेश कुमार सोरेन, संजय महतो, सुजीत गोप, अख्तर अंसारी, कृष्णा साव, शत्रुघ्न साव, आनंद रजवार, निर्मल मंडल, अयूब अंसारी, भोला चौधरी समेत दर्जनों लोग शामिल थे।

सिद्धूकान्हू प्रतिमा का अनावरण

गोविंदपुर (ससे) : पूर्वी गोविंदपुर के गोरगोरो में ग्रामीणों द्वारा स्थापित वीर शहीद सिद्धूकान्हू की प्रतिमा का अनावरण रविवार को जिप सदस्य व झामुमो नेत्री लक्ष्मी मुर्मू ने की। उन्होंने कहा कि संथाल विद्रोह के जनक की प्रतिमा स्थापित कर ग्रामीणों ने सराहनीय कार्य किया है। श्रीमती मुर्मू ने गहरा एवं सहराज में भी सिद्धूकान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मौके पर निर्मल कुमार मंडल, रामेश्वर मुर्मू, पायका मुर्मू, कालीचरण मुर्मू, सुकल टुडू, सदानंद किस्कू, चांद मुर्मू, सुकलाल टुडू, दुगाई मुर्मू, अजय मुर्मू , सुशील हेंब्रम, किस्कू हेंब्रम, इस्माइल हेंब्रम, गुरुपद तुरी, निखिल गोराई, विश्वनाथ गोराई, पुराण मुर्मू, पार्वती मरांडी, गोरोबी मुर्मू, गोरेलाल मुर्मू, शोभा टुडू, रीता मुर्मू, गीता मुर्मू, मुनि मुर्मू, सरिता टुडू, लालमुनि मुर्मू आदि शामिल थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

इंडिया टीम की जीत पर बच्चों ने मनाया जश्न

झरिया/जोड़ापोखर (ससे) : टी२० विश्व कप के फाइनल मुकाबले में भारत ने साउथ अफ्रीका को ७ रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारत की इस जीत पर देश के अलगअलग शहरों में खूब जश्न मनाया गया। वहीं भारत की जीत के बाद झरिया में दिवाली जैसा माहौल था। शनिवार की देर रात लोग सड़कों पर आकर जश्न मना रहे थे। वही रविवार की सुबह जोड़ापोखर स्थित जेलगोरा स्टेडियम में जैलगोरा क्रिकेट एकाडेमी के बच्चों ने भारत की जीत पर केक काट कर जश्न मनाया। इस दौरान पूरा स्टेडियम इंडिया इंडिया के जयघोष से गूंज उठा। जेलगोरा क्रिकेट एकाडेमी के कोच रितम डे ने मौजूद बच्चों को केक खिलाकर भविष्य में बेहतर करने की शुभकामनाएं दी। कोच रितम डे ने कहा कि परिस्थिति चाहे जो भी हो हमे उसे डटकर मुकाबला करना चाहिए। जिस प्रकार इंडिया टीम ने विकट परिस्थितियों में भी अपना कंधा झुकने नहीं दिया। उसी तरह हमे भी भारतीय खिलाड़ियों से सिख कर हर परिस्थिति का सामना करना चाहिए। आखिर में जीत उसी की होती है जो मेहनत और लगन से अपने काम को निष्ठापूर्ण तरीके से निभाता है। इस दौरान मुख्य रूप से जेलगोरा क्रिकेट अकादमी के कोच रितम डे, राहुल मिश्रा, राजेश बीड, राहुल वर्मा, आर्यन, खुशी, प्रीतिका, आयुष, लक्की, मनोज समेत कई बच्चे मौजूद रहे।

विद्यापति परिषद की नई कमिटी गठित

सिंदरी (ससे) : रविवार को विद्यापति परिषद सिंदरी का वार्षिकोत्सव चुनाव वरिष्ठ सह संस्थापक सदस्य मदन मोहन झा की अध्यक्षता में हुई। इसके अध्यक्ष पुनः अजीत कुमार मिश्र को सर्वसम्मति से चुना गया है। अध्यक्षता कर रहे मदन मोहन झा ने बताया कि सिंदरी पुलिस की उपस्थिति में निष्पक्ष चुनाव कराकर नयी कमेटी का गठन किया गया है। इसमें संरक्षक डी सी चौधरी, उपाध्यक्ष भास्कर झा और राजगोविंद झा, महासचिव चंद्रशेखर झा, सचिव हेमंत ठाकुर और नीरज झा, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार झा का चुनाव किया गया है। अगली बैठक में परिषद के नये १५ सदस्यीय कार्यकारिणी सदस्य का निर्वाचन होगा। उन्होंने बताया कि आमसभा में बैठक कर तय किया गया है कि परिषद का चुनाव प्रत्येक वर्ष मार्च माह के अंतिम रविवार को होगा। लोकसभा चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता को ध्यान में रखकर चुनाव प्रक्रिया और नयी कमेटी का गठन तीन माह बाद किया गया है। पिछले पदाधिकारियों और कार्यकारिणी के उत्कृष्ट और पारदर्शी तरीके से काम करने की सभी सदस्यों ने एक स्वर में सराहना की ।

मौके पर डी सी चौधरी, अजीत कुमार मिश्र, चंद्रशेखर झा, बनवाली झा, अरुण झा, तेजनारायण झा, दिलीप झा, अविराम झा, अरुण झा, भास्कर झा, नीरज झा, हेमंत ठाकुर, वंशीधर झा, चंद्रभूषण झा, रुपक ठाकुर, लालकांत झा, बागेश्वर झा, संतोष ठाकुर, अमरनाथ झा, राकेश कुमार सुमन, धीरज कुमार ठाकुर सहित परिषद के कई सदस्य मौजूद थे।

आदिवासियों पर अब भी जारी है जल, जंगल व जमीन का खतरा

सिंदरी (ससे) : रविवार को माकपा की सिंदरी बलियापुर लोकल कमिटी की ओर से हूल दिवस पर पलानी में संगोष्ठी की गई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता माकपा के वरिष्ठ नेता संतोष कुमार महतो ने कहा कि आज के ही दिन भोगनाडीह गांव में जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए सिद्धू कान्हू के नेतृत्व में हूल क्रांति हुई थी। आज जब आजादी के ७६ वर्ष और झारखंड राज्य के बनें २४ वर्ष बीत गए तब भी यहां के रहने वाले और आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन पर खतरा जारी है। आज झारखंड में जल, जंगल और जमीन का दोहन देशी कॉरपोरेट घराना कर रही है। शासक वर्ग भी कॉरपोरेट घराना को मदद कर रही है। इसलिए झारखंड में शोषण के खिलाफ पुनः क्रांति के लिए हमें एकजुट होना होगा। तभी सिद्धू और कान्हू की सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

संगोष्ठी की अध्यक्षता समीरन बिद ने की। इस अवसर पर सिंदरी बलियापुर लोकल कमिटी के सचिव विकास कुमार ठाकुर, गौतम प्रसाद, सुबल चंद्र दास, सुबल मल्लिक, उपासी महताईन, रानी मिश्रा, अमर कुमार महतो, आर के मिश्रा, रंजू मिश्रा, राज नारायण तिवारी, हिमानी देवी आदि ने संगोष्ठी को संबोधित किया।

बर्णवाल युवा मंच ने लगाया रक्तदान शिविर

धनबाद (कासं) : रविवार को बर्णवाल युवा मंच के अध्यक्ष मनोज कुमार बर्णवाल के विवाहिक वर्षगाठ पर बिग बाजार के समीप, सावित्री सर्जीकियर मेटरनिटी सेंटर एंड हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों को बुके देकर सम्मानित किया गया। बाद में महाराजा अहिबरन जी का माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित नीतीश गुप्ता डी एम ओ पाकुर, अरुण बर्णवाल ब्यूरो चीफ, डॉ.बीरेंद्र कुमार बर्णवाल, दिलीप सुबुखी, मनोज कुमार बर्णवाल अध्यक्ष बर्णवाल युवा मंच धनबाद के द्वारा दीप प्रज्वलित करके इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई। अध्यक्ष मनोज बर्णवाल ने बताया की ये रक्तदान शिविर संस्था का १०वां शिविर है। इस रक्तदान शिविर में ३५ यूनिट रक्त संग्रह किया गया, जो आस्पताल ब्लड बैंक को दिया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा मंच के सचिव सुनील बर्णवाल, राजेश बर्णवाल, समरेंद्र प्रसाद, सुभाष बर्णवाल, पवन बर्णवाल, दिलीप बर्णवाल, रंजीत बर्णवाल, डॉ.बीरेंद्र बर्णवाल, डॉ.रीना बर्णवाल, शशिभूषण बर्णवाल, सुमित बर्णवाल, प्रशांत बर्णवाल, अजीत बर्णवाल, एवं मनोज कुमार बर्णवाल अध्यक्ष युवा मंच के अलावा पूरे सावित्री सेजिकियर मेटरनिटी सेंटर एण्ड हॉस्पिटल के सभी स्टाफ, समस्त बर्णवाल महिला मंच सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। मनोज कुमार बर्णवाल, दिलीप बर्णवाल आदि का सक्रिय योगदान रहा।

आयु से पहले हो जाती है पांच में से एक लड़की की शादी

नई दिल्ली (ईएमएस) : संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट कहती है कि भारत में २० करोड़ से ज़्यादा लड़कियों की शादी बचपन में ही हो गई थी। वैश्विक अनुमान के अनुसार ६.४ करोड़ लड़कियों की शादी १८ साल की उम्र से पहले हो गई थी, इनमें से एक तिहाई मामले अकेले भारत में हुए हैं। सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट २०२४ के अनुसार, पांच में से एक लड़की की शादी १८ वर्ष की आयु से पहले हो जाती है, जबकि २५ वर्ष पहले यह संख्या चार में से एक थी। इस सुधार ने पिछली तिमाही सदी में लगभग ६८ करोड़ बाल विवाहों को रोका है। इन प्रगतियों के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि दुनिया लैंगिक समानता के मामले में पीछे रह गई है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा और कई महिलाओं के लिए उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के मामले में स्वायत्तता की कमी जैसे मुद्दे अभी भी बने हुए हैं। मौजूदा गति से पुरुषों और महिलाओं के बीच प्रबंधन पदों में समानता हासिल करने में १७६ साल लगेंगे।

सीएम योगी ने भारतीय टीम को दी बधाई

नई दिल्ली (ईएमएस) : भारत क्रिकेट टीम के टी२० वर्ल्ड कप २०२४ की ट्राफी जीतते ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी है। उन्होंने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि भारत वासियों को हार्दिक बधाई! विश्व विजेता भारतीय क्रिकेट टीम का अभिनंदन! जय हिंद दरअसल भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर टी२० वर्ल्ड कप २०२४ की ट्रॉफी जीत ली है। भारत ने ११ साल बाद कोई आईसीसी ट्रॉफी जीती है। भारतीय टीम को बधाइयों का तांता लगा हुआ है। इस मैच के बाद विराट कोहली ने टी२० से संन्यास की घोषणा भी कर दी है।

हरियाणा में बापबेटे जनता की नहीं

पंचकूला,(ईएमएस) : प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में हरियाणा के प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने हुड्डा और कांग्रेस पर निशाना साधा । उन्होंने कहा कि हरियाणा में बाप-बेटे जनता की सरकार नहीं चाहते, बल्कि बापबेटे की सरकार चाहते हैं। उनका यह सपना सपना ही रह जाएगा। हरियाणा में बीजेपी की ही सरकार तीसरी बार बनेगी। देब ने कार्यकर्ताओं का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि मेरी कुंडली में हार नहीं है। हरियाणा विधानसभा का चुनाव जीतकर हम पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे। चुनाव सह प्रभारी एवं त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब ने कहा कि आज कार्यकर्ताओं को अपनी सरकार होने का अहसास है, इसलिए कार्यकर्ता गरीबों की सरकार, विकास करने वाली सरकार लाने के लिए दिन रात एक कर देंगे।

काम नहीं मिलने से परेशान सिंगर ने खोल दी म्यूजिक इंडस्ट्री की पोल

मुंबई (ईएमएस) : मैं कोई ऐसा गीत गाऊं, मेला दिलों का और तुम्हें जो मैंने देखा जैसे कई ९० के दशक के गानों को अपनी आवाज दे चुके सिंगर अभिजीत भट्टाचार्य की सिंगिंग के फैंस आज भी दीवाने हैं। उन्होंने अपने करियर में आमिर खान, सलमान खान और शाह रुख खान समेत कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है। हालांकि, काफी समय से उन्होंने बॉलीवुड के किसी भी गाने को अपनी आवाज नहीं दी है। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में पिछले कुछ सालों में फिल्मों में गाने का सही मौका न मिलने पर निराशा व्यक्त की है। साथ ही म्यूजिक इंडस्ट्री को लेकर कई दूसरे खुलासे भी किए हैं।

अभिजीत भट्टाचार्य के गाने किसी समय में चार्टबस्टर में टॉप पर हुआ करते थे। उनके कई गानों को तो अवॉर्ड भी मिल चुका है। अब हाल ही में उन्होंने पिंकविला के साथ बातचीत करते हुए पिछले कई सालों में फिल्मों में न गाने पर बात की है। जब सिंगर से पूछा गया कि क्या उन्हें कभी इस तरह की आलोचना सहनी पड़ी है, जिससे उन्हें अपमानित महसूस हुआ हो, लेकिन प्रेरणा भी मिली हो। इसके जवाब में सिंगर ने म्यूजिक इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स का शिकार होने की बात याद की। उन्होंने शेयर किया कि मेरे साथ बहुत हुआ है, जिसमें होता था कि म्यूजिक डायरेक्टर को जैसे ही लगा के शाह रुख खान की पिक्चर मिल गई, कितने भी क्लोज हो मेरे वो म्यूजिक डायरेक्टर, ऐसा लगता था कि उसका मोटिव ही था की अभिजीत को नहीं गावाऊंगा।

भाजपा कार्यसमिति की बैठक 14 को

लखनऊ (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा एक बार फिर एक्टिव मोड में आ गई है। १४ जुलाई को प्रदेश कार्यसमिति की बैठक लखनऊ में होने जा रही है। बैठक का उदघाटन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे। लखनऊ में होने वाली एक दिवसीय बैठक की तैयारियों के संबंध में पार्टी के राज्य मुख्यालय पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने चर्चा की। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में उत्तर प्रदेश से केंद्रीय पदाधिकारी, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चा के अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष, जिलाध्यक्षों समेत अन्य प्रमुख जन शामिल होंगे। बैठक में पार्टी के आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, अभियानों व अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। लोकसभा चुनाव के बाद होने वाली भाजपा की इस कार्यसमिति को काफी अहम माना जा रहा है। यूपी में १० सीटों पर उपचुनाव होने हैं, पार्टी इसकी तैयारी जुटी है। इसके साथसाथ एक सीट पर एमएलसी के चुनाव पर मंथन होगा। इसके अलावा पार्टी के नए अभियानों पर चर्चा होगी।

दिल्ली में भारी बारिश ने ली 6 की जान

नई दिल्ली,(ईएमएस) : दिल्ली में लगातार हो रही बारिश से पानी में डूबने से चार बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई। राजधानी पूरी तरह से ठप है। शनिवार को भी शहर के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने से दिल्ली के ओखला में ६० वर्षीय व्यक्ति बाढ़ वाले अंडरपास में डूब गया। बुजुर्ग की पहचान जैतपुर निवासी दिग्विजय कुमार चौधरी के रूप में हुई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उस व्यक्ति को बाहर निकाला, जो बेहोशी की हालत में था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि यह घटना तब हुई जब बुजुर्ग दिग्विजय अपनी स्कूटी को बाढ़ वाले अंडरपास में ले गए।

एक अन्य घटना में शनिवार दोपहर बाहरी उत्तरी दिल्ली के समयपुर बादली इलाके में एक अंडरपास में पानी से भरे हिस्से में दो लड़के डूब गए। यह घटना मेट्रो के पास सिरसपुर अंडरपास के पास हुई। पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और फायर ब्रिगेड की सहायता से तलाशी अभियान शुरु किया। बाद में दोनों लड़कों के शव बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि यह लड़कों के नहाते समय संदिग्ध रूप से डूबने का मामला लगता है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को भी ८ और १० साल की उम्र के दो लड़के पूर्वोत्तर दिल्ली में बारिश के पानी से भरी खाई में डूब गए थे। यह घटना न्यू उस्मानपुर इलाके में पुस्ता नंबर५ के पास पांच फुट गहरी खाई में हुई, जो बारिश के कारण पानी से भर गई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लड़कों को बचाया, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

वहीं उत्तर पश्चिमी दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में पानी से भरे अंडरपास में करीब २० साल का युवक डूब गया। मृतक आजादपुर मंडी में मजदूरी करता था, लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। बता दे दिल्ली में जून में ८८ सालों में सबसे ज्यादा एक दिन की बारिश हुई, जिस कारण शहरवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है कई सड़कों पर जाम लग लगा था।

एयरपोर्ट पर हादसे के बाद मरम्मत कार्य शुरु

नई दिल्ली (ईएमएस) : दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल१, पर शुक्रवार को बारिश से छत का एक हिस्सा गिर गया था जिससे एक व्यक्ति मौत हो गई थी। अब उसे मरम्मत कार्य के चलते बंद कर दिया गया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि टर्मिनल१ से तय सभी उड़ानें टर्मिनल२ पर डायवर्ड कर दी गई हैं। शनिवार से टर्मिनल-२ और ३ से उड़ान शुरू हो जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि टर्मिनल-१ से संचालित होने वाली उड़ानें अन्य दो टर्मिनलों से कुछ और दिनों तक चालू रहेंगी और टी१ को पूरी तरह से बहाल करने में कुछ और दिन लगेंगे। मंत्रालय ने कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल१ के लिए तय उड़ानें टर्मिनल२ और ३ पर स्थानांतरित कर दी गई हैं। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल२ और ३ से परिचालन आज से शुरू हो गया है। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल१ पर घटना के बाद, परिचालन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

बता दें रमेश कुमार कैब ड्राइवर, शुक्रवार सुबह इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल१ पर यात्रियों का इंतजार कर रहा था, तभी प्रस्थान क्षेत्र को कवर करने वाली छतरी का एक हिस्सा बारिश के कारण खड़ी कारों पर गिर गया जिसमें रमेश की मौत हो गई थी। इस घटना में छह लोग घायल भी हुए थे, जिसके कारण अधिकारियों को उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने स्थिति का जायजा लिया और मृतक के परिवार को २० लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की।

हरियाणा में भाजपा ने चलाया अपना दांव

चंडीगढ़(ईएमएस) : हरियाणा में भाजपा अपने दांव पर चल रही है। इसकी शुरुआत उसी वक्त हो गई थी जब राज्य में मनोहर खट्टर को सीएम पद से हटाकर उनकी जगह पर नायब सैनी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी। तभी भाजपा की रणनीति पर जानकारों की नजरें टिक गई थीं। नायब सैनी को १२ मार्च को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया गया था। इसके बाद प्रदेश में लोकसभा चुनाव शुरू हो गए और विधानसभा चुनाव की तैयारी चल रही है। ऐसे में नायब सैनी सरकार को काम करने के लिए बहुत कम समय मिल पाया है। इस बीच बीजेपी में चुनाव के दौरान पार्टी के चेहरे को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए गृह मंत्री ने कहा कि हरियाणा बीजेपी तीसरी बार सरकार बनाएगी। नायब सैनी दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे। अगला चुनाव नायब सैनी के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने ऐलान किया है कि निकट भविष्य में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़े जाएंगे। चुनाव में बीजेपी का सीएम चेहरा सैनी ही होंगे। अमित शाह ने शनिवार को पंचकूला में बीजेपी की विस्तारित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे सत्र के दौरान प्रदेश भर से आए हुए नेताओं, कार्यकर्ताओं, विधायकों और सांसदों को संबोधित किया। अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि अपने मन से संशय निकाल दीजिए कि हम किसी के साथ जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी को हरियाणा में किसी की बैसाखियों की जरूरत नहीं है। पूर्ण बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएंगे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में फिर से हरियाणा की जनता का विश्वास जीतेंगे।

गृह मंत्री ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में हरियाणा वासियों का अहम योगदान है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि शाह ने आगामी विधानसभा चुनावों में विजय की मजबूत आधारशिला रखी है।

गृहमंत्री ने कार्यकर्ताओं और नेताओं से रूबरू होते हुए कहा कि हमें जीत के विश्वास के साथ भारतीय जनता पार्टी को आगे बढ़ाना है। पिछले १० वर्षों में हमने हरियाणा के अंदर परिवर्तन लाने का काम किया है। राजनीति के मायनों को बदला है।

पहले एक सरकार आई थी तो भ्रष्टाचार बढ़ता था, दूसरी सरकार आती थी तो दबंगों का राज बढ़ जाता था। हमारी सरकार ने विकास किया है। कांग्रेस पर बोला हमलाकांग्रेस पर हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि हरियाणा कांग्रेस के नेता कट, कमीशन और करप्शन में लिप्त रहे हैं। पहले हरियाणा में एक सरकार एक जिले के लिए, दूसरी सरकार दूसरे जिले के लिए काम करती थी, लेकिन भाजपा ने १० वर्षों में पूरे हरियाणा में एक समान काम किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र में कमल की सरकार बना दी है और अब हरियाणा में भी तीसरी बार कमल की सरकार बनानी है।

गंगा में बही पर्यटकों की कारें

हरिद्वार(ईएमएस) : यहां सूखी नदी में अचानक बाढ़ आ जाने से कई कारें बह गई। ये वो नदी हैं जिसमें कभी पानी नहीं आता। यही वजह है कि हरिद्वार आने वाले पर्यटक इसी नदी के किनारे अपने वाहन पार्क करते हैं। लेकिन बीते रोज अचानक सूखी नदी में बाढ़ आ गई और किनारे पर खड़ीं लगभग एक दर्जन कारें पानी में बह गई। वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि कई कारें उफनती नदी में बह गईं, जबकि पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया, जिससे उनमें पानी भर गया।

उत्तर भारत में मानसून की शुरुआत से उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिसका सबसे अधिक असर हरिद्वार पर पड़ा, क्योंकि शनिवार को सुखी नदी में उफान के कारण इसके कई इलाकों में बाढ़ आ गई। यह नदी हरिद्वार में कुछ दूरी के बाद गंगा की मुख्य धारा में मिल जाती है। हर की पौड़ी के पास गंगा पर बने पुलों पर तैरती कारों की तस्वीरें अपने मोबाइल कैमरों में कैद करने के लिए भीड़ जमा हो गई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तराखंड सहित पूरे उत्तर पश्चिम भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है। मौसम कार्यालय ने दक्षिणपश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियों का संकेत दिया है। प्रत्याशित परिणामों में स्थानीयकृत सड़क बाढ़, निचले इलाकों में जलजमाव और विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास को बंद करना शामिल है। भारी बारिश के कारण दृश्यता कम होने और प्रमुख शहरों में सड़कों पर जलभराव के कारण यातायात बाधित होने से यात्रा में लंबा समय लग सकता है।

एआई टूल से चलेगा फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों का पता

नई दिल्ली,(ईएमएस) : फेफड़ों की बीमारी में एक्सरे प्राथमिक जांच मानी जाती है। लेकिन अब एक्सरे जांच से फेफड़ों में होने वाली १६ पैटर्न से जुड़ी बीमारियों का पता चल जाएगा। इसकी सटीक जांच कम से कम ७० फीसदी रहेगी। उससे कम होने पर मशीन खुद ही रिपोर्ट को डॉक्टर से परामर्श लेने की सलाह देगी। ऐसा संभव होगा एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल से, जो डिजिटल एक्सरे मशीन में लोड किया जाएगा।

इस एआई टूल को बनाया है यूपी गोरखपुर के डॉ. सात्विक वत्स और डॉ. विक्रांत शर्मा ने। इस रिसर्च में जेएनयू, नई दिल्ली और एम्स गोरखपुर के डॉक्टर भी शामिल थे। इस टूल को बनाने करने के लिए पांच देशों के डेढ लाख से ज्यादा मरीजों का ब्योरा एकत्रित किया गया। बीमारी होने पर मरीजों के फेफड़ों में बदलाव के फीचर एआई में डाले गए। इसमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, यूएई, मलेशिया, इटली व स्पेन के मरीजों का आंकड़ें शामिल है। रिसर्च में मरीज के आंकड़ों को संदर्भित करने के लिए तीन रेडियोलॉजिस्टों को भी शामिल किया। इसके अलावा चेस्ट फिजिशियन व मेडिकल आँकोलॉजिस्ट भी इसमें शामिल थे।

डॉ. सात्विक ने बताया कि एआई टूल को इस तरह विकसित किया गया है कि वह किसी भी बीमारी में फेफड़ों में हो रहे बदलाव के पैटर्न को पहचान लेगा। इसकी मदद से १६ प्रकार के पैटर्न को पहचानने में सफलता मिली है। यह पैटर्न अलगअलग बीमारियों के होते हैं, जिसमें फेफड़े में होने वाली निमोनिया, एडिमा, फाइब्रोसिस, डायाफ्राम की हार्निया, कोविड, कैंसर, फेफड़ों की झिल्ली में सूजन, पानी भरना व गांठ जैसी बीमारियां शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि इस टूल का इस्तेमाल सरल है। यह डिजिटल एक्सरे मशीन में इंस्टॉल किया जाएगा। उसके बाद एक्सरे होते ही मशीन पैटर्न के आधार पर फेफड़ों में बदलाव को पहचान लेगी। वह अपनी रिपोर्ट में बदले हुए पैटर्न का जिक्र करेगी। इससे डॉक्टर को भी बीमारी पहचाने व इलाज करने में आसानी होगी। एआई टूल को पेटेंट कराया जा चुका है। इसको लेकर पहला रिसर्च पेपर अब पब्लिश हुआ है।

यह रिसर्च पेपर अमेरिकन जर्नल में प्रकाशित हुआ है। डॉ सात्विक ने बताया कि इस एआई टूल का इस्तेमाल ग्रामीण व दुर्गम क्षेत्र में स्थित अस्पतालों में हो सकता है। जिसमें मशीन फेफड़ों के बीमारी की पहचान कर लेगी। वहां मौजूद चिकित्सक या पैरामेडिकल स्टाफ रिपोर्ट के आधार पर टेली कंसल्टेंसी कर सही परामर्श दे सकेंगे। इसे और विकसित किया जा सकता है। भविष्य में रेडियोलॉजिस्ट के परामर्श की जरुरत भी नहीं पड़ेगी।

ईसीआर जीएम ने विजेता बच्चों व टीम को किया सम्मानित

हाजीपुर (ससे): भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स के पूर्व मध्य रेल राज्य एवं सोनपुर तथा गढ़हरा जिला द्वारा पूर्व मध्य रेल इंटर कॉलेज गढ़हरा, बरौनी के विरेन्द्र शर्मा स्काउट पार्क में २६.०६.२०२४ से भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स के राष्ट्रीय स्तर का कब-बुलबल महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस महोत्सव में राजस्थान, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, झारखंड, बिहार राज्यों सहित पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे तथा पूर्व मध्य रेलवे के करीब १५० कब-बुलबुल, उनके लीडर्स एवं अधिकारियों ने भाग लिया । इस महोत्सव में भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्यालय के उप निदेशक श्रीमती सुरेखा श्रीवास्तव एवं उनकी टीम शामिल थीं । इस महोत्सव में बच्चों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास से संबंधित उनके बीच कई तरह की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इन प्रतियोगिता का ओवर ऑल प्रथम स्थान पूर्व मध्य रेल को, द्वितीय स्थान पूर्व रेलवे को तथा तीसरा स्थान तामिलनाडु की टीम को प्राप्त हुआ जबकि ओवर ऑल चैम्पियन का खिताब राजस्थान को प्राप्त हुआ।

इसी कड़ी में महोत्सव के अंतिम दिन २९.०६.२०२४ को महाशिविराग्नी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम मुख्य अतिथि महाप्रबंधक श्री तरूण प्रकाश तथा विशिष्ट अतिथि अध्यक्षा, पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन श्रीमती मीनाक्षी शर्मा के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर महाशिविराग्नी कार्यक्रम प्रारंभ किया गया । इस अवसर पर प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री शिव कुमार प्रसाद एवं मंडल रेल प्रबंधक, सोनपुर श्री विवेक भूषण सूद सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित थे । इसके उपरांत कब्ब-बुलबुल द्वारा शिविराग्नी गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी गयी ।

इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री तरूण प्रकाश ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों का मानसिक, बौद्धिक, मनोवैज्ञानिक तथा कलात्मक दृष्टिकोण से विकास होता है और वे हमारे परिवार, समाज, देश एवं विश्व को समृद्ध करने में अपनी भूमिका निभाते हैं। इस महोत्सव में जो बच्चे आए हैं उनकी उम्र करीब ०५-१० वर्ष है । ये बच्चे अपने माता-पिता से इतनी दूर आकर यहां सामूहिक रूप से विभिन्न गतिविधियों में शामिल हुए हैं । स्काउट्स एंड गाइड्स के उद्देश्यों को पूरा करने के प्रति इन बच्चों का समर्पण बहुत ही सराहनीय है। महाप्रबंधक महोदय ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि कार्यक्रम काफी मनोरंजक एवं उत्साह से परिपूर्ण थे । महाप्रबंधक महोदय द्वारा महोत्सव में शामिल बच्चों को अवार्ड एवं प्रतीक चिन्ह से सम्मानित भी किया गया।

डैम निर्माण संघर्ष समिति के सदस्यों ने की बैठक

डुमरी (ससे): पुतरीगढ़ की तराई डोकवा चढाई में रविवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम को लेकर पारसनाथ पुतरीगढ़ डैम निर्माण संघर्ष समिति तथा आसपास के पंचायतों के ग्रामीणों की एक बैठक समिति के अध्यक्ष चन्द्रदेव वर्णवाल चन्दु की अध्यक्षता में हुयी जिसका संचालन समिति के सचिव जितेन्द्र दास (नगरी के मुखिया) ने किया।

बैठक में समिति के पदाधिकारियों सहित आस पास के दर्जनों गांवों के सैंकड़ों लोग उपस्थित हुए।

इस दौरान सर्वसम्मति से कयी प्रस्ताव लिया गया जिसमें पुतरीगढ़ डैम निर्माण संघर्ष समिति के पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों का एक हस्ताक्षरयुक्त आवेदन मुख्यमंत्री झारखंड,गिरीडीह सांसद एवं डुमरी विधायक सह मंत्री एवं गिरीडीह विधायक को देकर पारसनाथ की तराई में अवस्थित पुतरीगढ नाले में डैम बनवाने की मांग की जायेगी।

वहीं गिरीडीह लोकसभा क्षेत्र एवं सटे अन्य लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा के विधायक को भी प्रतिलिपि प्रेषित कर पारसनाथ पहाड की तराई में अवस्थित पुतरीगढ में डैम बनाने से सम्बंधित आवाज उठाने का आग्रह कर विभागीय अधिकारियों को सुचित किया जायेगा।

झारखंड प्रदेश के सम्मानित राज्यसभा सदस्यों को प्रतिलिपि देकर केन्द्र रकार को पहल करने का आग्रह किया जायेगा।वही प्रत्येक महीने के द्वितीय व अंतिम रविवार को समिति की बैठक करने का निर्णय लिया गया।

बैठक को दिनेश महतो,पिंटु कुमार,निर्मल महतो,रामलाल साहु,सोमर महतो,अर्जुन महतो (मुखिया लोहेडीह) समिति के कार्यकारी अध्यक्ष संतोष महतो कोषाध्यक्ष शिवकुमार महतो, रामेश्वर महतो, बजल हेम्ब्रम आदि ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान गोपाल मंडल, रोहित सिंह, कालीचरण महतो, चेतलाल सिंह, सुनिल टुडु, महेंद्र पंडित, विनोद कुमार दास, महेन्द्र पंडित, हीरालाल टुडु, मंटु कुमार, मनोज महतो, नौशाद अंसारी, महेन्द्र साव, जिबरैल अंसारी, रामकुमार महतो, मोहसिन अंसारी, महेश्वर घासी आदि उपस्थित थे।

सहायक अध्यापकों ने निकाला मशाल जुलूस

डुमरी (ससे): सहायक अध्यापक संघ डुमरी प्रखंड कमिटी के द्वारा रविवार संध्या वादा पूरा करो झारखंड सरकार कार्यक्रम के तहत मशाल जुलूस निकाला गया जो केबी उच्च विद्यालय से निकल कर वनांचल चौक होते हुए बेरमो मोड़ तक गया,इस दौरान शामिल सहायक अध्यापकों के द्वारा अपने मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी कर रहे थे साथ ही राज्य सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगा रहे थे।इस मसाल जुलूस के समाप्ति के बाद अध्यापकों को संबोधित करते हुए सहायक अध्यापक संघ के जिला संयोजक डीलचंद महतो ने कहा कि हेमंत सोरेन ने चुनाव से पूर्व वादा किया था कि हमारी सरकार बनते ही ३ महीना के अंदर स्थाईकरण, वेतनमान, अनुकम्पा पर नौकरी देने का काम करेंगे!

लेकिन अभी सरकार के साढ़े चार साल पूरे हो गए हैं,ना ही वेतनमान मिला है और ना ही समतुल्य मानदेय,जिससे सभी सहायक अध्यापकों में आक्रोश है।

वहीं आगे की रणनीति बताते हुए कहा कि ८ जुलाई को उपायुक्त गिरिडीह को ज्ञापन सौंपेंगे वहीं २० जुलाई से मुख्मंत्री आवास का अनिश्चतकालीन घेरा डालो डेरा डालो कार्यक्रम किया जाएगा। मशाल जुलूस में विनोद महतो,महादेव महतो,नागेश्वर पंडित, जयलाल मिर्धा, अरुण कुमार आजाद, लोकनाथ यादव, विनोद यादव, कैलाश सिंह, तुलसी महतो, सुरेश महतो, ईश्वर महतो, विजय महतो, अशोक पांडे, अशोक चौधरी, कदीर अंसारी, उदय सिंह, राजकुमार पांडे आदि दर्जनों सहायक अध्यापक उपस्थित थे।

आजसू पार्टी ने मनाया हूल दिवस

डुमरी (ससे): आजसू पार्टी की इसरी बाजार स्थित प्रधान कार्यालय में रविवार को हूल दिवस मनाया गया,इस अवसर पर पार्टी के डुमरी विधानसभा प्रभारी यशोदा देवी के उपस्थित कार्यकर्ताओं ने अंग्रेजों के साथ लडाई में सिद्धो-कान्हू,चांद भैरव एवं फूलों थानों के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके अदम्य साहस और बलिदान को याद किया। विधानसभा प्रभारी ने कहा कि उपरोक्त बलिदानियों का बलिदान हमसभी को अपने देश,प्रदेश और मिट्टी से प्रेम की प्रेरणा व सीख देता रहेगा।इस दौरान आजसू प्रखंड अध्यक्ष सतीश कुमार महतो,रीना कुमारी सहायक शिक्षक डीलचन्द महतो, टिंकु महतो, सुजीत कुमार माथुर,विजय कुमार, पिन्टु वर्मा, दीपक जैन, दौलत कुमार, रंजीता देवी, पिंकी कुमारी, कंचन देवी, बब्लू सोनी,शाहीद अंसारी, तुलसी राम महतो आदि उपस्थित थे।

शाकाहारी के लिए राजमा अंडा और चिकन का बेहतरीन विकल्प

नई दिल्ली (ईएमएस): हेल्थ एक्सपर्टस के अनुसार, शाकाहारी लोगों के लिए राजमा अंडा और चिकन का बेहतरीन विकल्प हो सकता है। राजमा प्लांट बेस्ट प्रोटीन का भंडार माना जा सकता है। अनुमान के मुताबिक १०० ग्राम उबले राजमा में करीब ९ ग्राम प्रोटीन और ६.५ ग्राम फाइबर होता है।

राजमा को शुगर के मरीजों के लिए भी अच्छा माना जाता है।आमतौर पर राजमा को पहले रातभर पानी में भिगोया जाता है और फिर उबालने के बाद सेवन किया जाता है। हालांकि कई बार लोग जल्दबाजी में कच्चा राजमा इस्तेमाल कर लेते हैं, जो सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार लाल राजमा को कच्चा खाना सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक साबित हो सकता है और इससे तबीयत बिगड़ सकती है। अब आप सोच रहे होंगे कि भला राजमा इतने पोषक तत्वों से भरपूर है, लेकिन इसके बावजूद कच्चा राजमा सेहत के लिए नुकसानदायक कैसे हो सकता है। वैज्ञानिकों की मानें तो कच्चे राजमा में फाइटोहेमाग्लगुटिनिन नामक टॉक्सिक प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है। फाइटोहेमाग्लगुटिनिन प्रोटीन वैसे तो कई बीन्स में पाया जाता है, लेकिन लाल राजमा में इसकी मात्रा सबसे ज्यादा होती है। ऐसे में अगर आप राजमा को रातभर पानी में नहीं भिगाएंगे और अच्छी तरह उबालकर नहीं खाएंगे, तो इससे फूड पॉइजनिंग, उल्टी, दस्त, पेट फूलना और डाइजेशन की परेशानियां हो सकती हैं।

दिल का दौरा और कार्डीऐक अटैक से ज्यादा जान गवां रहे लोग

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल का दौरा और कार्डीऐक अटैक से ज़्यादातर लोग जो अपनी जान गंवा रहे हैं, उनकी उम्र ५० से कम है। यह आंकड़े महामारी में और तेज़ी से बढ़े हैं। दिल की बीमारियां एक साइलेंट किलर की तरह होती है जो ज्यादातर पता ही नही चलती लेकिन ऐसे में हम अगर कुछ बातों का अपने जीवन में ध्यान रख ले तो इन बीमारियों से बच सकते हैं।

अगर रोज़ाना हम हेल्दी डाइट, वर्कआउट, पर्याप्त नींद, पर्याप्त पोषण को आपके दैनिक जीवन का हिस्सा बना ले तो ज़ाहिर तौर पर हम दिल से जुड़ी, डायबिटीज़ आदि जैसी बीमारियों की चपेट में नहीं आएंगे। आइए जानते हैं ऐसी कौन सी आदतें है जो हमें फौरन बदल लेनी चाहिए- आज के कोरोना काल में वर्क फ्रॉम होम तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में अगर आप भी सारा दिन घर में बैठे रह कर काम करते हैं तो आपनी इस आदत को बदल लें। अमेरिकन हार्ट असोसियेटेड के अनुसार, जो लोग ज़्यादा हिलते नहीं हैं और ५ या उससे ज़्यादा घंटे के लिए बैठे रहते हैं, उनमें हार्ट फेलियर का जोखिम दो गुना बढ़ जाता है। जो लोग ज़्यादा शराब पीते हैं उनमें हाई ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक और मोटापे जैसी दिक्कतें शुरू हो जाती हैं, जो आगे चलकर दिल की बीमारी का ख़तरा पैदा करती हैं। ज़्यादा सोडियम एंन नमक खाना भी हाई ब्लड प्रेशर की परेशानी हो सकती है, जो दिल की बीमारी का जोखिम बनता है।

गूगल ट्रांसलेट में जुड़ी 110 नई भाषाएं

नई दिल्ली (ईएमएस): गूगल ने अपने ट्रांसलेशन सर्विस में बड़े अपडेट का ऐलान किया है। गूगल ट्रांसलेट में अब ११० नई भाषाओं के लिए सपोर्ट जोड़ा गया है। बता दें कि यह गूगल ट्रांसलेशन इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा एक्सपैंशन है, जिससे कुल भाषाओं की संख्या २४३ तक पहुंच जाती है। गूगल का दावा है कि ये अपडेट दुनिया भर में ६१४ मिलियन लोगों को फायदा पहुंचाएगा। गूगल ट्रांसलेट की नई भाषाओं में अवधी, बोडो, खासी, कोकबोरोक, मारवाड़ी, संताली, तुलु भी शामिल है. इसके अलावा नई भाषाओं में अफार जिबूती, इरीट्रिया और इथियोपिया में बोली जाने वाली एक स्वर भाषा है। बता दें कि लगभग एक-चौथाई नई भाषाएं अफ्रीका से आती हैं, जो आज तक अफ्रीकी भाषाओं में गूगल का सबसे बड़ा विस्तार है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के पास होगा पॉवर शैडो पीएम की तरह करेंगे काम

नई दिल्ली,(ईएमएस): कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता चुने गए हैं, जिस कानून के तहत राहुल गांधी को यह पद मिला, वह आपातकाल के ठीक बाद बना था। पिछले दस सालों से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद खाली था। २०१४ और २०१९ में किसी भी विपक्षी दल के पास नेता प्रतिपक्ष बनाने के लिए संख्या ही नहीं थी।

भारत के संविधान में नेता विपक्ष जैसे किसी पद की कोई अवधारणा नहीं है, ना ही कोई जिक्र है। साल १९७७ में जब इंदिरा गांधी सरकार ने आपातकाल हटाया और मोरारजी देसाई की अगुवाई में पहली गैरकांग्रेसी सरकार बनी तो नेता विपक्ष पद के लिए कानून बनाया गया। मोरारजी देसाई की सरकार 'द सैलरी एंड एलाउंसेज ऑफ लीडर्स ऑफ़ अपोजिशन इन पार्लियामेंट एक्ट, १९७७ लेकर आई। इस कानून में पहली बार नेता प्रतिपक्ष की आधिकारिक परिभाषा शामिल की गई। इस कानून में कहा गया कि सदन में सरकार के विपक्षी दल का नेता उसे माना जाएगा, जिसकी पार्टी के पास सबसे ज्यादा संख्या बल होगा अथवा लोकसभा स्पीकर या राज्यसभा के सभापति दर्जा देंगे। कानून में यह भी कहा गया है कि जब दो पार्टियों के पास समान संख्या बल होगा, तो ऐसे में लोकसभा स्पीकर तय करेंगे कि किस पार्टी को नेता प्रतिपक्ष बनेगा।

नेता प्रतिपक्ष का पद हासिल करने के लिए किसी भी पार्टी को कुल सीटों का १०फीसदी प्राप्त करना जरुरी है। यानी ५४३ में से ५५ सीटें जीतनी जरूरी हैं, तभी इस पद पर दावा कर सकते हैं। इस बार कांग्रेस ने ९९ सीटें जीती हैं, इसलिए नेता विपक्ष का पद उसके खाते में आया है। २०१९ में कांग्रेस को ५२ सीटें मिली थीं, तो २०१४ में ४४ सीटों पर सिमट गई थी।

साल १९७७ में जो कानून बना उसमें नेता प्रतिपक्ष के वेतन और दूसरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। कानून में कहा गया है कि नेता विपक्ष को कैबिनेट मंत्री के बराबर सैलरी, भत्ते और सुविधाएं मिलेंगी। कानून के मुताबिक राहुल गांधी को कैबिनेट मंत्री जैसा भारी भरकम बंगला मिलेगा साथ ही सचिवालय में एक दफ्तर भी मिलेगा। इसके अलावा ३३०,००० लाख महीना वेतन और भत्ता भी मिलेगा। राहुल गांधी को कैबिनेट मंत्री जैसी सिक्योरिटी मिलेगी, मुफ्त हवाई यात्रा से लेकर ट्रेन यात्रा, सरकारी गाड़ी और दूसरी सुविधाएं भी दी जाती हैं।

राहुल गांधी को सदन में सिर्फ विपक्ष के नुमाइंदे नहीं होंगे, बल्कि एक तरीके से 'शैडो प्रधानमंत्री' की तरह काम करेंगे। राहुल गांधी, पीएम मोदी के साथ उस पैनल का हिस्सा होंगे जो ईडी, सीबीआई, सेंट्रल विजिलेंस, सेंट्रल इन्फॉर्मेशन कमिश्नर, एनएचआरसी चीफ को सेलेक्ट करती है।

राहुल चीफ इलेक्शन कमिश्नर को चुनने वाले पैनल का भी हिस्सा होंगे। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल सरकार के खर्चों की जांच करने वाली लोक लेखा समिति के अध्यक्ष होंगे और सरकार के कामकाज की लगातार समीक्षा भी करेंगे।

पृष्ठ एक का शेषांश

आज से देश में---

की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, २०२३ को प्रस्थापित किया जाएगा। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के जरिए सीआरपीसी के नौ प्रावधानों को निरस्त किया जाएगा। इसके अलावा इस कानून में सीआरपीसी के १०७ प्रावधानों में बदलाव और नौ नए प्रावधान पेश करने को कहा गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में कुल ५३३ धाराएं हैं।

भारतीय साक्ष्य अधिनियम: बदलने वाला तीसरा कानून भारतीय साक्ष्य अधिनियम १८७२ है। इसकी जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम, २०२३ लागू किया जाएगा। नया अधिनियम मौजूदा साक्ष्य अधिनियम के पांच मौजूदा प्रावधानों को निरस्त करेगा। बिल में २३ प्रावधानों में बदलाव का प्रस्ताव है और एक नया प्रावधान पेश किया गया है। इसमें कुल १७० धाराएं हैं।

तीनों नए कानूनों से क्या बदलेगा- भारत की संप्रभुता या अखंडता को खतरे में डालने वाले किसी भी व्यक्ति को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। वहीं, मॉब लिंचिंग और नाबालिग से दुष्कर्म में शामिल लोगों को अधिकतम मौत की सजा दी जा सकती है। हत्या के जुर्म के लिए सजा-ए-मौत या आजीवन कारावास की सजा होगी। दुष्कर्म में शामिल लोगों को कम से कम १० साल की जेल या आजीवन कारावास की सजा होगी और सामूहिक दुष्कर्म के लिए कम से कम २० साल की कैद या उस व्यक्ति के शेष जीवन के लिए कारावास की सजा होगी। बिल के अनुसार, यदि किसी महिला की बलात्कार के बाद मृत्यु हो जाती है या इसके कारण महिला लगातार बेहोश रहती है, तो दोषी को कठोर कारावास की सजा दी जाएगी, जिसकी अवधि २० वर्ष से कम नहीं होगी, लेकिन जिसे आजीवन कारावास के लिए बढ़ाया जा सकता है।

बिल के अन्य खास प्रावधान- नागरिक किसी भी पुलिस स्टेशन में जीरो एफआईआर दर्ज करा सकेंगे, चाहे उनका अधिकार क्षेत्र कुछ भी हो। जीरो एफआईआर को क्षेत्राधिकार वाले पुलिस स्टेशन को अपराध पंजीकरण के बाद १५ दिनों के भीतर भेजा जाना अनिवार्य होगा। जिरह अपील सहित पूरी सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से की जाएगी। यौन अपराधों के पीड़ितों के बयान दर्ज करते समय वीडियोग्राफी अनिवार्य होगी। सभी प्रकार के सामूहिक बलात्कार के लिए सजा २० साल या आजीवन कारावास। नाबालिग से बलात्कार की सजा में मौत की सजा शामिल है। एफआईआर के ९० दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से चार्जशीट दाखिल की जाएगी। न्यायालय ऐसे समय को ९० दिनों के लिए और बढ़ा सकता है, जिससे जांच को समाप्त करने की कुल अधिकतम अवधि १८० दिन हो जाएगी। आरोप पत्र प्राप्त होने के ६० दिन के भीतर अदालतों को आरोप तय करने का काम पूरा करना होगा। सुनवाई के समापन के बाद ३० दिन के भीतर अनिवार्य रूप से फैसला सुनाया जाएगा। फैसला सुनाए जाने के सात दिन के भीतर अनिवार्य रूप से ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाएगा। तलाशी और जब्ती के दौरान वीडियोग्राफी अनिवार्य होगी। सात साल से अधिक की सजा वाले अपराधों के लिए फोरेंसिक टीमों को अनिवार्य रूप से अपराध स्थलों का दौरा करना होगा। जिला स्तर पर मोबाइल एफएसएल की तैनाती होगी। सात साल या उससे अधिक की सजा वाला कोई भी मामला पीड़ित को सुनवाई का अवसर दिए बिना वापस नहीं लिया जाएगा। संगठित अपराधों के लिए अलग, कठोर सजा। शादी, नौकरी आदि के झूठे बहाने के तहत महिला के बलात्कार को दंडित करने वाले अलग प्रावधान। चेन/मोबाइल स्नैचिंग और इसी तरह की शरारती गतिविधियों के लिए अलग प्रावधान। बच्चों के खिलाफ अपराध के लिए सजा को सात साल से बढ़ाकर १० साल की जेल की अवधि तक। मृत्युदंड की सजा को कम करके अधिकतम आजीवन कारावास में बदला जा सकता है, आजीवन कारावास की सजा को कम करके अधिकतम सात साल के कारावास में बदला जा सकता है और सात साल की सजा को तीन साल के कारावास में बदला जा सकता है और इससे कम नहीं। किसी भी अपराध में शामिल होने के लिए जब्त किए गए वाहनों की वीडियोग्राफी अनिवार्य होगी।

आज संसद में---

चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा किया था, जिस पर सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। नीट मुद्दे पर हंगामे के बीच छत्तीसगढ़ से कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम हाई ब्लडप्रेशर के चलते अचानक बेहोश हो गईं, जिसके बाद उन्हें राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विपक्षी दलों के सदस्यों ने सदन की कार्यवाही स्थगित न करने और राज्यसभा सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता न करने के लिए सरकार की आलोचना की थी।

वेंकैया नायडू की तीन---

पीएम मोदी ने जिन पुस्तकों का विमोचन किया, उनमें वेंकैया नायडू-लाइफ इन सर्विस, सेलेब्रेटिंग भारत-द मिशन एंड मैसेज ऑफ श्री एम. वेंकैया नायडू एज १३ वाइस प्रेजीडेंट ऑफ इंडिया और तेलुगु में चित्र वृत्तांत महानेता-लाइफ एंड जर्नी ऑफ श्री एम वेंकैया नायडू शामिल हैं। हैदराबाद में पुस्तक के विमोचन के अवसर पर वेंकैया नायडू समेत कई नेता व प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं।

देश की 13 सैन्य छावनियों---

स्थानीय कर/शुल्क लगा सकेगी। हालांकि इन क्षेत्रों को अलग करते समय सशस्त्र बलों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को उचित प्राथमिकता दी जाएगी। यदि ऐसी कुछ निजी स्वामित्व वाली भूमि है जिसे अलग करने से सैन्य स्टेशन की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है, तो मामले के आधार पर इस पर विचार किया जाएगा।

कांग्रेस ने सरकार से---

उसकी सहयोगी भाजपा राज्य और केंद्र दोनों जगह इस मामले पर पूरी तरह चुप है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, आरक्षण कानूनों को ५० फीसदी की सीमा से परे नौवीं अनुसूची में लाना भी कोई समाधान नहीं है, क्योंकि २००७ के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार ऐसे कानून न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए संविधान संशोधन कानून की जरूरत है। उन्होंने कहा, ऐसी स्थिति में संसद के पास एकमात्र रास्ता यह है कि वह संविधान संशोधन विधेयक पारित करे, जिससे एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण ५० फीसदी से ज्यादा हो सके।

केंद्र ने दी सौगात---

और अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में भागीदारी के लिए रोडमैप तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमने यह भी तय किया है कि हमारे सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) की एक टीम सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आउटडोर और इनडोर खेलों में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। इसका रोडमैप तैयार हो गया है और कुछ ही समय में हम इसे आगे बढ़ाएंगे। केंद्रीय मंत्री शाह ने एनडीआरएफ की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपदाओं के समय पूरा देश और दुनिया इस पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि आज भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में जब भी कहीं कोई आपदा आती है, तो लोग एनडीआरएफ की ओर देखते हैं। परिस्थिति कितनी भी विपरीत क्यों न हो, अगर एनडीआरएफ की वर्दी में कोई जवान वहां खड़ा हो, तो आपदा में फंसे लोगों का मनोबल कई गुना बढ़ जाता है।

हम मां को कुछ दे तो नहीं सकते उसका प्यार हम सब पर कर्ज है

नई दिल्ली (ईएमएस): लोकसभा चुनाव २०२४ में जीत और लगातार तीसरे बार पीएम बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने पहली बार रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिये लोगों से जुड़े। इस कार्यक्रम में पीएम ने अपनी मां हीरा बा को याद करते हुए लोगों को मां की ममता से रूबरू कराते हुए उनके नाम पर एक पेड़ लगाने के नए अभियान से जुड़ने की अपील की।

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि मेरे प्यारे देशवासियों आज वह दिन आ ही गया जिसका हम सभी इंतजार कर रहे थे। मैं 'मन की बात' के जरिए से एक बार फिर अपने परिवारजनों के बीच आया हूं। साथियों फरवरी से लेकर अब तक, जब भी, महीने का आखिरी रविवार आता है तब मुझे आपसे इस संवाद की बहुत कमी महसूस होती थी, लेकिन मुझे ये देखकर अच्छा भी लगा कि इन महीनों में आप लोगों ने मुझे लाखों संदेश भेजे।

पीएम मोदी ने इसके साथ ही कहा कि मन की बात रेडियो प्रोग्राम भले ही कुछ महीने बंद रहा हो, लेकिन मन की बात का जो स्पिरिट है देश में, समाज में, अच्छे काम, निस्वार्थ भावना से किए गए काम, समाज पर पॉजिटिव असर डालने वाले काम बराबर चलते रहे। पीएम मोदी ने कहा कि मैं आज देशवासियों को धन्यवाद भी देना चाहता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अपना अटूट विश्वास दिखाया है।कार्यक्रम में पीएम ने कहा कि मेरे प्यारे साथियो, अगर मैं आपसे पूछूं कि दुनिया का सबसे अनमोल रिश्ता कौन सा होता है तो आप कहेंगे- 'मां' हम सबके जीवन में 'मां' का दर्जा बहुत ऊंचा है.

मां, हर दुख सहकर भी अपने बच्चे का पालन-पोषण करती है। हर मां, अपने बच्चे पर प्यार लुटाती है। मां का ये प्यार हम सब पर एक कर्ज है, जिसे कोई चुका नहीं सकता. मैं सोच रहा था, हम मां को कुछ दे तो सकते नहीं, लेकिन और कुछ कर सकते हैं क्या?

पीएम मोदी ने इसके साथ ही कहा कि इसी सोच में से इस साल विश्व पर्यावरण दिवस पर एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, इस अभियान का नाम है-'एक पेड़ मां के नाम'। मैंने भी एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाया है। मैंने सभी देशवासियों से, दुनिया के सभी देशों के लोगों से ये अपील की है कि अपनी मां के साथ मिलकर, या उनके नाम पर, एक पेड़ जरूर लगाएं।' उन्होंने कहा कि हर कोई अपनी मां के लिए पेड़ लगा रहा है। चाहे वह अमीर हो या गरीब, चाहे वह कामकाजी महिलाएं हों या घरेलूइस अभियान ने मां के लिए अपना प्यान जताने का संदेश है। उन्होंने कहा कि 'मां के नाम पेड़ लगाने के अभियान से अपनी मां का सम्मान तो होगा ही, साथ ही धरती मां की भी रक्षा होगी।'

राजद से एनओसी लेने की नहीं है जरूरत : अशोक चौधरी

पटना (एजेंसी): जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद पटना लौटे पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने संजय झा को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी. उन्होंने कहा कि संजय झा के नेतृत्व में जेडीयू का आधार अन्य राज्यों में बढ़ेगा और आगामी जो विधानसभा चुनाव कई राज्यों में होने वाले हैं, उसके लिए संजय झा बेहतर विकल्प है. उनके नेतृत्व में अच्छे तरीके से जेडीयू के विस्तार में काम होगा. बिहार को विशेष राज्य के दर्जे और विशेष पैकेज के मुद्दे पर अशोक चौधरी ने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग हम लोगों की पुरानी है और हम लोग इस मांग पर अभी भी बने हुए हैं.

अशोक चौधरी ने आगे कहा कि बीजेपी के साथ हम लोग विकास कर रहे हैं. बीजेपी भी विकास चाहती है और हम लोग भी विकास चाहते हैं. सरकार विकास के कामों पर कार्य कर रही है, लेकिन बिहार को विशेष राज्य दर्जा देने की मांग हम लोगों की बनी हुई है. उन्होंने कहा कि या तो विशेष पैकेज दिया जाए, जिससे कि बिहार का विकास हो सके. वहीं बिहार में लगातार गिर रहे पुलों पर तेजस्वी यादव के ट्वीट पर पलटवार करते हुए अशोक चौधरी ने कहा कि पुल गिर रहे हैं, लेकिन १७ महीने के कार्यकाल में पथ निर्माण मंत्री कौन थे और विभागीय मंत्री कौन थे, यह भी तेजस्वी को देखना चाहिए.

बिहार के पथ निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि तेजस्वी के कार्यकाल में ही पुल का निर्माण हुआ था, ऐसा नहीं है कि हम लोगों ने पुल बनाना अभी शुरू किया है. वहीं राजद के द्वारा संजय झा को बीजेपी का एजेंट कहे जाने पर अशोक चौधरी ने कहा कि अब राजद तय करेगा कि जेडीयू में क्या हो और कौन अधिकारी बनाया जाए. जेडीयू दिवालिया नहीं हो गया है. जेडीयू अपने फैसले ले सकता है. अपने फैसले के लिए उसे राजद से एनओसी लेने की जरूरत नहीं है. अशोक चौधरी ने कहा कि राजद खुद अपना देखे, वह हम लोगों के संगठन के बारे में क्या बोल सकते हैं.

15 लाख शिक्षकों को प्रशिक्षित कर रहा है यूजीसी

गुवाहाटी(ईएमएस): यूजीसी के अध्यक्ष ममीडाला जगदीश कुमार ने कहा कि यूजीसी 'मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम' कार्यक्रम से उच्च शिक्षा प्रणाली में लगभग १५ लाख शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए कुमार ने कहा कि वे छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए डिग्री कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में कौशल शिक्षा को एकीकृत करने के विभिन्न तरीकों पर विचार- विमर्श कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षक हमारी शिक्षा प्रणाली की रीढ़ हैं और यूजीसी अब 'मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम' कार्यक्रम के माध्यम से उच्च शिक्षा प्रणाली में लगभग १५ लाख शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह शिक्षकों के लिए पूरी तरह से ऑनलाइन दो सप्ताह का प्रशिक्षण है और इसके साथ ही हम अपने विश्वविद्यालयों में अनुसंधान तंत्र को मजबूत करने पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिग्री कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में कौशल शिक्षा को कैसे एकीकृत किया जाए ताकि हमारे छात्रों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ें। इसके साथ ही डिजिटल तकनीक का उपयोग करके ग्रामीण पृष्ठभूमि, सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से आने वाले छात्रों तक पहुंचने का प्रयास किया जाए। यूजीसी के अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत, वे विश्वविद्यालयों से छात्रों के प्रवेश को बढ़ाने के लिए अधिक ऑफ-कैंपस केंद्र खोलने का भी अनुरोध कर रहे हैं।

टी20 वर्ल्ड कप जीत कर विश्व विजेता बनने पर भारत को देश-दुनिया ने दी बधाई

नई दिल्ली,(ईएमएस): भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरी बार टी२० वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। डेथ ओवर का मैच सही में डेथ ओवर की तरह लग रहा था। भारत ने इस डेथ ओवर में साउथ अफ्रीका के हाथों से जीत छीन ली। इस जीत के बाद देश और दुनिया से टीम इंडिया को बधाईयां आनी शुरु हो गई हैं। भारत में इजरायल के वर्तमान राजदूत ने भी इंडियन टीम को बधाई दी है। उनहोंने एक्स पर पोस्ट में लिखा ' चक दे इंडिया टी२०वर्ल्डकप२०२४ में शानदार जीत के लिए टीमइंडिया को बधाई। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने भी टीम इंडिया के सभी खिलाड़ियों को बधाई दी है।

भारत की जीत पर अमेरिका ने भी बधाई दी है। मालूम हो कि टी-२० वर्ल्ड के कुछ मैच वेस्टइंडीज में तो कुछ अमेरिका में हुए थे। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने टीम इंडिया को बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा 'वाह, शानदार जीत। देश के जाने माने बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने भी टीम इंडिया को बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा 'नमस्ते चैट जीपीटी ४.ज कृपया मुझे भारतीय क्रिकेट टीम को सुपरहीरो के रूप में दिखाने वाली एक तस्वीर बनाकर दें क्योंकि वे अंत तक सुपरकूल थे। उन्होंने हम सभी को याद दिलाते हुए कि सुपरहीरो बनना कभी भी जीतने के दृढ़ संकल्प और कभी हार न मानने वाले रवैये के बिना नहीं आता है। जय हो! इसके साथ ही गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने अपनी पोस्ट में लिखा 'क्या खेल था, सांस लेना मुश्किल था, वो सब कुछ जो खेल को अविश्वसनीय बनाता है। बधाई इंडिया, बहुत बढ़िया, इसके हकदार! दक्षिण अफ्रीका का खेल अविश्वसनीय था।

आईआईटी के बेरोजगारों की संख्या 3 साल में 2 गुना बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस): आईआईटी से पढ़ाई करने के बाद भी नौकरी मिलेगी या नहीं। यह अब सुनिश्चित नहीं रहा। २०२३-२४ में सभी आईआईटी में पंजीयत पास आउट के ३८ फ़ीसदी छात्रों को अभी तक जाब के ऑफर नहीं मिले हैं। २०२१-२२ मैं जिन छात्रों ने परीक्षा पास की थी। उनमें से १९ फ़ीसदी को अभी तक काम नहीं मिला है।

३ साल में जॉब नहीं मिलने वाले छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले तीन वर्षों में आईआईटी से जिन्होंने पास आउट किया है। उन्हें नौकरी नहीं मिलने से युवाओं में निराशा व्याप्त हो रही है।

सूचना अधिकार कानून से प्राप्त जानकारी के अनुसार २०२१-२२ में आईआईटी कानपुर के २२५६ छात्रों ने जब के लिए पंजीयन कराया था। इनमें से १६१५ छात्रों को ही जॉब मिला। २०२३-२४ में पंजीयन करने वाले छात्रों की संख्या २६६० थी। इसमें से मात्र १५६४ छात्रों को नौकरियां मिली हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार देश की सभी आईआईटी में २०२१-२२ में १७८८७ छात्रों द्वारा पंजीयन कराया गया था। इसमें से १४४८५ छात्रों को जब मिली थी। २०२२-२३ में १९९६९ छात्रों ने पंजीयन कराया था। इनमें से मात्र १५८०४ छात्रों को प्लेसमेंट मिला। २०२३-२४ में २१४७३ छात्रों ने पंजीयन कराया था।

महा विकास अघाड़ी साथ मिलकर लड़ेगा महाराष्ट्र विस चुनाव:शरद पवार

मुंबई(ईएमएस)। महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव हैं। इंडिया ब्लॉक में शामिल कांग्रेस, एनसीपी (एससीपी) और शिवसेना (यूटी) महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी में भी शामिल हैं। रविवार को एनसीपी (एससीपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि कांग्रेस, शिवसेना (यूटी) और उनकी पार्टी मिलकर इस साल अक्टूबर में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। पवार ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में प्रमुख विपक्षी दलों की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे राज्य विधानसभा चुनावों में छोटे सहयोगियों के हितों की रक्षा करें, जो २०२४ के लोकसभा चुनावों में गठबंधन का हिस्सा थे।

पवार ने कहा कि विपक्ष महाराष्ट्र के लोगों के सामने एक सामूहिक चेहरा रखेगा। राज्य में बदलाव की जरूरत है और इसे पूरा करना विपक्षी गठबंधन की नैतिक जिम्मेदारी है। शरद पवार ने आगे कहा कि महाभारत में अर्जुन का लक्ष्य मछली की आंख थी, इसलिए हमारी नजरें महाराष्ट्र में होने वाले चुनावों पर टिकी हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सीटों के बंटवारे पर बातचीत शुरू नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही शुरू होगी। उन्होंने कहा कि २०२४ के लोकसभा चुनावों में लोगों ने तीनों ही पार्टियों को अच्छा रिस्पॉन्स दिया है। लेकिन इन तीन पार्टियों की तरह वामपंथी दल, किसान और श्रमिक पार्टी भी गठबंधन का हिस्सा थे, लेकिन हम उन्हें लोकसभा में सीटें नहीं दे सके। इन पार्टियों के हितों की रक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। विधानसभा चुनाव में इन पार्टियों के साथ आगे बढ़ने का प्रयास किया जाएगा। एकनाथ शिंदे सरकार के पेश किए राज्य बजट पर पवार ने कहा कि अगर आप खाली जेब लेकर बाजार जाते हैं तो क्या होता है? यह कुछ दिनों की बात है, जल्द ही वास्तविकता सामने आ जाएगी।

आगरा में बनेगा इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर

आगरा (ईएमएस): आगरा में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर बनेगा। हाल ही में कैबिनेट बैठक में इस प्रोजेक्ट के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम और उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के बीच शेयर होल्डिंग एग्रीमेंट को हरी झंडी दी गई है। इसके बाद उम्मीद की जा रही है कि शहर का विकास रफ्तार पकड़ेगा। आगरा के रहन कला और कुबेरपुर में एक हजार एकड़ से अधिक जमीन पर क्लस्टर डेवलप किया जाएगा। हालांकि पूर्व में यह जमीन थीम पार्क के लिए ली गई थी, लेकिन अब इस जमीन पर क्लस्टर बनेगा। यह जमीन यमुना एक्सप्रेस- वे, लखनऊ एक्सप्रेस- वे और अमृतसर- कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के समीप है। इसके लिए इगिस इंटरनेशनल एसए फ्रांस, इगिस इंडिया कंसल्टिंग इंजीनियर्स प्रा लि गुरुग्राम, सीबीआरई साउथ एशिया प्रा लि गुरुग्राम को कंसल्टेंट नियुक्त किया गया है।

प्रोजेक्ट को केंद्र के नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट एंड इम्प्लीमेंटेशन ट्रस्ट और उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी की ओर से डेवलप किया जाएगा। इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के लिए १५९५ पेड़ों को हटाया जाना है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिलने का इंतजार है। यूपीसीडा के अधिकारियों की मानें तो पेड़ हटाने की अनुमति मिलने के साथ ही ग्राउंड पर कार्य तेजी से शुरू कर दिया जाएगा।

इस प्रोजेक्ट से उद्योग जगत को फायदा होगा। इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर में फैक्ट्री लगेगी। इससे आसपास के लोगों को रोजगार मिलेगा, जबकि तैयार सामान को रोड या फिर ट्रेन से आसानी से अन्य राज्यों में भेजा जा सकेगा।

हाईकोर्ट ने पंजाबी गायक गुरदास मान को दी राहत, ट्रांसक्रिप्ट भी रिकॉर्ड में रखा

सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का है आरोप

चंडीगढ़,(ईएमएस): पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने गायक गुरदास मान द्वारा सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में दायर याचिका को रद्द करने से इनकार कर दिया है। गुरदास मान ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लाडी शाह श्री गुरु अमरदास जी के वंशज हैं। पुलिस ने उनके खिलाफ कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

इन धारा के तहत किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक मान्यताओं का अपमान कर उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर किए गए और खतरनाक कामों के लिए सजा का प्रावधान है। जस्टिस संदीप मौदगिल ने कहा कि इस बात का कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सबूत नहीं है कि गुरदास मान ने लाडी शाह को श्री गुरु अमरदास जी के वंशज के रूप में स्वीकार करने के लिए किसी विशेष समुदाय के किसी व्यक्ति या समूह पर दबाव डाला हो। यह पूरी तरह से व्यक्ति के विश्वास पर निर्भर करता है कि वह उस दावे को स्वीकार करता है या नहीं। कोर्ट भी संवेदनशीलता का ध्यान रखती है पर इसके साथ ही उसे चीजों को तार्किक रूप से भी देखना पड़ता है।

कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा की जानी चाहिए क्योंकि यह आत्म-अभिव्यक्ति के जरिए से व्यक्ति की स्वायत्तता, गरिमा और कल्याण को सक्षम बनाता है। इस तरह किसी व्यक्ति और उक्त अपराध के तहत मामला चलाने के लिए जानबूझकर अपमान इस हद तक होना चाहिए कि व्यक्ति को सार्वजनिक शांति भंग करने या कोई अन्य अपराध करने के लिए उकसाया जा सके। जज ने कहा कि निचली कोर्ट ने यह निष्कर्ष निकाला है कि गुरदास मान की वीडियो फुटेज वाली पेन ड्राइव और पंजाबी में ट्रांसक्रिप्ट को देख कर नहीं कहा जा सकता कि गुरदास मान ने जानबूझकर याचिकाकर्ता या समुदाय को कोई नुकसान पहुंचाया है या किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से ये किया है। गुरदास मान ने इस संबंध में माफी मांग ली है और उसकी माफी का ट्रांसक्रिप्ट भी रिकॉर्ड में रखा गया है। कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद कैंसिलेशन रिपोर्ट रद्द करने की रिपोर्ट को स्वीकार करने के निचली अदालत के फैसले पर सहमती जताई।

भारत के वर्ल्ड चैंपियन बनने पर जश्न में डूबा महाराष्ट्र

मुंबई, (ईएमएस): टीम इंडिया एक बार फिर टी२० विश्वकप विजेता बन गई. टीम इंडिया ने शनिवार (२९ जून) को वो कर दिखाया, जिसका इंतजार हर भारतीय को १७ सालों से था. ब्रिजटाउन में टीम इंडिया की जीत तय होते ही हर तरफ पटाखे फूटने लगे. लोग जोर-जोर से इंडिया-इंडिया चीखने लगे. इसी के साथ मुंबई समेत महाराष्ट्र में भी लोगों ने जमकर जश्न मनाया. आपको बता दें कि १७ साल का इंतजार खत्म करते हुए भारत दक्षिण अफ्रीका को सात रन से मैच हराकर टी२० विश्व कप जीत लिया. वहीं भारत की जीत के बाद हर तरफ दिवाली जैसा माहौल था, लोग सड़कों पर आकर जश्न मना रहे थे, कहीं ढोल-नगाड़े बज रहे थे, तो कहीं पटाखे फोड़े गए. लोगों ने मिठाईयां बांटी. लोग मैच खत्म होने के बाद जश्न मनाने के लिए सड़कों पर निकल आए और जमकर आतिशबाजी की.

बाबा बर्फानी के दर्शन करने 6,619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रवाना

जम्मू,(ईएमएस): अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए ६,६१९ तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रविवार को रवाना हुआ। इससे पहले शनिवार को १३ हजार से ज्यादा यात्रियों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। जम्मू के अधिकारियों ने बताया कि ६,६१९ यात्रियों का तीसरा जत्था रविवार सुबह १५१ वाहनों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा कि इनमें से २,७८१ यात्री ३:५० बजे १५१ वाहनों में सवार होकर बालटाल आधार शिविर के लिए और ३,८३८ यात्री १६८ वाहनों में सवार होकर सुबह ४:४२ बजे नुनवान आधार शिविर के लिए रवाना हुए। दोनों काफिलों को सुरक्षा घेरे में रवाना किया गया। इस साल ५२ दिन तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा २९ जून को शुरू हुई थी और १९ अगस्त को समाप्त होगी। यात्री ४८ किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम-गुफा तीर्थ मार्ग से या फिर १४ किलोमीटर लंबे बालटाल-गुफा तीर्थ मार्ग से यात्रा करते हैं।

उत्तर भारत में बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान

नई दिल्ली (ईएमएस)।: भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले चार से पांच दिन उत्तर भारत में भारी से बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। आईएमडी के अनुसार तीन जुलाई तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होगी। आईएमडी ने कहा कि अगले दो से तीन दिन में पश्चिमी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब के अधिकांश हिस्सों और हिमाचल प्रदेश और जम्मू के शेष इलाकों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

आईएमडी ने यह भी कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून पूर्वी उत्तर प्रदेश के शेष हिस्सों और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में आगे बढ़ गया है। अगले सात दिनों तक राजधानी दिल्ली में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने दिल्ली में अगले तीन दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में भी दो जुलाई तक राज्य में मूसलाधार बारिश तथा आंधी का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए आईएमडी ने 'ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, कांगड़ा, कुल्लू और किन्नौर जिलों में तीन सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गई हैं।

राजस्थान में भी मानसून के कारण आगामी कुछ दिनों में भारी बारिश होने का अनुमान है। मौसम कार्यालय के अनुसार, बीते २४ घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर बादल गरजने के साथ हल्की से मध्यम वर्षा तथा कहीं-कहीं भारी वर्षा दर्ज की गई। मौसम कार्यालय ने पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में अगले कुछ दिनों में भारी बारिश होने का अनुमान जताया है।

मौसम विभाग ने उत्तराखंड में २ और ३ जुलाई को भारी से भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड के मौसम विभाग के निर्देशक विक्रम सिंह के मुताबिक प्रदेश में लगभग ८० फ़ीसदी क्षेत्र में मानसून दस्तक कर चुका है। विक्रम सिंह ने जानकारी दी की कई क्षेत्र में पिछले २४ घंटे के दौरान भारी बारिश हुई है। इसके अलावा मौसम विभाग ने जो ऑरेंज अलर्ट जारी किया है उसमें लैंडस्लाइड नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी और पत्थरों के कितने जैसी घटनाएं हो सकती है।

इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने का अनुमान है। आईएमडी ने २९ जून से एक जुलाई तक सौराष्ट्र, कच्छ, केरल, तमिलनाडु तथा तटीय और दक्षिण कर्नाटक में भी कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने का पूर्वानुमान लगाया है।

रवींद्र जडेजा ने भी टी 20 से लिया संन्यास

नई दिल्ली(ईएमएस): भारत ने जैसे ही टी२० वल्र्ड कप-२०२४ का खिताब अपने नाम किया वैसे ही दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने टी२० इंटरनेशनल से संन्यास का ऐलान कर दिया। इसके बाद रोहित शर्मा ने भी टी२० इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। अब इस फेहरिस्त में रवींद्र जडेजा का नाम भी जुड़ गया है। जडेजा ने रविवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए अपने टी२० इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने की जानकारी दी।

केरल में मक़ापा के बैंक खाता और संपत्ति अटैच

कोच्चि (ईएमएस): केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने मक़ापा के बैंक खातों को अटैच कर लिया है।शनिवार को केरल कोऑपरेटिव बैंक घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग केस में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है।

भारत की जीत पर छलके खुशियों के आंसू, अमिताभ आमिर समेत तमाम हस्तियों ने दी बधाई

मुंबई(ईएमएस): मिसेज विराट कोहली, यानी बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारा पर्सनल सा पोस्ट किया: हमारी बेटी की सबसे बड़ी चिंता यह थी कि क्या सभी खिलाड़ियों को टीवी पर रोते हुए देखने के बाद उन्हें गले लगाने वाला कोई है। ... हां, मेरी डार्लिंग ... उन्हें १.५ अरब लोगों ने गले लगाया। क्या शानदार जीत और क्या शानदार उपलब्धि। इस की बधाई केवल अनुष्का तक सीमित नहीं हैं। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने एक्स पर एक ही वाक्य में पूरी भावना को बयां कर दिया- टीम इंडिया की आंखों से छलकने वाले आंसुओं का साथ देने के लिए . आंखें छलक आई हैं ... विश्व चैंपियन भारत ... जय हिंद, जय हिंद, जय हिंद। आमिर खान ने एक्स पर बधाई संदेश के साथ एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उनकी लंबी सी मुस्कान दिख रही है। अंत में उन्होंने थम्स अप किया। उन्होंने लिखा, टीम इंडिया को बधाई! क्या शानदार मैच था! मुझे यह बेहद पसंद आया। शानदार क्रिकेट के लिए धन्यवाद। आप लोगों ने वास्तव में हमें गौरवान्वित किया है। ढेर सारा प्यार।

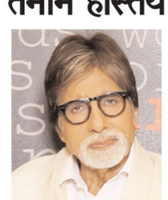

मलयालम सुपरस्टार ममूटी ने एक्स पर पोस्ट किया, क्या रात थी, क्या वापसी थी! भारत- फिर से विश्व चैंपियन। पूरी टीम को बधाई! मनोज बाजपेयी ने मैदान पर जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए कोहली की तस्वीर के साथ इंस्टाग्राम पोस्ट में टिप्पणी की- क्या ज़बरदस्त जीत है। लहरा दो तिरंगा। इस शानदार जीत के लिए हमारे लड़कों पर बहुत गर्व है।

जीत को समर्पित एक लंबी पोस्ट में, रणवीर सिंह ने कोच राहुल द्रविड़ की प्रशंसा करते हुए शुरुआत की। क्या तरीके से जीता है। एक समय लगा कि सब कुछ हार ही गये थे। और फिर... फाइट बैक। भारतीय क्रिकेट के सबसे महान चैंपियनों में से एक को सबसे सटीक विदाई। राहुल द वॉल द्रविड़। रणवीर ने विराट कोहली, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या का विशेष तौर पर जिक्र किया जिन्होंने इस बड़ी जीत में योगदान दिया।

कियारा आडवाणी ने इमोजी से भरे एक पोस्ट में कहा- क्या शानदार फिनाले और क्या टूर्नमेंट था। रोहित शर्मा के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन, सभी खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन। और जसप्रीत बुमराह, क्या आप सचमुच इंसान हैं? विराट कोहली आज आपका भाषण ... राहुल द्रविड़ को कोच के रूप में जीतते हुए देखकर दिल भर आया!! टीम इंडियाआआआ इसे घर ले आई! विजय वर्मा, जो जल्द ही मिर्जापुर ३ में नज़र आएंगे, ने कहा: यह हम सभी के लिए बहुत बड़ा दिन है।

एनडीए व विपक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी

पटना (एजेंसी): बिहार में लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद एनडीए की सरकार बनने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरी तरह से पावरफुल नजर आ रहे हैं. इसके साथ ही राज्य के लिए स्पेशल स्टेटस की मांग भी तेज हो गई है. नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने अप्रत्यक्ष रूप से इस विशेष दर्जे की मांग की थी.

नीतीश कुमार के बाद उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी इस मांग में शामिल हो गए हैं. तेजस्वी यादव ने कहा था कि बिहार किंगमेकर की भूमिका में

है, इसलिए अब नीतीश कुमार को बिहार के लिए स्पेशल स्टेटस की मांग करनी चाहिए. तेजस्वी यादव के इस बयान के बाद बिहार बीजेपी अध्यक्ष सम्राट चौधरी का भी बयान सामने आया है. सम्राट चौधरी ने विशेष पैकेज को लेकर तेजस्वी यादव की मां राबड़ी देवी पर सीधा प्रहार किया. उन्होंने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी ने बिहार को विशेष पैकेज दिया था, तब राबड़ी देवी उस राशि को खर्च नहीं कर पाईं.

सम्राट चौधरी ने लालू यादव पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि यूपीए की सरकार में लालू यादव रेल मंत्री बनकर गरीबों के पैसे लूटते रहे लेकिन बिहार को कभी स्पेशल पैकेज नहीं मिला. सम्राट चौधरी अक्सर लालू परिवार के भ्रष्टाचार को लेकर बयान देते रहते हैं. इन बयानों से स्पष्ट है कि बिहार में विशेष दर्जे की मांग को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है. एनडीए और विपक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला चल रहा है.

बिहार की जनता और राजनीतिक विश्लेषक इन बयानों पर अपनी नजर बनाए हुए हैं. यह देखना दिलचस्प होगा कि आगे चलकर बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग पर क्या निर्णय लिया जाता है और इसका राज्य की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ता है.

धड़ाधड़ बह रहे पुलों पर सियासत शुरु

पटना (ईएमएस): बिहार में एक के बाद एक पुल ढह रहे हैं। इससे जहां भ्रष्टाचार की पोल खुल रही है वहीं जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं। लेकिन अब पुलों पर राजनीति शुरु हो गई है। केंद्रीय मंत्री और पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने पुल गिरने की घटनाओं पर साजिश की आशंका व्यक्त की है। बिहार के अलग-अलग जिलों में बीते दो हफ्तों के अंदर ५ पुल गिर चुके हैं। इनमें से अधिकांश पुल निर्माणाधीन थे। वहीं, कुछ जर्जर भी थे, जिनके पुनर्निर्माण के लिए कई प्रस्ताव भेजा गया, लेकिन उसपर कोई निर्णय नहीं हुआ।

मांझी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में पुल गिरने कई घटनाएं घटी हैं, लेकिन १५-२० दिन पहले तक इस तरह की घटनाएं नहीं हुआ करती थीं। यह जांच का विषय है।

पार्टी व परिवार तोड़ने वालों से कोई समझौता नहीं: चिराग पासवान

पटना (एजेंसी): बिहार के दिवंगत नेता रामविलास पासवान का परिवार एकजुट नहीं हो सकता है. रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान के बयान से तो यही लगता है. दरअसल, रामविलास पासवान के निधन के बाद उनके छोटे भाई पशुपति पारस ने चिराग पासवान से रिश्ता खत्म कर लिया था. इतना ही नहीं उन्होंने पार्टी भी तोड़ दी थी. इसके बाद से दोनों के बीच अदावत चली आ रही है. हालांकि, चिराग के केंद्रीय मंत्री के बाद उनके चाचा और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस से उन्हें परिवार का बड़ा बेटा कहा था. इससे लगा था कि अब शायद पासवान परिवार फिर से एक हो जाए. लेकिन अब चिराग ने इस मामले पर दो टूक जवाब दिया है. चाचा पशुपति पारस से रिश्ते पर चिराग पासवान ने साफ कहा कि पार्टी और परिवार तोड़ने वालों से किसी तरह का समझौता नहीं हो सकता है.

पटना में कार्यकर्ता सम्मान समारोह में चिराग पासवान ने साफ कहा कि जिन लोगों ने पार्टी के साथ गद्दारी की उनके लिए हमेशा के लिए दरवाजा बंद हो गए हैं. चाचा पशुपति पारस पर तंज कसते हुए चिराग ने कहा कि जो लोग परिवार को और पार्टी को तोड़े थे, वे आज कहां हैं सब देख रहे हैं. उन्होंने आगे कहा कि जिन लोगों ने ५ सांसदों के साथ अलग पार्टी बनाई थी, आज वह ० पर हैं और हमारे ५ सांसद हो गए हैं. लोजपा आर के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि चिराग ने बड़ी मेहनत से लोजपा (रामविलास) का गठन किया था. बिहार की जनता ने चिराग पासवान को ही दिवंगत नेता रामविलास पासवान का असली उत्तराधिकारी बनाया है.

बता दें कि रामविलास पासवान के निधन के बाद से और २०२४ लोकसभा चुनाव से पहले तक राजनीति में चिराग पासवान अलग-थलग पड़ गए थे. हालांकि, बिहार विधानसभा के उपचुनाव में चिराग ने जिस तरीके से बीजेपी की मदद की और उपचुनाव में बीजेपी की जीत हुई, उसके बाद उनका कद बढ़ा. यही कारण है कि एक सांसद वाली चिराग की पार्टी (लोजपा-रामविलास) को ५ सीटें दी गईं और उनके चाचा पशुपति कुमार पारस की पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली. २०२४ चुनाव परिणाम का रिजल्ट चिराग पासवान के लिए संजीवनी का काम किया. लोजपा आर को सभी पांचों सीटों पर जीत मिली थी.

मनोज कुमार सिंह यूपी के बनें नए मुख्य सचिव

लखनऊ,(ईएमएस): १९८८ बैच के आईएएस अधिकारी मनोज कुमार सिंह को यूपी का नया मुख्य सचिव बनाया गया है। इस बार दुर्गा शंकर मिश्रा को सेवा विस्तार नहीं दिया गया। सीएम योगी ने दुर्गा शंकर मिश्रा का कार्यकाल खत्म करने कर फैसला लिया। मनोज कुमार सिंह मुख्य सचिव और आईआईडीसी दोनों होंगे। इसके आदेश जारी कर दिए गए हैं। मनोज सिंह आज दोपहर बाद मुख्य सचिव पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे।

१९८४ बैच के आईएएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्र का कार्यकाल रविवार को खत्म हो रहा है। दुर्गा शंकर को दिसंबर २०२१ में सेवानिवृत्त से ठीक पहले सेवा विस्तार देते हुए यूपी का मुख्य सचिव बनाया था। इसके बाद दिसंबर २०२२ में उन्हें दोबारा एक साल का एक्सटेंशन मिला। दिसंबर २०२३ में जब उनका कार्यकाल खत्म होने वाला था तब भी उन्हें लोकसभा चुनावों के मद्देनजर छह माह का सेवा विस्तार दे दिया।

अब उन्हें चौथा सेवा विस्तार नहीं दिया गया और सरकार ने आईएएस मनोज कुमार सिंह को मुख्य सचिव की जिम्मेदारी सौंप दी। मूलरूप से रांची के रहने वाले आईएएस मनोज कुमार सिंह की गिनती राज्य के असरदार नौकरशाहों में होती है। मनोज के पास मौजूदा समय में कई अहम विभागों की जिम्मेदारी है। अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज और उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण की भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। सरकार की कई योजनाओं को जमीन पर उतारने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आपातकाल वाले बयान पर माफी मांगे लालू : मंगल पांडे

पटना (एजेंसी): केंद्र में तीसरी बार सरकार बनने के बाद से बीजेपी आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर लगातार हमलावर है. इस मामले को लेकर संसद में भी खूब हंगामा देखने को मिला है. इस बीच आरजेडी चीफ लालू यादव आपातकाल को लेकर एक बयान देते हैं.

जिसके बाद बिहार में सियासी बयानबाजी शुरू हो गया है. लालू यादव के आपातकाल वाले बयान पर बिहार सरकार के मंत्री मंगल पांडे ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव १९७४ से लेकर १९९० तक इसी कांग्रेस के खिलाफ लड़ाई लड़े अब उनके साथ हैं. इसलिए वह इस तरीके का बयान दे रहे हैं.

लालू प्रसाद यादव यह बताएं कि उन्होंने अपनी बेटी का नाम मीसा क्यों रखा? मंगल पांडे ने आगे कहा कि लालू प्रसाद यादव को बिहार की

जनता से इसको लेकर माफी भी मांगनी चाहिए की १९७४ से १९९० के बीच में उन्होंने जो कुछ भी बोला और जितने भी आंदोलन किया वह सब झूठ था. आज कांग्रेस के रहमो करम पर हैं इसलिए वह इस तरीके का बयान दे रहे हैं.

इंदिरा गांधी के खिलाफ जयप्रकाश नारायण ने बिहार से बिगुल फूंका था और आज लालू यादव उसी कांग्रेस के आपातकाल को सही बता रहे हैं. १९९० से पहले उन्होंने जो बयान दिया था कांग्रेस के खिलाफ उसको लेकर बिहार के जनता से माफी मांगे.

बता दें कि इससे पहले आरजेडी चीफ लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि लोकतंत्र के इतिहास पर आपातकाल धब्बा जरूर है तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लेकिन उस दौरान कभी उन्हें गाली नहीं दी. उन्होंने उनके साथ ही कई नेताओं को जेल में डलवा दिया था लेकिन इंदिरा गांधी और उनके मंत्रियों ने ना कभी उन्हें देशद्रोही कहा और ना ही उनकी देशभक्ति पर सवाल खड़े किए.

उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर का कभी अपमान नहीं किया. १९७५ निश्चित तौर पर लोकतंत्र पर काला धब्बा है लेकिन उन लोगों को भी भुलाया नहीं जा सकता जो मौजूदा दौर में विपक्ष का सम्मान नहीं कर रहे हैं.

नीट पेपर लीक मामले में फिर बेऊर जेल पहुंची सीबीआई टीम

पटना (एजेंसी): पटना में नीट यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई की एक टीम हजारीबाग के ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. एहसानुल हक, वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज आलम और पत्रकार जमालुद्दीन से पूछताछ कर रही है. सीबीआई को इन तीनों आरोपियों की ५ दिन की रिमांड मिली है. सीबीआई ने शुक्रवार रात को इन तीनों आरोपियों को हजारीबाग से पटना लेकर आई थी. मनीष और आशुतोष भी ५ दिनों की रिमांड पर हैं, जबकि चिंटू और मुकेश को पहले से ही सीबीआई ने रिमांड पर रखा है. इन सातों आरोपियों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जा रही है.

सीबीआई प्रिंसिपल डॉ. एहसानुल हक का तीन महीने का कॉल डिटेल खंगाल रही है और उसके बिहार से कनेक्शन की जांच कर रही है. सीबीआई की टीम आज फिर दूसरे दिन बेऊर जेल पहुंची है, जहां १३ आरोपियों से पूछताछ चल रही है. इनमें ६ परीक्षा माफिया, ४ अभ्यर्थी और ३ अभिभावक शामिल हैं. इन १३ आरोपियों में पटना के दानापुर का आयुष राज, रोहतास का बिट्टू कुमार, दानापुर का अखिलेश कुमार, समस्तीपुर का सिकंदर यादवेंदु, पटना के नेपाली नगर का आशुतोष कुमार, पटना के ही एकंगरसराय का रोशन कुमार, गया जिले का नीतीश कुमार, समस्तीपुर का अनुराग यादव, रांची का अभिषेक कुमार, गया के बाराचट्टी का शिवनंदन कुमार, रांची का अवधेश कुमार, पटना का अमित आनंद

और समस्तीपुर की रानी कुमारी शामिल हैं.

जानकारी के लिए बता दें कि संजीव मुखिया से इन सभी के कनेक्शन जुड़े हुए हैं और सीबीआई इसी की जांच कर रही है. इसके साथ ही आरोपियों का महाराष्ट्र, गुजरात और अन्य राज्यों में नीट पेपर लीक मामले में पकड़े गए आरोपियों से क्या कनेक्शन है, इसकी भी जांच की जा रही है. सीबीआई को शक है कि हजारीबाग के ओएसिस स्कूल से ही पेपर लीक हुआ है. इसके बाद पेपर संजीव मुखिया तक पहुंचा, जिसने अपने गुर्गे चिंटू को प्रश्नपत्र मोबाइल पर भेजवाया. चिंटू और रॉकी ने एमबीबीएस स्टूडेंट से पेपर साल्व करवाया और फिर प्रश्नपत्र और उत्तर पटना के लर्न प्ले स्कूल में अभ्यर्थियों को दिए गए. इसी स्कूल की छत पर जले हुए प्रश्न पत्र मिले थे, जिनके सीरियल कोड की जांच में पता चला कि वे ओएसिस स्कूल के थे.

विपक्ष ने लोकतंत्र को लेकर फैलायी झूठी अफवाहें :चिराग

पटना (एजेंसी): बिहार एलजेपी (रामविलास) ने शनिवार २९ जून को पटना में अपने सभी नव निर्वाचित सांसदों का अभिनंदन किया. इस अभिनंदन सह कार्यकर्ता सम्मान समारोह में कार्यकर्ताओं और प्रदेश के नेताओं ने पार्टी के सभी पांचों नव निर्वाचित सांसदों को सम्मानित किया. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया. इस मौके पर लोकसभा चुनाव २०२४ के नतीजों और एनडीए की सरकार बनने के बाद इंडिया गठबंधन को लेकर चिराग पासवान ने एक बड़ा खुलासा किया.

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत और अथक परिश्रम के बदौलत पार्टी ने लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया. चिराग पासवान ने कहा कि चुनाव में विपक्ष ने साम, दाम, दंड, भेद हर हथियार का

इस्तेमाल किया और झूठ बोलकर गलत नैरेटिव सेट करने का प्रयास किया. उन्होंने कहा कि विपक्ष ने कभी आरक्षण, कभी संविधान और कभी लोकतंत्र को लेकर झूठी अफवाहें फैलाने का काम किया, जिससे लोग प्रभावित हुए. यही कारण है कि उत्तर प्रदेश में एनडीए ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया.

चिराग पासवान ने पार्टी के संस्थापक स्व. रामविलास पासवान का स्मरण करते हुए कहा कि वह जीवनभर विपरीत परिस्थितियों से लड़ते रहे. उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने महिलाओं और युवाओं को आगे करने का काम किया है. पूरे देश ने देखा कि उनकी पार्टी सिर्फ बात नहीं करती, बल्कि उन्हें उचित अवसर भी देती है. पार्टी ने लोकसभा चुनाव में तीन युवाओं और दो महिलाओं को उतारा.

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले बिहार की चर्चा भ्रष्टाचार और अपराध के लिए होती थी, लेकिन अब युवा और पढ़े-लिखे सांसदों के लिए हो रही है. इस मौके पर उन्होंने कार्यकर्ताओं से अगले विधानसभा चुनाव में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील की. इस तरह चिराग पासवान ने पार्टी के कार्यकर्ताओं की मेहनत और योगदान की सराहना की और भविष्य में भी इसी तरह के समर्पण और उत्साह के साथ काम करने की उम्मीद जताई. उन्होंने पार्टी के उज्ज्वल भविष्य के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करने की सलाह दी.

अयोध्या में हुए सभी निर्माण कार्यों की होगी समीक्षा

लखनऊ (ईएमएस): अयोध्या नगरी में पहले ही बारिश में जिस तरह की तबाही देखने को मिल रही है। उसने सरकार की चिंता बढ़ा दिया है । सरकार अब सभी प्रोजेक्ट की समीक्षा करने जा रही है। अयोध्या में २२००० करोड रुपए खर्च करके १०३ प्रोजेक्ट शुरू किए गए थे। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार सभी काम १५ महीने में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा जल्द कराने दबाव मे ४ महीने पहले ही सभी कार्यों को जल्दबाजी में पूर्ण कराया गया है। जिसके कारण कोई ना कोई कमी सभी प्रोजेक्ट में रह गई है।

लोक निर्माण विभाग के अनुसार इसकी समीक्षा किया जाना जरूरी है। राम पथ और अयोध्या में जिस तरह की तबाही पहले ही बरसात में देखने को मिली है। उसके बाद अयोध्या के नवनिर्वाचित सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने राम पथ और अयोध्या में जो निर्माण कार्य हुए हैं। उन सब का निरीक्षण किया है। उन्होंने निर्माण कार्यों की जांच कराए जाने की मांग की है। अयोध्या में सीवर लाइन डालने, रोड बनाते समय मिट्टी को कंप्रेस करने और निर्माण कार्य की सामग्री एवं डिजाइन इत्यादि की क्वालिटी में कई तरह की कमियां पाई गई है।

जिसके कारण अब हर प्रोजेक्ट की समीक्षा की जा रही है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा मे की गई जल्दबाजी के कारण करोड़ों रुपए का नुकसान अयोध्या में सरकार को हुआ है।

भारत की जीत पर सीएम नीतीश ने दी बधाई

पटना (एजेंसी): टी-२० वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने शनिवार (२९ जून) को शानदार जीत दर्ज की है. इसको लेकर देश भर में खुशी का माहौल तो है ही साथ बिहार में भी जश्न देखने को मिल रहा है. इस मौके पर हर कोई टीम इंडिया को बधाई दे रहा है. भारत की जीत पर बधाई देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स अकाउंट पर लिखा कि भारतीय क्रिकेट टीम को टी-२० वर्ल्ड कप जीतने पर हार्दिक बधाई. इस जीत पर आज पूरा देश गौरवान्वित है. सभी खिलाड़ियों को अनंत शुभकामनाएं. वहीं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने लिखा कि सर्वश्रेष्ठ हिंदुस्तान! विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने जीत हासिल कर नया कृतिमान स्थापित किया है. मैं भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों को ऐतिहासिक जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं.

जो दूसरे धर्म का सम्मान नहीं करते वह किसी भी धर्म के नहीं हो सकते : चंद्रशेखर

लखनऊ (ईएमएस): नगीना लोकसभा सीट से चुने गए सांसद चंद्रशेखर आजाद रावण अपने बयानों को लेकर हमेशा चर्चा में बने रहते हैं। अब उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह कांवड़ यात्रा और नमाज को लेकर बोले रहे हैं। वीडियो में चंद्रशेखर आजाद कहते दिख रहे हैं कि जब कांवड़ यात्रा के लिए सारे रास्ते, अस्पताल बंद हो सकते हैं, तो ईद पर २० मिनट की नमाज पढ़ने से किसी को दिक्कत क्यों होती है।

चंद्रशेखर कह रहे हैं कि हम सभी धर्म का सम्मान करते हैं। जो लोग २० मिनट की नमाज पढ़ने पर आपत्ति जताते हैं, वह

किसी धर्म के साथ नहीं हो सकते। मीडिया रिपोर्टस् के मुताबिक यह वीडियो २३ जून का बताया जा रहा है। नगीना सांसद ने चंदनपुर में एक बैठक को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि अगर हिंदुओं की कांवड़ यात्रा २० दिन तक सारे रास्ते और अस्पताल भी बंद कर दिए जाते हैं तो उससे किसी को दिक्कत नहीं होती ऐसे में २० मिनट की नमाज से इन लोगों को आपत्ति क्यों होती है।

वीडियो में सांसद कह रहे हैं कि ये मुद्दा सिर्फ चंद्रशेखर आजाद ने उठाया है। बाकि किसी नेता में इसे उठाने की हिम्मत नहीं है। इस दौरन वह हाथ में जल लेकर मुसलमानों को भरोसा दिला रहे हैं कि वह मुसलमानों के साथ हैं। वह कहते दिख रहे हैं कि अगर दूसरे धर्म के लोग नमाज पढ़ने पर आपत्ति उठाते हैं या दूसरे धर्म का सम्मान नहीं करते तो वह किसी भी धर्म के नहीं हो सकते। कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है। ऐसे में लोग इस पर टिप्पणी भी कर रहे हैं।

15 जेलों के अधीक्षक का तबादला

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के तबादलों की लिस्ट में एक नाम शामिल हो गया है. शनिवार को कारागार मुख्यालय ने लखनऊ समेत १५ जेलों के अधीक्षकों को बदल दिया. लखनऊ जेल के वरिष्ठ अधीक्षक आशीष तिवारी को केंद्रीय जेल फतेहगढ़ में स्थानांतरित कर दिया गया है. बृजेंद्र सिंह, जो आदर्श जेल लखनऊ में कार्यरत हैं, को लखनऊ जेल का कार्यभार सौंप दिया गया है. सहारनपुर की वरिष्ठ अधीक्षक अमिता दुबे को प्रयागराज में स्थानांतरित किया गया है. इसी तरह मोहम्मद अकरम को फतेहपुर से भदोही, डॉ. विनय कुमार को जौनपुर से बदायूं, आलोक सिंह को गाजियाबाद से बांदा, पीके त्रिपाठी को कन्नौज से फतेहपुर, वीरेश राज शर्मा को बांदा से मेरठ.

मॉब लिंचिंग में मारे गए युवक के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया डकैती का मामला

अलीगढ़(ईएमएस): जिस युवक की मॉब लिंचिंग में मौत गई थी उसी को पुलिस ने दस दिन बाद डकैत बना दिया। पुलिस ने युवक की मौत के १० दिन बाद उसके खिलाफ डकैती और लूटपाट का मामला दर्ज किया है। चोरी के शक में युवक की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने शनिवार को दूसरे पक्ष की ओर से भी मुकदमा दर्ज कर लिया है। मारे गए युवक समेत सात लोगों को डकैती और छेड़छाड़ के मामले में नामजद किया गया है।

दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसएसपी ने कहा है कि दूसरे पक्ष की ओर से मुकदमा दर्ज किया गया है।

दूसरे पक्ष की ओर से दर्ज कराई एफआईआर के अनुसार, १८ जून को मामू भांजा में एक युवक चोरी की नीयत से व्यापारी के घर में घुसा था। लोगों ने पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। इसकी पहचान घास की मंडी मोहल्ला रंगरेजान निवासी औरंगजेब उर्फ फरीद के रूप में हुई।

इसके बाद अस्पताल में जमकर हंगामा हुआ। पुलिस ने मामले में छह लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके विरोध में बीजेपी नेता और व्यापारी पक्ष ने जमकर प्रदर्शन किया था। उसी दिन आरोपी के परिवार की महिला ने एसएसपी को तहरीर दी थी।

भाजपा नेता लगातार युवक पर मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे थे। शनिवार को एसएसपी के आदेश पर गांधीपार्क थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। इसमें कहा गया है कि १८ जून की रात महिला रसोईघर में खाना बना रही थी। पति और बच्चे कमरे में लेटे हुए थे। ससुर मंदिर गए थे। तभी पांच-छह बदमाश सीढ़ियों के रास्ते ऊपर घर में चढ़ आए। एक के हाथ में तमंचा और दो के हाथ में चाकू था।

एक ने धमकी दी कि शोर मचाने की कोशिश की तो गोली मार दूंगा और तमंचे के बल पर गले से जंजीर लूट ली।

दर्ज एफआईआर में आरोप लगा है कि इसके बाद महिला से छेड़छाड़ की गई। आरोपी ने अलमारी में रखे ढाई लाख रुपये, गहने निकलवा लिए। इसके बाद बदमाश पकड़े जाने के डर से जीने के रास्ते भाग गए। एक बदमाश का जीने से पैर फिसल गया और वह लुढ़कता हुआ नीचे गिर गया। उनके हाथ-पैर, सिर में चोट आई। जब लोगों ने उसे पकड़ा तो उसने अपना नाम फरीद उर्फ औरंगजेब बताया। एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कांग्रेस-झामुमो ने सिद्धू-कान्हू को श्रद्धासुमन अर्पित किया

रांची (एजेंसी): ''हूल क्रांति दिवस'' के अवसर पर सिद्धू कान्हू पार्क में संथाल हूल के अमर नायक सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा और कांग्रेस भवन में चित्र पर माल्यापर्ण कर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने श्रद्धासुमन अर्पित किया.

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि आज के दिन हम झारखंड वासियों को उन महान सपूतों के त्याग बलिदान से प्रेरणा लेकर झारखंड राज्य को विकास के पथ पर आगे बढ़ाते हुए समृद्ध और विकसित राज्य बनाने का संकल्प लेना होगा.

इस मौके पर अमूल नीरज खलखो, मदन मोहन शर्मा, सतीश पाल मुंजनी, सोनाल शांति, गजेंद्र सिंह, कमल ठाकुर, रमा खलखो, गौतम उपाध्याय, राकेश किरण महतो, अजय सिंह, एनुल हक,रमेश पांडे,चंदन बैठा, मनोज कुमार महतो, गुलजार अहमद, सुरेन राम,हृदय आनंद यादव,जगन्नाथ साहू,अर्चना मिर्धा शिवटहल नायक सहित अनेक लोग उपस्थित थे. हूल दिवस के अवसर पर झामुमो रांची जिला समिति द्वारा वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा के नेतृत्व में कांके रोड स्थित सिध्दो कान्हू पार्क में अवस्थित उनके आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया. शर्मा ने कहा कि झारखंड के तमाम शहीदों को सम्मान और शहीद के परिजनों की सुध लेने वाली पार्टी एक मात्र झामुमो ही है. हेमंत सोरेन के नेतृत्व में हुल क्रांति के महानायकों, शहीदों और शहीदों के परिजनों की सुध ली गई. सभी शहीद स्थलों को सौंदर्यीकरण किया गया.

छूटे हुए शहीद स्थलों का सौंदर्यीकरण करने के लिए मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन अग्रसर हैं. इस मौके पर डॉ हेमलाल कुमार मेहता हेमू, समनुर मंसुरी, जनक नायक, रामानंद बेदिया, कलाम आजाद, डॉ तालकेश्वर महतो, आदिल इमाम, मंटू लाला, अरुण वर्मा, डॉ बबलू राम, रामशरण विश्वकर्मा तिर्की, आफताब आलम, प्रदीप मिर्धा, सुजीत उपाध्याय, अजीजुल अंसारी, कैथरीना तिर्की, फरीद खान, सचिव सुजीत कुजूर, जीत गुप्ता, धर्मेंद्र सिंह, सोनू मुंडा, अजीत नायक, रीना तिर्की, अजीत लकड़ा सहित कई उपस्थित थे.

असम में कैश-फॉर-मार्क्स घोटाला पकड़ाया

नई दिल्ली (ईएमएस): असम में कैश-फॉर-मार्क्स घोटाले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। असम पुलिस का कहना है कि आरोपी मार्कशीटों में डिजिटल छेड़-छाड़ कर रहे थे। पुलिस को इस घोटाले का पता चला जब उसने गणेश लाल चौधरी कॉलेज के एक छात्र की मार्कशीट में मिलीं विसंगतियों की जांच की। यह कॉलेज गुवाहाटी यूनिवर्सिटी से संबद्ध है। पुलिस इस मामले में जांच का दायरा बढ़ा रही है। इसमें और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

कॉलेज ने अजीजुल हक की मार्कशीट में विसंगतियों को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। मार्कशीट में उसके वास्तविक अंकों के बजाय ज्यादा

हूल दिवस पर हेमंत के पोस्टर-होर्डिंग से पटा रांची का चौक-चौराहा

रांची (ससे): हूल दिवस के मौके पर पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के बड़े-बड़े पोस्टर एवं होर्डिंग शहर के चौक-चौराहों पर लगा दिया गया है. किसी पोस्टर में हेमंत क्लीन सेव में नजर आ रहे हैं तो किसी में पकी दाढ़ी वाले रूप में. इन पोस्टरों पर हूल जोहार, सत्यमेव जयते लिखा है. कई पोस्टर में साजिशों के खेल का हुआ अंत, आ गया अपना हेमंत आदि लिखा है. इन पोस्टरों को लेकर शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है.

इतना ही नहीं उन्होंने अपने एक्स हैंडल से एक वीडियो जारी किया. जिसमें एक गीत के जरिए हेमंत सोरेन को नए तरीके से पेश किया है. उस गीत में उन्हें ५६ इंच का सीना वाला झारखंडी शेर और सुल्तान कहके संबोधित किया गया है.

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने रांची रेल मंडल के प्रोजेक्टों की समीक्षा की

रांची (एजेंसी): केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने रविवार को रांची रेल मंडल में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा की. समीक्षा के दौरान नगड़ी, नया सराय, हटिया पुलिस मुख्यालय के समीप निर्माणाधीन आरओबी की प्रगति की रिपोर्ट पर चर्चा की गई. साथ ही नामकुम अंडरपास, केतारी बगान ओवर ब्रिज,सिरमटोली फ्लाई ओवर निर्माण में आ रही समस्या पर भी मंथन किया गया. सिल्ली में बांसारूली के समीप बनने वाले अंडर पास और इलू रेल लाइन की कार्य प्रगति की भी मंत्री ने जानकारी ली. समीक्षा के दौरान हटिया विधायक नवीन जायसवाल, मंडल रेल प्रबंधक जसमीत सिंह बिंद्रा सहित अन्य भी मौजूद रहे.

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने रेल अधिकारियों से रांची, हटिया, नामकुम, टाटीसिल्वे, गंगाघाट, मुरी, सिल्ली और पिस्का स्टेशन के उन्नयन कार्य की जानकारी ली. इस दौरान रांची रेलवे स्टेशन पर चल रहे उन्नयन कार्य का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. रेलवे जंक्शन मुरी से बिसरिया गांव तक सड़क निर्माण की दिशा में अब तक हुई कार्रवाई पर चर्चा की गयी. इसमें तेजी लाने का निर्देश मंत्री ने दिया. कडरू, सेंबरटोली के समीप अंडरपास निर्माण के दौरान रास्ता बंद होने से आदिवासी परिवारों को हो रही समस्या पर चर्चा करते इसका समाधान करने को डीआरएम, रांची रेल मंडल को कहा गया.

अरगा नदी पर बन रहा पुल जमींदोज

गिरिडीह (ईएमएस): बिहार में पुलों के लगातार धराशायी होने की खबर के बीच अब झारखंड में भी एक निर्माणाधीन पुल गिर गया है। गिरिडीह जिले के देवरी प्रखंड में अरगा नदी पर बन रहे पुल का पिलर धंस गया जिससे गार्डर टूटा और पुल जमींदोज हो गया। यह पुल फतेहपुर-भेलवाघाटी सडक़ पर कारीपहरी गांव में अरगा नदी के ऊपर बनाया जा रहा था जो मानसून की पहली बारिश भी नहीं झेल पाया। दरअसल शनिवार की शाम में हुई मूसलाधार बारिश से नदी का जलस्तर बढ़ गया था। नदी की तेज बहाव में निर्माणाधीन पुल का का पिलर धंस गया जिससे गार्डर टूट कर गिर गया। वहीं एक अन्य पिलर भी टेढ़ा हो गया है।

स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक तेज बारिश के दौरान रात करीब आठ बजे एक पाया टेढ़ा हो गया। इसके बाद तेज आवाज के साथ निर्माणाधीन पुल का गार्डर टूट कर नदी में गिर गया।

करदाताओं ने होल्डिंग टैक्स के रूप में 32,93,39,923 रुपये किये जमा

रांची : वित्तीय वर्ष २०२४-२०२५ के होल्डिंग टैक्स का एकमुश्त भुगतान रविवार तक करने पर करदाताओं को टैक्स की राशि पर अधिकतम १०% की छूट का प्रावधान निगम द्वारा किया गया था. जिसमें नगर निगम ने वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के पहले क्वार्टर के दौरान होल्डिंग टैक्स के क्षेत्र में एक अद्वितीय उपलब्धि हासिल की. इस वित्तीय वर्ष के पहले क्वार्टर में कुल ७६,५२७ करदाताओं से रांची नगर निगम ने कुल ३२,९३,३९,९२३ रुपये की राशि का संग्रहण किया. इसके साथ ही नगर निगम झारखंड में सर्वाधिक राशि संग्रहण करने वाली निकाय बनी. इसमें पहले क्वार्टर में कुल २०,२५३ करदाताओं द्वारा १०,३६,५५,५७९ रुपये का भुगतान ऑनलाइन किया गया. वहीं ९९०१ करदाताओं ने ३,७४,८१,३५७ रुपये का भुगतान निगम कार्यालय व डोरंडा अंचल कार्यालय स्थित जन सुविधा केंद्रों पर किया गया. जबकि ४६,३७३ लोगों से १८,८२,०२,९८७ रुपये डोर-टू-डोर कलेक्शन के माध्यम से लिया गया. वहीं निगम द्वारा टैक्स में मिलने वाले छूट का आखिरी दिन रविवार को था. रविवार को भी करदाताओं ने छूट का लाभ उठाने के लिए भारी संख्य में टैक्स का भुगतान किया. छूट के आखिरी दिन कुल ३.५ करोड़ रुपये जमा किए गए.

सीएमपीडीआई में स्वच्छता पखवाड़ा 2024 का समापन

रांची (एजेंसी): सीएमपीडीआई में रविवार को स्वच्छता पखवाड़ा २०२४ के समापन समारोह का आयोजन किया गया. इस मौके पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी/ईएस) सतीश झा, मुख्य सतर्कता अधिकारी सुमित कुमार सिन्हा ने स्वच्छता योद्धाओं को सम्मानित किया. उन्होंने पौधारोपण कर १६-३० जून तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा का समापन किया. इस अवसर पर सीएमपीडीआई (मुख्यालय) तथा क्षेत्रीय संस्थान-३-रांची के महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण और वरीय अधिकारी उपस्थित थे.

इस मौके पर मनोज कुमार ने स्वच्छता पर जोर दिया और कहा कि स्वच्छ भारत के महात्मा गांधीजी के सपने को साकार करने के लिए हमारे दैनिक जीवन और आसपास के समुदायों में स्वच्छता को अपनाना आवश्यक है. नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य व जीव कल्याण ही स्वच्छता का अंतिम लाभ है. सतीश झा ने कहा कि स्वच्छता के संबंध में जानकारी का प्रचार-प्रसार और जागरुकता पैदा करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है, इसे निभाने के लिए हम लोगों को सतत् प्रयास करना चाहिए. सुमित कुमार ने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान की गयी विभिन्न गतिविधियों के लिए सीएमपीडीआई की सराहना की और कर्मियों को पूरे वर्ष स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में जुड़े रहने की सलाह दी. सीएमपीडीआई ने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान एकल उपयोग प्लास्टिक पर अंकुश लगाने के लिए जागरुकता अभियान, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता अभियान, अपशिष्ट/कचरे का निपटान, सफाई आदि गतिविधियां चलायीं. इस क्रम में सभी क्षेत्रीय संस्थानों और इसके अधीनस्थ चल रहे शिविरों में लोगों के बीच स्वच्छता जागरुकता बढ़ाने के लिए वर्षा जल संचयन प्रणाली, सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी), तालाबों आदि की सफाई और प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन और ड्राइंग आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं.

रॉयल रेजिडेंसी होटल में पुलिस ने सेक्स रैकेट को लेकर की छापेमारी

रांची (एजेंसी): सेक्स रैकेट को लेकर पिछले कई महीनों से लगातार रांची पुलिस की कार्रवाई जारी है. इसी क्रम में एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर सिटी डीएसपी केबी रमण के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने चुटिया थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित रॉयल रेजिडेंसी होटल में छापेमारी की.

जानकारी के अनुसार, पुलिस ने सेक्स रैकेट मामले में यह कार्रवाई की है. पुलिस कई लकड़ियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. गौरतलब है कि पुलिस को जानकारी मिली थी कि रॉयल रेजिडेंसी होटल में लंबे समय से सेक्स रैकेट का कारोबार चलाया जा रहा है. इसके बाद पुलिस ने एसएसपी के निर्देश पर यह कार्रवाई की.

प्रेमी से बात करते-करते युवती ने बिल्डिंग से लगायी छलांग, मौत

हॉस्पिटल में युवती ने दम तोड़ा ● पुलिस ने प्रेमी को किया गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): प्रेमी से बात करते-करते एक युवती ने बिल्डिंग के चौथे तल्ले से छलांग लगा दी. यह घटना रविवार की सुबह राजधानी रांची के हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के बड़ी मस्जिद लेन में हुई है, जहां सना नाम की युवती ने अपने प्रेमी से बात करते-करते बिल्डिंग से छलांग लगा दी. आनन फानन में परिजन उसे अस्पताल ले गये, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. युवती के प्रेमी का नाम जावेद बताया जा रहा है. इधर घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गयी है. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रेमी जावेद को गिरफ्तार कर लिया.

बदलते भारत की गाथा है मन की बातः बाबूलाल मरांडी

रांची (ससे): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का १११ वां संस्करण रविवार को प्रसारित हुआ. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संबोधन कार्यक्रम आम जनता से जुड़ाव का अनूठा कार्यक्रम है. विश्व के किसी राजनेता के द्वारा प्रति माह जनता से ऐसा प्रत्यक्ष संवाद नहीं होता. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है. मन की बात कार्यक्रम बढ़ते भारत,बदलते भारत की गाथा है. देश सकारात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा है. भारत का सांस्कृतिक गौरव बढ़ रहा है. दुनिया का भारत के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव आए हैं. उन्होंने हूल क्रांति और उसके महानायक सिदो कान्हु से भारत की जनता को परिचित कराने के लिए आभार प्रकट किया.

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम भारत के सामर्थ्य और संस्कृति का संवाद है. आज के १११वें संस्करण में विकसित भारत की सोच है, शहीदों की गाथाएं है, जनता का परिश्रम है,सांस्कृतिक विरासत है.कुछ लोग नहीं चाहते थे कि मन की बात का १११वे संस्करण को बोलने का अवसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले. लेकिन देश की जनता ने यह अवसर तीसरी बार मोदी सरकार के संकल्प को पूरा करके दिया. इसके साथ ही क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,प्रदेश महामंत्री और सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा,मनोज कुमार सिंह सहित हजारों कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना.

खेल विभाग ने सीएम को बताया, झारखंड में 11 हजार क्लबों का हुआ रजिस्ट्रेशन, हकीकत कुछ और

रांची (एजेंसी): १८ जून को शुभम संदेश ने सिदो कान्हू खेल क्लब के ११ महीने में एक प्रतिशत भी निबंधन नहीं होने की खबर प्रकाशित की थी. इसी दिन सीएम चंपाई सोरेन ने सभी विभागों की समीक्षा की थी. इस दौरान सीएम ने खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की भी समीक्षा की. समीक्षा के दौरान मौके पर मौजूद पदाधिकारियों ने सीएम को बताया कि राज्य में अभी तक २७ हजार २४८ सिदो कान्हू युवा खेल क्लबों का गठन हुआ है, जिसमें से लगभग ११ हजार से अधिक क्लबों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है. लेकिन हकीकत पदाधिकारियों द्वारा सीएम को दी गयी जानकारी से बिल्कुल परे है. हकीकत यह है कि रांची को छोड़ कर किसी भी जिले में किसी क्लब का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है. रांची को छोड़ बाकी जिलों के लगभग ८० क्लबों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया जारी है.

खेल निदेशालय से जब ११ हजार क्लबों के रजिस्ट्रेशन के बारे में जानकारी ली गयी, तो सभी अधिकारी इससे बचते नजर आये. खेल निदेशक सुशांत गौरव, उपनिदेशक मनीष कुमार भी बोलने से बचते दिखे. समीक्षा बैठक के दौरान सीएम चंपाई सोरेन ने रजिस्ट्रेशन में तेजी लाने को कहा है. कोऑपरेटिव के माध्यम से रजिस्ट्रेशन में तेजी लाने की बात भी कही गयी है.

बता दें कि झारखंड में कुल ३०,३३७ ग्राम स्तर पर सिदो कान्हू युवा खेल क्लब का गठन करना है. विभाग कागज में २७, २३३ खेल क्लबों का गठन कर चुका है. लेकिन रजिस्ट्रेशन सिर्फ १४ का हुआ है, जिसमें रांची में लगभग पांच क्लबों का निबंधन हुआ है. सभी सिदो कान्हू क्लब का रजिस्ट्रेशन १८६० सोसाइटी एक्ट के रूप में कराया जाना है. सिदो कान्हू युवा खेल क्लब के गठन के लिए प्रत्येक गांव में आम सभा बुलाकर क्लब की स्थापना की जानी है. इसके बाद ग्राम स्तर पर प्रत्येक क्लब को डीसी द्वारा २५ हजार रुपए अनुदान दिया जाना था. रजिस्ट्रेशन में एफिडिफिट और अन्य प्रक्रिया में लगभग ५०० रुपये का खर्च क्लब के सचिव को उठाना था. जानकारी के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपनी जेब से पैसे लगाने के पक्ष में नहीं हैं.

आ गया वन्य प्राणियों का प्रजनन काल, पीटीआर में इंट्री बंद

रांची (एजेंसी): वन्य प्राणियों के प्रजनन काल को देखते हुए पलामू टाइगर रिजर्व में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा दी है. यह रोक ३० सितंबर तक रहेगा. इसके साथ ही बेतला नेशनल पार्क की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई. यह रोक नेशनल टाइगर कंजरवेशन ऑथिरिटी के निर्देश पर लगाया गया है . इस आदेश के बाद ३० सितंबर तक पर्टयक भ्रमण नहीं कर सकेंगे. एक अक्तूबर को फिर से पीटीआर पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा. इस बीच जंगल की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है. बताते चलें कि पीटीआर में ६००० से अधिक हिरण, बंदर, लंगूर बायसन, हाथी, तेंदुआ, लकड़बग्घा, जंगली बोर सहित कई अन्य जंगली जानवर मौजूद हैं. पीटीआर के डीएफओ कुमार आशुतोष ने बताया कि पीटीआर में ३०७ सांभर, नीलगाय सहित अन्य जानवर बिरसा जैविक उद्यान से यहां लाए जाएंगे. हालांकि इस दौरान वन विभाग के सभी रेस्ट हाउस खुले रहेंगे.

हूल विद्रोह इतिहास की सबसे बड़ी क्रांति : सुदेश महतो

रांची (ससे): अंग्रेजी सरकार की गलत नीतियों और महाजनी प्रथा के विरोध में हुए हूल विद्रोह ने देश में आजादी की लड़ाई का शंखनाद किया था. हूल विद्रोह इतिहास की सबसे बड़ी क्रांति है, भुलाया नहीं जा सकता. संताल हूल के दौरान वीर शहीद सिदो-कान्हू के नेतृत्व में हजारों क्रांतिकारियों ने अपनी शहादत दी. इतिहास के पन्नों में उन सभी वीर शहीदों को उचित स्थान दिलाने के लिए हम सभी को आगे आने होगा.

उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने जोन्हा में हूल दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कही. उन्होंने कहा कि यह वक्त सभी झारखंडियों को एकजुट कर एक नई सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना जागृत करने की है. वीर शहीदों के स्वशासन के सपनों को साकार कर समृद्ध और खुशहाल झारखंड की परिकल्पना को पूरा करने के लिए हमें मिलकर एक नई हूल क्रांति की नींव रखनी होगी.

अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह के प्रतीक हूल दिवस पर सभी जिला एवं प्रखंड में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो व अन्य क्रांतिकारी सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. मौके पर संताल विद्रोह के महानायकों की संघर्ष गाथा को याद कर उनके बलिदानों को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया. रांची स्थित सिदो-कान्हू पार्क में हूल दिवस के मौके पर पार्टी पदाधिकारियों द्वारा अमर वीर शहीद सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई. पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने कहा कि झारखंड के वीरों ने कभी भी बाहरी दखल, जुल्म और अत्याचार को बर्दाश्त नहीं किया. अपने हक और अधिकारों के लिए संघर्ष करना हर झारखंडी की पहचान है. सिदो कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो समेत झारखंड के वीर बलिदानियों की संघर्ष गाथा हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है. युवाओं को इस संघर्ष गाथा को आत्मसात करने की आवश्यकता है. इस मौके पर केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, महासचिव सुधीर यादव, भरत काशी, पारसनाथ उरांव, जलनाथ चौधरी, सतेंद्र सिंह, बनमाली मंडल, रमेश गुप्ता, विरेंद्र प्रसाद, टी के मुखर्जी, दयाशंकर झा, डॉ पार्थ पारितोष, हरिश कुमार, ओम वर्मा, चेतन, राहुल तिवारी, अजीत सिंह, सहित अन्य उपस्थित थे.

ईश्वर मनुष्य के साथ पक्षपात नहीं करता : आर्च बिशप विसेंट आइंद

रांची (एजेंसी): हेसाग पल्ली में रविवार को मिस्सा बलिदान का आयोजन किया गया. आर्च बिशप विसेंट आइंद ने धर्मविधि संपन्न कराया. उन्होंने कहा कि प्रभु के लिए हर मनुष्य एक समान है. इस संसार में रहने वाले सभी मनुष्य बराबर है. इसलिए ईश्वर किसी के साथ पक्षपात नहीं करता है. यही कारण है कि परमेश्वर हमें विश्वासी बनाता है. हमेशा ईश्वर से जुडे. रहने के लिए प्रेरित करता है.

धर्मविधि से पहले विश्वासियों ने आर्च बिशप का भव्य स्वागत किया. विसेंट आइंद के आगमन पर विश्वासियों की आंखों में खुशी झलकती नजर आयी. धर्मबहनों ने पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाकर आर्च बिशप को पल्ली परिसर में प्रवेश कराया. इसके बाद चर्च के अंदर परमेश्वर की आराधना करायी गयी. आयोजन को सफल बनाने में कैथोलिक सभा, महिला संघ और युवा संघ का सराहनीय योगदान रहा. मौके पर पल्ली पुरोहित प्रदीप तिर्की, सहायक पुरोहित दीपक किंडो, फादर प्रकाश, फादर डेविड, फादर असीम मिंज, धर्मबहने एवं ख्रीस्त विश्वासी मौजूद रहे.

संपादकीय | जोखिम की इमारतें और आम लोगों का जीवन

भवन, पुल, सड़कों आदि के निर्माण में तकनीकी उपयोग से तेजी तो आई है, ढांचे मनोहारी बनने लगे हैं, मगर उनकी मजबूती और टिकाऊपन को लेकर अक्सर सवाल उठते रहते हैं। अब शायद ही कोई वर्ष बीतता हो, जब बरसात में पुलों, सड़कों, नवनिर्मित भवनों के धंसने, ढहने की खबरें न आती हों। ताजी घटना दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे के टर्मिनल-एक की है, जहां गाड़ियों के ठहराव वाली जगह की छत ढह गई, जिसमें कई गाड़ियों को नुकसान पहुंचा, एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई घायल हो गए। बताया जा रहा है कि बारिश की वजह से छत बैठ गई। यह तो इस मौसम की पहली बारिश थी, अभी पूरा मौसम बाकी है, इसलिए हवाई अड्डे की दूसरी छतों को लेकर भी लोगों में आशंका पैदा होना स्वाभाविक है। दरअसल, हवाई अड्डे की छत लोहे के खंभे खड़े कर सिंथेटिक और लोहे की पतली चादरों से बनाई गई है। इस तरह जगह तो काफी खुली हो गई है और सुंदर भी दिखती है, मगर इसके टिकाऊपन को लेकर कोई दावा करना मुश्किल है। यह कोई पहली इमारत नहीं है, जिसमें इस निर्माण कला का उपयोग किया गया है। अब बहुत सारी सार्वजनिक जगहों पर जल्दी काम पूरा करने के मकसद से यही तकनीक इस्तेमाल होने लगी है। दरअसल, भवन निर्माण में कांच, लोहे, सिंथेटिक चादरों वगैरह का इस्तेमाल काफी तेजी से बढ़ा है। इस तरह इमारतें जल्दी तैयार हो जाती हैं, मगर न तो यह भारतीय प्रकृति के अनुकूल है और न इन्हें लंबे समय तक टिकाऊ माना जा सकता है। लोहे के खंभों को नट-बोल्ट से जोड़ कर बनाए गए ढांचे की समय-समय पर मरम्मत जरूरी होती है, जिसका प्रायः अभाव देखा जाता है। बहुत सारी

इमारतें, सड़कें और पुल सरकार के दबाव में जल्दी तैयार कर दिए जाते हैं, इस वजह से भी इमारतें जोखिम भरी साबित होती हैं। दिल्ली हवाई अड्डे पर हुई घटना के कुछ घंटे पहले मध्यप्रदेश के जबलपुर में भी हवाई टर्मिनल की नई इमारत की छत का एक हिस्सा बारिश की वजह से एक गाड़ी पर गिर गया। बारिश शुरू होते ही बिहार में कई पुल ढह गए। पिछले कई वर्षों से मध्यप्रदेश, बिहार आदि में पुलों के बाढ़ में बह जाने, सड़कों के धंस या बह जाने की खबरें आती रही हैं। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जब इमारतें जल्दी तैयार करने की हड़बड़ी में उनकी जल निकासी, छतों की मजबूती आदि पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया और बरसात शुरू होते ही उनकी पोल खुल गई। यह समझना मुश्किल है कि तकनीकी इस्तेमाल से जहां निर्माण कार्यों में मजबूती आनी चाहिए, वे इतने भुरभुरे क्यों साबित हो रहे हैं कि बारिश का हल्का दबाव भी झेल नहीं पा रहे। इसकी एक वजह तो साफ है कि निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के कारण निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से समझौता किया जाता है।मगर यह सब ऐसी व्यवस्था में बढ़ रहा है, जो भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त न करने के दावे करती है। आमतौर पर हवाई अड्डा और वहां के समूचे परिसर को सबसे सुरक्षित जगहों में शुमार किया जाता है, जहां हुए निर्माण से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक के मोर्चे को पूरी तरह चाक-चौबंद माना जाता है। मगर बारिश ने इस बात की कलई खोल कर रख दी है। इस तरह इमारतों, पुलों, सड़कों के बारिश में ढह या बह जाने से न केवल बड़े पैमाने पर सार्वजनिक धन भी बह जाता है, आम लोगों की परेशानियां और बढ़ जाती हैं, इससे जान-माल का नुकसान होता है, सो अलग।

मुसीबत की बरसात और लापरवाही का आलम

मानसून में बारिश एक स्वाभाविक चक्र है, लेकिन शहरों-महानगरों के लिए अब इसे एक तकलीफदेह दौर के रूप में जाना जाने लगा है। शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में हुई बरसात के बाद जैसे हालात पैदा हुए, वह जितना बारिश का नतीजा है, उससे ज्यादा इसके लिए सरकार और समूची व्यवस्था की लापरवाही, अदूरदर्शिता और कुप्रबंधन जिम्मेवार है। कुछ घंटों की बारिश के बाद दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में जिस तरह व्यापक जलजमाव देखा गया, सड़कों पर पानी भर गया, बस और कार जैसे वाहन उसमें फंस गए, यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ, वह कोई नई घटना नहीं है। जब भी यहां कुछ घंटे ज्यादा बारिश होती है, तो उसके बाद समूचा जनजीवन लगभग ठप्प हो जाता है। हालत यह है कि दिल्ली के केंद्रीय इलाकों में भी पानी भर जाता है और लोगों

के सामने कई तरह की मुश्किलें पैदा होती हैं। सवाल है कि क्या इससे उपजी अव्यवस्था के लिए केवल बरसात को बहाना बनाया जा सकता है। आखिर हर वर्ष ऐसी स्थिति पैदा होने के बावजूद इससे सबक क्यों नहीं लिया जाता और बरसात के पहले ही ऐसे इंतजाम क्यों नहीं किए जाते कि सड़कों या मुहल्लों में जलजमाव न हो?यह उम्मीद की जाती है कि देश की राजधानी होने के नाते बाकी जगहों के मुकाबले दिल्ली में सरकारी तंत्र और प्रशासन के स्तर पर ऐसी चौकसी होगी कि मौसम या किसी भी वजह से उपजी अव्यवस्था से तत्काल निपटने के ठोस इंतजाम होंगे। मगर सामान्य बारिश में भी दिल्ली के कई इलाकों के सड़कों-मुहल्लों में नालियां और बड़े नाले जाम हो जाते हैं। नतीजतन, समूचा पानी सड़क पर बहता देखा जाता है। संबंधित सरकारी महकमे समय रहते पानी की निकासी के लिए एक बेहतर तंत्र को सक्रिय करने को लेकर शायद ही कभी गंभीर दिखते हैं। आम लोगों के स्तर पर भी लापरवाही बरती जाती है, जब लोग अपने घर से कचरा निकालते हैं और सड़क किनारे नालियों या नालों में डाल देते हैं। इसकी वजह से जाम होने वाली नालियां मुख्य सड़कों तक पर व्यापक जलजमाव का कारण बनती हैं। सिर्फ पानी की निकासी की व्यवस्था को ही पूरी तरह दुरुस्त बना कर इस समस्या पर लगभग काबू पाया जा सकता है। विडंबना यह है कि सरकारी तंत्र की नींद तब तक नहीं खुलती, जब तक घनघोर अव्यवस्था न फैल जाए!

आज का कार्टून

मोदी सरकार के लिए विपक्ष की अवहेलना करना आसान नहीं

> लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बहुत कुछ बदलकर रख दिया है। राहुल गांधी के तौर पर पूरे दस सालों बाद सदन के भीतर विपक्ष को अपना सेनापति मिला है. 2014 में सत्ता से बेदखल होने के बाद कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष का पद मिला है, क्योंकि पिछले दस सालों से पार्टी के पास इस पद को पाने के लिए जरूरी 54 सीटें तक नहीं थीं। इस बार कांग्रेस के पास लोकसभा में 99 सीटें हैं और इसीलिए 20 साल लंबे राजनीतिक करियर में राहुल गांधी को पहली बार सवैधानिक पद मिला है। हालांकि, राहुल के लिए आगे का सफर आसान नहीं होगा। विपक्ष के सेनापति के तौर पर और सवैधानिक पद पर होने की वजह से राहुल गांधी को कई जिम्मेदारियां निभानी हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नेता विपक्ष बनने पर बधाई मिल रही है, लेकिन विपक्ष के नेता ये भी कह रहे हैं कि पूरे गठबंधन के हितों का ध्यान रखा जाए। नेता प्रतिपक्ष न सिर्फ अपनी पार्टी को बल्कि पूरे विपक्ष का नेतृत्व करता है।

योगेंद्र योगी

पिछले कार्यकाल में मणिपुर के मुद्दे को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने 141 सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया था। विपक्ष उस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में बयान देने की मांग कर रहा था। इसे सत्ता पक्ष ने मंजूर नहीं किया। तीसरी बार केंद्र में सत्ता में आई भाजपा गठबंधन सरकार के लिए इस बार विपक्ष की अवहेलना करना आसान नहीं होगा। मजबूत विपक्ष के कारण केंद्र सरकार को अपना रवैया पिछले कार्यकाल की तुलना में नरम रखना होगा। इसका प्रमाण भी लोकसभा में मिल गया। विपक्ष ने जिस तरह के तेवरों से आगाज किया है, सत्तारुढ़ दल उस तरह प्रतिरोध नहीं कर पाया जिस तरह पहले और दूसरे कार्यकाल में किया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी पिछले कार्यकाल की तुलना में इस बार की शुरुआत सामंजस्य बिठाने से की है।

पिछले कार्यकाल में मणिपुर के मुद्दे को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने 141 सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया था। विपक्ष उस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में बयान देने की मांग कर रहा था। इसे सत्ता पक्ष ने मंजूर नहीं किया। सदन में कई दिनों तक हंगामे की स्थिति बनी रही। इस पर अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष के सदस्यों को निलंबित कर दिया। विपक्ष का आरोप था कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर की वीभत्स घटनाओं और लगातार होती हिंसा के बावजूद सार्वजनिक बयान देने से कतरा रहे हैं। पीएम मोदी ने मणिपुर की घटना का लोकसभा और सार्वजनिक मंचों का जिक्र तक नहीं किया। इस बार भाजपा गठबंधन सरकार का ऐसी स्थितियों से बचना आसान नहीं होगा। मजबूत विपक्ष की घेराबंदी से सरकार को ऐसे सार्वजनिक मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का भारी दवाब होगा।

लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर और भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब द्वारा 18वीं लोकसभा के लिए निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाए जाने के दौरान एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने शपथ लेने के बाद नारा लगाया- जय भीम, जय तेलंगाना और फिर जय फलिस्तीन कहा। फिर उन्होंने अल्लाह-ओ-अकबर के भी नारे लगाए। इस पर भाजपा के कई सदस्यों ने आपत्ति जाहिर की। उन्होंने विरोध दर्ज करवाया। इस पर प्रोटेम स्पीकर ने कहा कि अगर ओवैसी ने कोई आपत्तिजनक बात कही है उसे कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। ओवैसी हैदराबाद से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। वह पांचवी बार सांसद बने हैं। विवाद के बाद ओवैसी ने सफाई दी और कहा कि फिलीस्तीन बोलना संविधान के खिलाफ कैसे है। भाजपा सांसद जी किशन रेड्डी का काम ही विरोध करना है। भाजपा के पिछले कार्यकाल के दौरान यदि ओवैसी इस तरह शपथ लेते तो निश्चित तौर पर उन्हें भाजपा सांसदों का भारी विरोध सहना पड़ता, जोकि इस बार इस बार सामान्य नजर आया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सदन में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी। राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नौ जून, 2024 से प्रभावी रहेगा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) भर्तृहरि महताब को पत्र भेजकर कांग्रेस के इस फैसले के बारे में उन्हें अवगत कराया था कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष होंगे। राहुल गांधी ने कहा कि उनके लिए यह अधिकारों की लड़ाई लडने् की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का नेता सिर्फ एक पद नहीं है, यह आपकी आवाज बनकर आपके हितों और अधिकारों की लड़ाई लडने् की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। लोकसभा के पिछले कार्यकाल में कांग्रेस की लगातार मांग के बावजूद संख्या बल का हवाला देते हुए मोदी सरकार ने नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति नहीं की थी। 17 वीं लोकसभा में पर्याप्त संख्या बल नहीं होने पर लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद रिक्त रहा। नेता प्रतिपक्ष की सदन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका और संवैधानिक अधिकार होते हैं। इनमे कटौती करना सत्तारुढ़ दल के लिए संभव नहीं है। यह एक सम्मानीय पद है। राहुल गांधी के लिए भाजपा जिस तरह का वक्तव्य हर वक्त इस्तेमाल करती रही है, वह अब संभव नहीं होगा। नेता प्रतिपक्ष की हैसीयत सत्तारुढ़ दल के नेता से कम नहीं होती। राहुल गांधी सदन में विपक्ष की आवाज उठाते हुए नजर आने वाले हैं।

लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बहुत कुछ बदलकर रख दिया है। राहुल गांधी के तौर पर पूरे दस सालों बाद सदन के भीतर विपक्ष को अपना सेनापति मिला है. 2014 में सत्ता से बेदखल होने के बाद कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष का पद मिला है, क्योंकि पिछले दस सालों से पार्टी के पास इस पद को पाने के लिए जरूरी 54 सीटें तक नहीं थीं। इस बार कांग्रेस के पास लोकसभा में 99 सीटें हैं और इसीलिए 20 साल लंबे राजनीतिक करियर में राहुल गांधी को पहली बार संवैधानिक पद मिला है। हालांकि, राहुल के लिए आगे का सफर आसान नहीं होगा। विपक्ष के सेनापति के तौर पर और संवैधानिक पद पर होने की वजह से राहुल गांधी को कई जिम्मेदारियां निभानी हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नेता विपक्ष बनने पर बधाई मिल रही है, लेकिन विपक्ष के नेता ये भी कह रहे हैं कि पूरे गठबंधन के हितों का ध्यान रखा जाए। नेता प्रतिपक्ष न सिर्फ अपनी पार्टी को बल्कि पूरे विपक्ष का नेतृत्व करता है। नेता प्रतिपक्ष कई जरूरी नियुक्तियों में पीएम के साथ बैठता है। मतलब ये कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी साथ मिलकर कई फैसले लेंगे। दोनों के राय से फैसले लिए जाएंगे। चुनाव आयुक्त, केंद्रीय सतर्कता आयोग के अध्यक्ष, मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष इन सभी पदों का चयन एक पैनल के जरिए किया जाता है, जिसमें प्रधानमंत्री और नेता विपक्ष शामिल रहते हैं।

अब तक राहुल गांधी कभी भी मोदी के साथ किसी पैनल में शामिल नहीं हुए हैं। राहुल गांधी भारत सरकार के खर्चों की जांच करने वाली लोक लेखा समिति के अध्यक्ष होंगे। राहुल सरकार के कामकाज की लगातार समीक्षा करेंगे। वह ये जानने की कोशिश करेंगे कि सरकार कहां पर कितना पैसा खर्च कर रही है। राहुल गांधी दूसरे देशों के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण देने के लिए भारत बुला सकते हैं। मतलब कि अगर वह किसी मुद्दे पर विदेशी मेहमानों से चर्चा करना चाहें तो वह ऐसा कर पाएंगे। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के प्रमुखों के चयन में भी अहम भूमिका निभाने वाले हैं। वह पिछले 10 साल से इन एजेंसियों पर काफी आरोप लगाते आए हैं। नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल को पद भी मिला है और उनका कद भी बढ़ गया है। नेता विपक्ष के तौर पर राहुल गांधी को कई अधिकार और सुविधाएं मिलेंगी। नेता प्रतिपक्ष का पद कैबिनेट मंत्री के बराबर होता है। राहुल गांधी को केंद्रीय मंत्री के समान वेतन, भत्ता और दूसरी सुविधाएं मिलेंगी। राहुल को कैबिनेट मंत्री के आवास के स्तर का बंग्ला मिलेगा। उन्हें कार, ड्राइवर की सुविधा भी दी जाएगी. साथ ही 14 लोगों का स्टाफ मिलेगा। बतौर सांसद राहुल गांधी को एक लाख रुपए और 45 हजार भत्ता मिलता है, लेकिन नेता विपक्ष बनने के बाद उन्हें मासिक वेतन और दूसरे भत्तों के लिए 3 लाख 30 हजार रुपए मिलेंगे। नेता विपक्ष के तौर पर राहुल गांधी की पुरानी छवि टूट जाएगी और वो एक नई छवि को गढ़ते नजर आएंगे। साल 2004 में जब राहुल गांधी ने पहली बार चुनावी राजनीति में दस्तक दी थी। 2004 से 2014 तक कांग्रेस की सत्ता रही लेकिन राहुल ने कोई मंत्री पद नहीं लिया। उन पर कैबिनेट पद के लिए दबाव भी था, लेकिन फिर भी उन्होंने मना कर दिया था। 2014 में कांग्रेस जब सत्ता से बाहर हुई तो नेता प्रतिपक्ष बनाने लायक सीटें भी हासिल नहीं कर पाई थी। बदले हुए हालात में केंद्र की भाजपा सरकार पिछले कार्यकाल की तरह विपक्ष को दरकिनार करके सदन की कार्यवाही नहीं चलवा सकती। मजबूत विपक्ष और राहुल गांधी के प्रतिपक्ष का नेता बनने से मोदी सरकार को अपने नजरिए में फेरबदल करना होगा।

सुखद जीवन के लिए खुद में बदलाव जरूरी...

> आदतों को बनाना और आदतों की कैद से खुद को समय-समय पर निकालना, दोनों ही बेहद महत्त्वपूर्ण है। फिर उसका संबंध हमारे द्वारा लंबे समय से बनाए विचारों से हो या हमारे द्वारा किए जा रहे व्यवहार से। किसी एक विचार से जुड़ी सामग्रियों से हटकर भी हमें अक्सर अलग-अलग विचारों को खुले दिमाग से सुनने का प्रयास करते रहना चाहिए। हो सकता है, इसके जरिए हम पुराने और प्रचलित विचारों की जगह अपनी नई बेहतर सोच विकसित कर सकें, जो और लोगों को प्रेरणा दे जाए। हमारे व्यवहार को भी हमें समय-समय पर व्यक्ति और परिस्थिति को देखते हुए संशोधित करते रहना चाहिए।

एकता कानूनगो

हम सभी का जीवन विभिन्न परिस्थितियों और भांति-भांति के लोगों के साथ बीतते हुए ही बनता है। यह जरूर हमें महसूस होता है कि हम रोजमर्रा के सामान्य दिनों में अपनी दिनचर्या की पुनरावृत्ति कर रहे हों, जबकि हमारा हर दिन अपने आप में अलग होता है। पत्र-पत्रिकाओं और सोशल मीडिया में अक्सर ऐसी पहेलियां आती रहती हैं, जिनमें बिल्कुल एक से दिखने वाले दो चित्र हमारे सामने रख दिए जाते हैं और हमें उनमें अंतर खोजना रहता है। बहुत गौर से देखने पर सूक्ष्म अंतर हमें नजर भी आते हैं। जैसे किसी एक में व्यक्ति का चेहरा बिना किसी भाव के है, तो दूसरे में वह मुस्करा रहा है। ऐसे ही हमारे जीवन के एक से दिखने वाले दिन भी एक दूसरे से काफी अलग होते हैं।अक्सर सूक्ष्म भिन्नताओं को हम देख ही नहीं पाते और अपनी नियमित आदतों की धुन में बने रहते हैं। हम बस एक निश्चित जीवनशैली बना लेते हैं और उस पर लगातार बने रहने में संतुष्टि पाने लगते हैं। यह गलत भी नहीं है। अच्छी आदतों को दोहराते रहना बुरा भी नहीं है, पर अगर हम किसी मशीन की तरह रोज के कामों को करते ही रहते हैं, बाकी चीजों के प्रति हम सचेत नही हैं, कोल्हू के बैल या तांगे के घोड़े की तरह एक धुन में अपना रोज का काम निपटा रहे हैं तो हमें एक बार रुक कर

थोड़ा विचार करने की जरूरत होगी। अपनी दिनचर्या को पूरी तरह से नियमों से बंधा हुआ रखने की बजाय थोड़ा-सा लचीलापन रखना जिसमें बदलाव की थोड़ी बहुत गुंजाइश बनी रहे, अपने समय को सुखद बनाने के लिए शायद ठीक होगा। हर दिन अपने आप में नया होता है। थोड़े-बहुत बदलाव से हम उसका सही उपयोग, बेहतर प्रबंधन कर सकते हैं। यह समझ हमें जीवन से जुड़ी अनिश्चितता को लेकर और अधिक सहज और स्वाभाविक भी बनाती है। अचानक से आई नई-नई परिस्थिति को लेकर भी हमारी प्रतिक्रिया सहज होने लगती है, हम अधिक संयम के साथ उसका सामना कर पाते हैं।

जब हम अपने ही बनाए ढांचे से समय-समय पर अपने को मुक्त करते हैं, खुद को सुरक्षा घेरे से थोड़ा बहुत बाहर निकालने की चुनौती देते रहते हैं, तब हम पहले से अधिक बेहतर, संतुलित और सक्षम भी होने लगते हैं। हम सिर्फ किसी यंत्र की तरह काम नहीं कर रहे होते, जिसे निर्धारित काम और परिस्थिति की जगह कुछ और काम या परिस्थियां हटकर दे दी जाए तो यंत्र काम करना बंद कर देता है। हम मशीन नहीं हैं। हम अपनी सारी इंद्रियों का उपयोग कर नई परिस्थिति को समझ रहे होते हैं, उसको बेहतर तरीके से करने की रणनीति बना रहे होते हैं, खुद को उस काम के लिए तैयार कर रहे होते हैं। हमारे द्वारा स्वयं पर जबरन थोपे अस्वाभाविक नियम कभी-कभी हमें आत्मकेंद्रित बना सकते हैं। उन्हें पूरा करने को लेकर हमारी जिद हमारे आसपास के लोगों पर भी नकारात्मक प्रभाव डालने लगती है। किसी भी तरह का नियम बनाते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि उसके कारण किसी और को परेशानी तो नहीं हो रही। हमारी आदतें भी किसी के जीवन में दुख का कारण बन सकती हैं। अपनी दिनचर्या में हम पेड़-पौधों को रोज पानी पिलाते हैं। यह हमारी नियमित आदत है। इससे हमें संतुष्टि मिलती है। अब हम रोज ऐसा ही करेंगे, यह एक धुन है, जबकि मौसम के अनुरूप पौधे की आवश्यकता के अनुसार हम उसकी देखभाल करें, यह एक अच्छी समझ है, आदत में स्वाभाविक रूप से बदलाव करना होगा। मसलन, कल से मैं सुबह उठकर अपनी सेहत के लिए विशेष तरह के भोजन का सेवन करूंगा, थोड़ा जल्दी उठकर अपने लिए अपने अनुसार भोजन बनाऊंगा और इस बात का ध्यान रखूंगा कि मेरे कारण दूसरों की दिनचर्या में कोई व्यवधान न आए। ऐसी समझ और आदतों की शुरुआत से समग्र जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। यह हमारे व्यक्तित्व के हर पक्ष को छूता है। हमें दूसरों की जरूरतों के प्रति भी और संवेदनशील बनाता है। अपने लिए कुछ करते हुए हमारे मन में दूसरों की सुविधा-असुविधा का भी खयाल बना रहता है।

आदतों को बनाना और आदतों की कैद से खुद को समय-समय पर निकालना, दोनों ही बेहद महत्त्वपूर्ण है। फिर उसका संबंध हमारे द्वारा लंबे समय से बनाए विचारों से हो या हमारे द्वारा किए जा रहे व्यवहार से। किसी एक विचार से जुड़ी सामग्रियों से हटकर भी हमें अक्सर अलग-अलग विचारों को खुले दिमाग से सुनने का प्रयास करते रहना चाहिए। हो सकता है, इसके जरिए हम पुराने और प्रचलित विचारों की जगह अपनी नई बेहतर सोच विकसित कर सकें, जो और लोगों को प्रेरणा दे जाए। हमारे व्यवहार को भी हमें समय-समय पर व्यक्ति और परिस्थिति को देखते हुए संशोधित करते रहना चाहिए। हमारी हंसी-मजाक की सहज प्रवृत्ति हमेशा ही सबको सहज लगे जरूरी नहीं। अगर हम हमेशा अन्यों के साथ आदेशात्मक रवैया अपनाते हैं तो वह भी कड़वाहट और वैमनस्य का कारण बन सकता है। परिस्थिति और अन्यों की मनःस्थिति को समझते हुए उपयुक्त भाषा शिष्टाचार के साथ अपनी बात को रखना, अपने व्यवहार को सौम्य बनाना, व्यवहार में यह सकारात्मक लचीलापन हमारी अच्छी आदतों में शुमार किया जाना चाहिए।

जीवन का रोमांच सरल, सहज विवेकी रहकर आगे बढ़ते रहने में है। हमें नदी की तरह बहते रहना हैज अलग-अलग रास्तों से गुजरते हुए कभी खुद को समेटते हुए तो कभी फैलाव की गुंजाइश का मान रखते हुए। प्राकृतिक रूप और रंगों के साथ अपने गंतव्य तक पहुंचने के प्रयास में यह भी जरूरी होगा कि भीतर की निर्मलता और तरलता हमेशा बनी रहे।

पेट का कैंसर इलाज हुआ आसान

कई बीमारियां आम तौर पर इसलिए जानलेवा साबित होती हैं, क्योंकि उनके बारे में मौजूद आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूकता कम है। अगर समय पर ध्यान दिया जाए तो पेट के कैंसर से भी पूरी तरह मुक्ति पाई जा सकती है। किन बातों का ध्यान रखें और समय रहते कैसे इनका लाभ उठाएं, बता रहे हैं

अनिल धवन की उम्र लगभग 51 हो चुकी है, लेकिन अपनी बैंक की नौकरी करते हुए वे अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन जी रहे थे। अचानक उनके जीवन में इतना बड़ी समस्या आई कि सब कुछ बदल गया। पेट में तकलीफ शुरू हुई और जब वे डॉक्टर के पास गए तो उसने बताया कि उनके पेट में कैंसर है। डॉक्टर की ये बात सुन कर वे बड़े हैरान हुए और सदमे में आ गए।

दरअसल कुछ समय से अनिल धवन को बदहजमी, खाना खाने के बाद अप्राकृतिक रूप से पेट भरे जैसा महसूस होना और कभी-कभी उल्टी होने की शिकायत हो रही थी। इसी वजह से उन्होंने डॉक्टर से परामर्श लेने की सोची, लेकिन उन्हें ये कतई अंदाजा नहीं था कि उन्हें पेट के कैंसर जैसी कोई गंभीर समस्या हो सकती है। हालांकि डॉक्टर से सलाह लेने के बाद अनिल धवन ने अपने को यह सोच कर समझाया कि उनकी बीमारी जल्दी पकड़ में आ गई और इस बीमारी से पूरी तरह से निजात भी पाया जा सकता है।

सही जगह पहुंचना है जरूरी

दरअसल अनिल धवन पहले जिस डॉक्टर के पास गए थे, उसने दवाई से उनकी समस्या में कोई सुधार न होता देख उन्हें गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी (जी आई) डॉक्टर से मिलने की सलाह दी थी। डॉक्टर ने एंडोस्कोपी की तो उनकी समस्या समझ आई। उनके पेट में छोटा पिंड (मॉस) नजर आया। डॉक्टर को कैंसर का अंदेशा लगा, जिसकी बॉयोस्पी द्वारा पुष्टि हो गई। फिर जीआई ने एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (ई यू एस) द्वारा बीमारी की व्यापकता जानी। ये बीमारी पेट की अंदरूनी दीवार तक सीमित थी। बाद में एंडोस्कोपिक सर्जन ने एंडोस्कोपिक रिसेक्शन किया।

लक्षणों को गंभीरता से लें

इस बारे में मेदांता इंस्टीट्यूट ऑफ डायजेस्टिव एंड हिपाटोबिलिएरी साइंस के चेयरमैन डॉ रणधीर सूद का कहना है, 'मरीज का इलाज इसलिए हो पाया, क्योंकि उनके शुरुआती लक्षणों को गंभीरता से लिया गया। कई रोगी इन लक्षणों को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते और इलाज में देरी हो जाती है। इलाज में ज्यादा देरी हो तो विकल्प काफी सीमित हो जाते हैं और रोगी को बचाना मुश्किल हो जाता है।'

लापरवाही है जानलेवा

अनिल धवन ने तो अपनी बीमारी को गंभीरता से लिया और समय पर डॉक्टर से परामर्श ले लिया, लेकिन दुनियाभर में प्रत्येक वर्ष 7 करोड़ 36 लाख लोगों की देर से डॉक्टरी परामर्श लेने के कारण पेट के कैंसर से मृत्यु होती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि पेट के कैंसर से लोगों की मृत्यु होती है, जबकि समय रहते डॉक्टर की सलाह से वे पूरी तरह ठीक हो सकते हैं।

ऐसे होता है इलाज

अगर मरीज को कैंसर के शुरुआती दौर में ही पता चल जाए तो कैंसर वाले भाग को निकाल दिया जाता है और मरीज पूरी तरह ठीक हो जाता है। पेट के कैंसर को सर्जरी या एडवांस नॉन सर्जिकल प्रक्रिया से ठीक किया जा सकता है।' पारम्परिक एंडोस्कोपी में डॉक्टर और सर्जन मरीज के पेट की सबसे अंदरूनी लाइनिंग को देख सकते हैं, लेकिन ई यू एस डॉक्टर को सभी परतें देखने में मदद करता है। इसका मतलब है कि पहले एंडोस्कोपी और एक्स-रे की मदद से डॉक्टर सतह की लाइनिंग पर असामान्य विकास को देख सकते थे, लेकिन ई यू एस द्वारा असामान्य विकास की प्रकृति को समझ कर डॉक्टर इलाज का बेहतरीन विकल्प बताने में समर्थ होते हैं। इसके साथ ईयूएस की खासियत है कि ये आसपास के एरिया जैसे कि पित्ताशय, आम पित्त नली, अग्नाशय नलिका इत्यादि को देखने और उसका आंकलन करने में मदद करता है। पेट के अंदरूनी भाग या फिर बाहर की दीवार पर क्षतिग्रस्त टिश्यू को एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड द्वारा संगृहीत करने का विकल्प प्रदान करता है।

योग क्रियाएं अपनाएं स्वस्थ-खुशहाल रहें

यौगिक क्रियाएं हमारी सेहत के लिए कितनी जरूरी हैं, यह तो हम सभी जानते हैं, फिर भी इसे दिनचर्या में शामिल नहीं कर पाते। नए वर्ष में कुछ योग क्रियाओं को जरूर अपनाएं।

आधुनिक दुनिया में हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि हम खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते। यही कारण है कि सब कुछ होते हुए भी हम अशांत, असंतुष्ट, अस्वस्थ, निराश तथा नीरस जीवन जीने के लिए बाध्य रहते हैं। अपने जीवन का मूल या केन्द्र हम स्वयं हैं। खुद को उपेक्षित करने से जीवन असंतुलित हो जाता है। यह असंतुलन हमें तनाव, रोग, निराशा, क्रोध, चिड़चिड़ापन, भय, असुरक्षा जैसी घातक समस्याएं देता है। योग के नियमित अभ्यास से इस असंतुलन को दूर कर हम अपनी सभी समस्याओं से मुक्त हो सकते हैं। तो क्यों न हम आने वाले नए वर्ष के लिए कुछ संकल्प लें कि स्वस्थ रहने के लिए योग की कुछ क्रियाओं को अपनाएंगे।

सूर्य नमस्कार

प्रतिदिन अपनी क्षमतानुसार योग्य मार्गदर्शन में सूर्य नमस्कार के 3 से 10 चक्रों का अभ्यास करने से शरीर और मन स्वस्थ रहते हैं। प्रतिदिन 3 से 7 मिनट का समय इस पर अवश्य दें, यह बहुत मुश्किल भी नहीं। इससे तमाम बीमारियां आपसे दूर रहेंगी। अगर कोई गंभीर बीमारी है तो इसका अभ्यास योग्य व्यक्ति के मार्गदर्शन में करें। सूर्य नमस्कार के पश्चात आसनों का अभ्यास अवश्य करें। इन महत्वपूर्ण आसनों का अपनी क्षमतानुसार प्रत्येक दिन अभ्यास करने का संकल्प लें। वज्रासन, मत्स्यासन, उष्ट्रासन, जानुशिरासन, पवनमुक्तासन, शलभासन, धनुरासन तथा भुजंगासन का योग्य मार्गदर्शन में अभ्यास करने से शारीरिक और मानसिक रोगों से दूर रह सकते हैं।

धनुरासन की अभ्यास विधि

पेट के बल जमीन पर लेट जाएं। ध्यान दें कि दोनों पैर आपस में जुड़े हों। एक गहरी तथा धीमी श्वास-प्रश्वास लें। अब दोनों पैरों को घुटनों से मोड़ें तथा पंजों को हाथों से पकड़ लें। इसके बाद हाथों के सहारे घुटने तथा जांघों को जमीन से ऊपर उठाएं। साथ में सिर तथा छाती को भी जमीन से ऊपर उठाएं। इस स्थिति में आरामदायक समय तक रुके रहें। इसके बाद धीरे-धीरे वापस पूर्व स्थिति में आएं। इस आसन की 3 आवृत्तियों का अभ्यास करें।

प्राणायाम

प्राणायाम के अभ्यास से शरीर तथा नाड़ियों के विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं, जिससे शरीर तथा मन स्वस्थ रहते हैं। मन में उत्साह, उमंग, धैर्य तथा सहनशीलता आती है। कार्यक्षमता बढ़ती है। आलस्य, थकावट तथा चिड़चिड़ापन दूर होता है। प्रतिदिन 10-15 मिनट आसनों के अभ्यास के पश्चात प्राणायाम का अभ्यास करें। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता तथा स्वभाव का ध्यान रखते हुए निम्न प्राणायामों का अभ्यास करना चाहिए। इनमें कपालभाति, भस्त्रिका, नाड़ी शोधन एवं उज्जयी प्रमुख हैं।

कपालभाति की अभ्यास विधि

ध्यान के किसी भी आसन में बैठ जाएं। रीढ़, गला तथा सिर को सीधा रखें। आंखें ढीली बंद कर चेहरे को ढीला रखें। अब नासिका से एक हल्के झटके से श्वास बाहर निकालें तथा नासिका द्वारा सामान्य श्वास लें। इस प्रकार प्रारम्भ में कपालभाति की 20 आवृत्तियों का अभ्यास करें। धीरे-धीरे आवृत्तियों की संख्या बढ़ाते जाएं। इसका अभ्यास 5-7 मिनट तक कर सकते हैं। कपालभाति के अभ्यास के बाद 5-7 मिनट तक नाड़ी शोधन प्राणायाम का अभ्यास अवश्य करें। यह शरीर में प्राणशक्ति बढ़ाने में मदद करता है।

सीमाएं - उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, एसिडिटी तथा हाइपर थॉयराइड एवं स्लिप डिस्क तथा हर्निया के रोगी इसका अभ्यास योग्य मार्गदर्शन में करें।

योग निद्रा एवं ध्यान

मानसिक तनाव वाले इस युग में प्रतिदिन 10-15 मिनट योगनिद्रा एवं ध्यान का अभ्यास करना चाहिए। इनके अभ्यास से एकाग्रता, सहनशक्ति, कार्यक्षमता बढ़ेगी।

आहार - योग का अभ्यास तभी अच्छा तथा पूर्ण परिणाम देगा जब आहार संतुलित, प्राकृतिक तथा शाकाहारी होगा। यद्यपि शाकाहार कोई अनिवार्य शर्त नही है, किन्तु इसका सेवन करने से सेहत अपेक्षाकृत बेहतर रहती है। आहार में फल, सलाद, हरी सब्जियों तथा अनाज को बराबर महत्व दें।

खिली-खिली रहेगी आपकी त्वचा

सर्दियां सबको पसंद आती है, लेकिन यह मौसम हमारी त्वचा को रास नहीं आता। इस मौसम में त्वचा को तरह-तरह की तकलीफों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में त्वचा को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है, बता रही हैं त्वचा विशेषज्ञ

अपनी सेहत के लिए आप क्या कुछ नही करते। पौष्टिक भोजन करते हैं, अच्छी नींद लेते हैं, व्यायाम करते हैं, फिर भी सर्दियों में आपकी त्वचा की चमक कम हो जाती है। इस मौसम में कुछ लोगों की त्वचा में दाने निकलने लगते हैं तो कुछ की त्वचा सूखी-सूखी लगती है। सर्दियों का यह मौसम शादियों का भी मौसम होता है, जब हर किसी में खूबसूरत दिखने की होड़ होती है। ऐसे में अगर त्वचा में कोई समस्या हो तो वह और अधिक तकलीफदेह बन जाती है। अगर आपकी त्वचा भी ऐसी किसी समस्या से जूझ रही है तो लापरवाही न बरतें। इस मौसम में त्वचा की कुछ अतिरिक्त जरूरतों को समझें और उनका ख्याल रखें।

त्वचा की तकलीफ

इस मौसम में ड्राई त्वचा को ऑयली त्वचा की तुलना में ज्यादा तकलीफ होती है। त्वचा में ड्राइनेस बढ़ जाती है, खासकर कुहनी, घुटनों आदि की त्वचा में ड्राइनेस अधिक आती है। होंठ फटने लगते हैं, होंठ की त्वचा पर कई बार पपड़ी पड़ने लगती है, जिसे हम दांतों से काटने की कोशिश भी करते हैं। सिर में डैंड्रफ की समस्या बढ़ जाती है। त्वचा में वायरल संक्रमण की आशंका काफी बढ़ जाती है और त्वचा के लाल होने, फोड़े-फुंसी, खुजली आदि की समस्या भी परेशान करने लगती है। इनमें डरमेटाइटिस और एग्जिमा जैसी बीमारियां भी शामिल होती हैं।

होती है लापरवाही

सर्द मौसम और ठंडी हवा आपकी त्वचा की नमी को कम करती है। अगर त्वचा में पर्याप्त नमी नहीं है तो त्वचा अधिक समय तक सर्द हवा का सामना नहीं कर पाती और उस पर असर दिखने लगता है।

छिन सकती है चमक

त्वचा की चमक तभी बनी रह सकती है, जब वह सेहतमंद हो। त्वचा की अंदरूनी सेहत के लिए खानपान का विशेष महत्व तो है ही, इस मौसम में त्वचा को मॉयश्चराइजर और कोल्ड क्रीम की भी जरूरत पड़ती है, इसलिए कम से कम हर शाम अपनी त्वचा को मॉयश्चराइजर की खुराक दें। आपको किस वक्त त्वचा के किस भाग पर कितने मॉयश्चराइजर की जरूरत है, इसके लिए आप अपने त्वचा विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें। इस मौसम में साबुन आपकी त्वचा को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए चने के बेसन का इस्तेमाल करें। चाहें तो कभी-कभी उसमें दही या दूध भी मिला सकते हैं।

त्वचा की ड्राइनेस और उसे फटने से बचाने के लिए स्नान से पहले अपनी त्वचा पर नारियल तेल की मालिश करें। स्नान वाले पानी में कुछ बूंद तेल डाल सकते हैं। इससे आपकी त्वचा में मॉयश्चर सुरक्षित रहेगा। लेकिन हां, स्नान के लिए ज्यादा गर्म पानी का उपयोग न करें। ज्यादा गर्म पानी त्वचा में मौजूद प्राकृतिक तेल को कम करता है। क्रीमी साबुन का इस्तेमाल भी त्वचा के लिए अतिरिक्त खुराक साबित होगा।

समस्या गंभीर तो नहीं

अगर त्वचा की ड्राइनेस लगातार बनी हुई है तो ब्लड शुगर और थॉयरायड प्रोफाइल की जांच कराएं। कई बार यह वंशानुगत भी होता है। ऐसे में डॉक्टर से कुछ न छिपाएं ताकि समस्या गंभीर न हो पाए।

क्या करें, क्या नहीं

त्वचा में खुजली हो तो खुजलाएं नहीं। होंठ फट रहे हों तो वहां की त्वचा को चबाएं नहीं। इससे त्वचा काली भी पड़ सकती है और वहां संक्रमण भी हो सकता है। होंठों पर लिप बाम लगाएं। इस बात का ध्यान रखें कि लिप बाम 15-20 एसपीएफ का हो, जो सूर्य की नुकसानदेह किरणों से भी आपकी त्वचा को बचाता है। अपने होंठों पर तत्काल बटर या घी भी लगा सकते हैं।

त्वचा की सामान्य देखभाल

- अच्छे प्राकृतिक क्लिंजर का प्रयोग करें।
- त्वचा के खुले हिस्से पर 30 एफपीएफ सन्सक्रीन का प्रयोग करें।
- गर्म कपड़ों के अंदर पतला मुलायम कॉटन का कपड़ा पहनें।
- रक्तचाप को दुरुस्त रखने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करें।
- धूम्रपान से दूर रहें। स्कल्प की सेहत के लिए एंटी डैंड्रफ शैंपू का इस्तेमाल करें।

विटामिन डी भी है जरूरी

अपनी डाइट में विटामिन डी को भी शामिल करें। इसके लिए मछली, दूध, डेयरी उत्पाद, अंडे, चीज, मशरूम आदि को अपने भोजन में शामिल करें। रोजाना 10 से 20 मिनट धूप में बैठ कर आप अपने शरीर की विटामिन डी की जरूरत को पूरी कर सकते हैं। अधिक देर धूप में बैठना ठीक नहीं।

खाने में चाहिए अतिरिक्त

इस मौसम में त्वचा को चाहिए अतिरिक्त खुराक, इसलिए अपने भोजन में कुछ चीजों को प्रमुखता से शामिल करें। त्वचा की अंदरूनी परत को बेहतर करने में विटामिन सी की अहम भूमिका होती है। इसके लिए आंवले को अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करें। रोज 3-4 लीटर पानी अवश्य पिएं। पानी भी त्वचा के मॉयश्चर को सुरक्षित रखने में सहायक होता है। फल और हरी सब्जियों को अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करें। अपनी डाइट में प्राइमरोज सिरप या कैप्सूल और ऑलिव आयल को भी शामिल करें।

एक लड़की का सच्चा दोस्त और हमराज कौन हो सकता है? अगर जवाब 'ब्वायफ्रेंड' या 'पति' है तो दिमाग पर फिर जोर डालिए- आपको आपके नजरिए से वह देख सकता है क्या? अपनी पर्सनल फीलिंग्स को बताने के लिए आप सबसे पहले किसे फोन करती हैं? अपनी किसी खास सहेली को और उससे बात करके ही आप हल्की होती हैं।

दोस्त हों तो हंसती रहे जिंदगी

जरा थोड़ी देर अपना दिमाग दौड़ाइए और गौर कीजिए कि किसे आपका बर्थडे हमेशा याद रहता है? किसने आपके साथ शॉपिंग करने का भरपूर लुत्फ उठाया और किसने आपके ऑफिस में चल रही सारी पॉलिटिक्स को सुनने, समझने और उसका सही हल देने में आपकी मदद की है? थोड़ी देर सोचने के बाद आपका दिलो-दिमाग कह उठेगा कि आपकी बहुत सारी दोस्तों ने यह सब किया। जी हां, हम सभी की जिंदगी में कुछ ऐसी दोस्त होती हैं, जो हमारे अलग-अलग मूड और सिचुएशन पर फिट बैठती हैं और उनके साथ होने से ही हमारी मुश्किल पल भर में छूमंतर हो जाती है। आइए जानें, अपनी जिंदगी की इन खास सहेलियों के बारे में -

हमराज सहेली...

अपनी इस दोस्त से आप हर बात बिना झिझके शेयर कर सकती हैं। बात चाहे कितनी भी प्राइवेसी की हो, इस सहेली से आप एक बार में कह सकती हैं। आपकी इस दोस्त को आपके सारे राज पता हैं। आपको भरोसा है कि यह कभी भी आपके विश्वास को दगा नहीं देगी। बस, जब भी मन में कोई राज हिलोरें मारे तो झट से अपनी इस हमराज को कह डालिए।

शॉपिंग पार्टनर भी तो है...

आपकी यह दोस्त ऐसी है कि जो ऐन मौके पर आपकी शॉपिंग की जरूरत को समझते हुए आपका साथ निभाती है। नए आउटफिट खरीदने से लेकर पार्लर में नया लुक पाने तक आपकी यह दोस्त कंपनी देने के लिए हमेशा तैयार खड़ी मिलेगी। यह आपको ब्रांडेड दुकानों में ले जाकर खड़ा नहीं करेगी, बल्कि कई मार्केट घूमने को तैयार होगी। ट्रेंडी मार्केट में मनमाफिक आउटफिट की तलाश में दसियों शॉप खंगालने से भी पीछे नहीं हटेगी। बस, एक फोन कॉल कीजिए और आपकी यह हैंगआउट फ्रेंड शॉपिंग में आपके साथ हो लेगी।

ऑफिस की गप्पू फ्रेंड

भले ही लोग पीठ पीछे बात करने को बुरा कहें लेकिन इस काम में आपको जो मजा आता है, उसे आपकी यह दोस्त अच्छी तरह समझती है। ऑफिस के कलीग्स की पॉलिटिक्स समझानी हो या अपने किसी रिश्तेदार की बुराई, आप अपनी इस सहेली के साथ जमकर दूसरों की भलाई-बुराई कर सकती हैं।

दोस्त जो हंसा दे...

लाइफ में बाकी जरूरी कामों के अलावा एक काम और है, और वह है- जम कर मस्ती करना। आप जब भी अपनी इस दोस्त से मिलती हैं तो आपकी लाइफ खुशनुमा हो जाती है। इसकी कंपनी में आप कभी बोर फील नहीं करती, क्योंकि इसे लाइफ को एंज्वाय करने के सारे गुण आते हैं। उसकी बातें, छोटे-छोटे जोक्स और टिप्पणियां आपको बेवजह हंसने को मजबूर कर देती हैं। ये दोस्त आपकी ऑफिस में भी हो सकती है और पड़ोस में भी।

एक दोस्त हमेशा के लिए...

बेशक आप दोनों का मिलना बहुत दिनों बाद होता है, लेकिन जब भी आप अपनी इस फ्रेंड से मिलती हैं तो आपके रिश्तों की गर्माहट में कोई कमी नहीं आती। भले ही यह आपकी आज की जिंदगी के हर पहलू से रू-ब-रू न हो लेकिन यह आपके सपनों, आपकी महत्वाकांक्षाओं और सबसे ज्यादा आपको बेहतर ढंग से जानती है। क्या इससे ज्यादा उम्मीद आप किसी और से कर सकती हैं?

लौट रहे हैं अपनी जमीं की ओर

वो खान-पान जो हमारी दादी-नानी के जमाने में प्रचलित था, जो पिछले कुछ वर्षों में खो सा गया था, अब लौटने लगा है। हमें समझ में आ ही गया कि उस दौर की चीजें कितनी वैज्ञानिक हुआ करती थीं।

पहले घर में महिलाएं चक्की से आटा-दाल, चावल, बेसन आदि पीसा करती थीं। यह एक बहुत मेहनत का काम था। सवेरे-सवेरे घरों में चक्की की घर्र-घर्र शुरू हो जाती थी। मगर कहते हैं कि चक्की पीसने के कारण न तो उनके कंधे जाम होते थे न ही उनको सर्वाइकल जैसी बीमारियां सताती थीं। जबकि आज बड़ी संख्या में महिलाएं इन बीमारियों से पीड़ित हैं। इसी तरह शादी आदि समारोहों में पत्तल, दोने, कुल्हड़ में खाने से किसी तरह के इंफेक्शन का खतरा नहीं रहता था। यही नहीं, कहते हैं कि चूल्हे पर पकी रोटी अधिक पौष्टिक होती थी। लेकिन इनका दूसरा पक्ष भी था। एक तो महिलाओं को रात-दिन खटना पड़ता था। दूसरे, चूल्हे पर एक दाल जितनी देर में पकती थी उतने समय में कुकर और गैस का इस्तेमाल करके अनेक चीजें बनाई जा सकती हैं। फिर वक्त भी बदला। पहले महिलाओं की जिम्मेदारी घर और रसोई तक ही सीमित थी मगर आज की कामकाजी स्त्री जिसके पास घर और दफ्तर की दोहरी जिम्मेदारी है, उसके पास इतना समय कहां कि वह पूरे दिन रसोई में खटती रहे। एक तरह से तकनीक ने इस कामकाजी स्त्री के जीवन को आसान बनाया, मगर इसके चलते बहुत से रोगों ने उन्हें आ घेरा। डाक्टरों और डाइटीशियंस की मानें तो महिलाओं ने जब से शारीरिक मेहनत कम की, रोगों ने उनका दामन थाम लिया। घरेलू कामों को इन दिनों फिटनेस

मंत्र के रूप में भी देखा जाने लगा है। जिम जाने के मुकाबले यदि घरेलू कामों को समय दिया जाए तो आपकी कैलोरी भी बर्न होती है और घर भी आपके कंट्रोल में रहता है। लेकिन समस्या फिर वही है कि आखिर काम भी कितना और किस हद तक। कोई चीज तभी जिंदा रहती है जब वह बिके, उसकी उपयोगिता साबित हो सके। लोग छोटी चक्की भी खरीद रहे हैं, चाहे वह घर में एक शो पीस के रूप में ही दिखती है। इससे यही लगता है कि कोई चीज कभी खत्म नहीं होती। वह रूप बदलकर वापस आ जाती है। इससे ज्यादा कच्ची हल्दी,आंवला, मेथी, लहसुन, अदरक, अजवायन, जीरा, अलसी, शहद आदि का प्रचलन खाने में बढ़ गया है। मट्ठा, दलिया, पोहा, बादाम, अखरोट का चलन नाश्ते में बढ़ता जा रहा है। अनाजों में एक समय जिन अनाजों को मोटा माना जाता था, आज का मध्यवर्ग ये अनाज जैसे मक्का, बाजरा, जई, ज्वार शौक से खा रहा है। इसीलिए अब किसान नए सिरे से इन्हें उगाने लगे हैं। इनकी पैदावार बढ़ रही है। एक जमाने में इन्हें खाने से जो लोग नाक-भौं सिकोड़ते थे और सिर्फ जंक फूड पर निर्भर रहते थे वे इनकी पौष्टिकता और औषधीय उपयोगिता के कारण इन्हें अपने भोजन में शामिल कर रहे हैं।

आयुर्वेद का बढ़ता चलन

इन दिनों खुद को फिट रखने की ही नहीं, आकर्षक दिखने की भी चाहत बढ़ी है। महिलाओं के बीच घरेलू नुस्खे भी लोकप्रिय हो रहे हैं। स्किन केयर में बेसन के उबटन का प्रयोग, देसी घी की मालिश, हल्दी, मेहंदी, बेसन का फेस पैक का प्रयोग बढ़ रहा है। सूखी त्वचा के इलाज नारियल तेल और सरसों के तेल में खोजे जा रहे हैं। सरसों के तेल के बारे में तो यह कहा भी जाता है कि यह एंटी एजिंग होता है और मुंह तथा हाथ-पैरों पर इसकी मालिश से झुर्रियां नहीं पड़ती हैं। झुर्रियां दूर करने के लिए मलाई और गुलाब जल का प्रयोग भी अच्छा माना जाता है। बच्चों की मालिश के लिए भी आज भी सरसों के तेल का उपयोग किया जाता है। बालों के लिए भी आंवला, शिकाकाई के विज्ञापन फिर से दिखाई देने लगे हैं। फेस मास्क के लिए मुलतानी मिट्टी का कोई जवाब नहीं। गन्ने के सिरके को आज भी अच्छा कंडीशनर माना जाता है।

इसलिए हैं महिलाएं मल्टीटास्किंग में अव्वल

भारतीय मूल की वैज्ञानिक रागिनी वर्मा और युनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवीनिया में उनके सहकर्मियों द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक महिलाएं एक साथ ढेर सारे काम निपटाने में उस्ताद होती हैं, वहीं पुरुष एक बार में एक काम को बहुत अच्छे से पूरा करने में माहिर होते हैं। महिलाओं की याददाश्त अच्छी होती है, समूह में वो बेहतर तरीके से काम कर पाती हैं और साथ ही विभिन्न चीजों के प्रति उनकी समझ बेहतर होती है। अपने इन्हीं गुणों के कारण वे एक साथ कई काम बेहतर तरीके से कर पाती हैं। साथ ही महिला और पुरुष के मस्तिष्क की अलग-अलग संरचना भी महिलाओं के मल्टीटास्किंग होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह अध्ययन 8 से 22 वर्ष तक की उम्र के पुरुष और महिलाओं पर किया गया है।

दर्द सहने में माहिर हैं हम

पुरुष अपनी ऐसी बीमारी के बारे में भी ढिंढोरा पीटते हैं, जिन्हें महिलाएं बीमारी मानती ही नहीं हैं। एक नए अध्ययन के मुताबिक महिलाओं में दर्द सहने की क्षमता ज्यादा होती है। 2000 लोगों पर किए गए अध्ययन के मुताबिक वायरल इंफेक्शन आदि होने पर महिलाएं किसी को बताने की जगह चुपचाप परेशानी सहती हैं। वहीं, पुरुष अपनी छोटी-सी बीमारी होने पर भी उसे बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं। वहीं, शोध में शामिल 52 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि उनके पति ऐसी बीमारियों से भी परेशान हो जाते हैं, जिनसे पीडित होने पर हम उन्हें बताते भी नहीं।

खिलौनों को मुंह में डालना, गिरना, चोट लगना बिल्कुल छोटे बच्चों में एक आम सी बात है। बच्चे में हर चीज को जानने की बेहद उत्सुकता होती है और इसी जिज्ञासा को शांत करने के लिए वे हर वस्तु को छूना और मुंह में डालना चाहते हैं। बच्चे से जुड़ी छोटी-मोटी दुर्घटना की स्थिति में सबसे पहले क्या करें, बता रही हैं

कायम रहे खिलखिलाहट

बिजली का करंट

भले ही यह बात सुनने में अजीब लगे, लेकिन बिजली के प्लग प्वाइंट से लगने वाला करंट ज्यादातर निष्प्रभावी होता है। इस तरह के करंट लगने से हाथ या उंगली थोड़ी-बहुत जल सकती है, लेकिन कोई गंभीर प्रभाव नहीं होता। अतः ऐसी कोई घटना होने पर घबराएं नहीं, बच्चे को प्राथमिक चिकित्सा दें। यदि हाथ में जलन हो तो उसको ठंडे पानी में रखें। ध्यान रहे, जल्द आराम के लिए बर्फ का इस्तेमाल न करें, ऐसा करने से त्वचा पर जख्म बन सकता है। यदि छाले पड़ जाएं तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं। डॉक्टर घाव की सफाई करके फिर त्वचा पर एंटीबायोटिक लगाकर पट्टी बांध देगा, ताकि संक्रमण न फैल सके। यदि इस तरह की किसी घटना के बाद बच्चा इतना अधिक घबरा जाए कि प्रतिक्रिया देना कम कर दे तो बच्चे को डॉक्टरी निगरानी में रखना जरूरी है।

कट जाना

जब बच्चे खेलते हैं तो छोटी-मोटी दुर्घटना होना एक आम बात है। हाथ या पैर का कटना या कहीं चोट लग जाना बढ़ते बच्चे के खेल का एक हिस्सा होता है। ऐसे में जब भी कभी बच्चे का हाथ कट जाए तो सबसे पहले किसी भी कपड़े या रूई से कटी हुई जगह को 5 से 7 मिनट के अच्छे से दबा दें, जब तक खून बहना बंद न हो जाए। जब खून बहन रुक जाए तो उस जगह को पानी और साबुन से अच्छे से धो दें और उस पर एक बैंडेज लगा दें। यदि लगातार 10 मिनट तक दबा कर रखने के बावजूद खून बहना बंद न हो तो और यदि कट आधा इंच से ज्यादा हो तो तुरंत डाक्टर के पास जाएं, क्योंकि हो सकता है कि उसमें टांके लगाने की जरूरत हो।

नकसीर बहना

हमारे नाक के भीतर त्वचा की सतह के पास रक्त कोशिकाओं का घना जाल होता है। ऐसे में ठंडी व सूखी हवा चलने से या मौसम परिवर्तन होने पर बच्चे की नाक से खून बह सकता है। जब बच्चे डरे हुए होते हैं या रोते हैं तो स्वाभाविक रूप से उनका रक्तचाप काफी तेज हो जाता है, इसलिए नाक से ज्यादा खून बह सकता है। यदि ऐसा हो तो बच्चे को प्यार से अपने पास बिठाएं और उसके सिर को पीछे की ओर करके कुछ मिनट तक रखें। यदि फिर भी खून बहता रहे, तो तुरंत कान व नाक रोग विशेषज्ञ से परामर्श करें।

खिलौना निगलना

यदि किसी छोटे खिलौने को निगलने के बाद आपका बच्चा ठीक प्रकार से सांस नहीं ले पा रहा है तो इसका मतलब है कि वस्तु पेट या फेफड़ों में चली गई है। बच्चे को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं। इस स्थिति में एंडोस्कोपी के द्वारा वस्तु को निकालना बेहद जरूरी होता है।

एलर्जिक रिएक्शन

यदि आपके बच्चे को किसी चीज से एलर्जी हो तो बाल रोग विशेषज्ञ की सलाह से एंटीहिस्टेमिन (एलर्जी कम करने वाली दवा) हमेशा पास में रखें। यदि रिएक्शन में खुजली या नाक बहने लगे तो एंटीहिस्टेमिन से उपचार संभव है। लेकिन यदि बच्चे के होंठों पर सूजन आ जाए या सांस लेने में तकलीफ होने लगे तो इस तरह के संकेत का अर्थ है कि समस्या गंभीर हो सकती है अतः बच्चे को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं।

बाजू का उतर जाना

4 से 5 वर्ष की उम्र तक बच्चे की हड्डियों के जोड़ इतने ढीले होते हैं कि महज किसी वाहन से बचाने के लिए उन्हें थोड़ा जोर से खींचने पर उनकी बाजू की हड्डी जोड़ से निकल सकती है। ऐसे में बच्चों को दी जाने वाली दर्द निवारक दवा और बर्फ लगाने से बच्चे को आराम मिलता है। लेकिन डॉक्टर के पास जाना जरूरी है क्योंकि वह हड्डी को अपनी सही जगह पर ला सकते हैं।

नुकीली वस्तु से होने वाला घाव

यदि आपके बच्चे को किसी तीखी या नुकीली वस्तु से चोट आ जाए और घाव अधिक गहरा न हो, चोट सिर्फ त्वचा की सतह पर हो और कोई आंतरिक भाग प्रभावित न हुआ हो तो घबराएं नहीं। घाव को गुनगुने पानी से साफ करें और कोई एंटीबायोटिक दवा लगाकर पट्टी बांध दें। एहतियातन एक टिटनेस का इंजेक्शन लगवा दें। अगले दो-तीन दिन तक घाव को साफ करके पट्टी बदलती रहें और इन्फेक्शन न हो, इस बात का ध्यान रखें। यदि घाव के आसपास लाली आ जाए, सूजन या बच्चे को बुखार आ जाए तो डॉक्टर के पास जरूर जाएं।

खाना गले में फंस जाना

अक्सर बात करने के साथ-साथ खाना खाने से खाना गले में फंस जाता है। ऐसे में बच्चे को गोद में लिटाकर कंधों के बीच पीठ पर थपथपाएं। यदि बच्चे को सांस लेने में दिक्कत हो तो डॉक्टर के पास ले जाएं।

अमेरिकी मीडिया को उम्मीद- ट्रंप को फिर राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए दौड़ से हट जाएंगे बाइडन

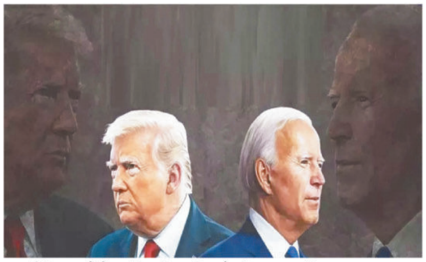

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले जो बाइडन और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच पहली प्रेसिडेंसियल डिबेट में बाइडन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अमेरिकी मीडिया का मानना है कि वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति को अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी को फिर राष्ट्रपति बनने से रोकने और अमेरिकी लोकतंत्र के भविष्य के लिए व्हाइट हाउस की दौड़ से हट जाना चाहिए।

दोबारा चुनाव न लड़ें बाइडनः न्यूयार्क टाइम्स

न्यूयार्क टाइम्स के संपादकीय बोर्ड ने शुक्रवार को कहा, राष्ट्रपति के तौर पर बाइडन का कार्यकाल सराहनीय रहा है। उनके नेतृत्व में राष्ट्र समृद्ध हुआ है। ट्रंप द्वारा दिए गए जख्म भरने लगे हैं, लेकिन बाइडन को अब घोषणा करनी चाहिए कि वह फिर से चुनाव नहीं लड़ेंगे। यह बताते हुए कि ट्रंप ने किस तरह बार-बार और बेशर्मी से झूठ बोला न्यूयार्क टाइम्स ने यह बताना नहीं भूला कि कैसे ट्रंप ने यह वादा करने से इन्कार कर दिया कि वे हार स्वीकार करेंगे। इसके बजाय उसी तरह की उकसाने वाली बयानबाजी की जिस कारण छह जनवरी, 2021 को अमेरिकी कैपिटल हिंसा हुई थी।

राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस भी हैं दौड़ में

कुछ डेमोक्रेट्स राष्ट्रपति पद के लिए जो बाइडन की जगह किसी मजबूत उम्मीदवार को उतारने पर विचार करने की संभावना जता रहे हैं। राष्ट्रपति पद के संभावित दावेदारों में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस सबसे आगे हैं। वह राष्ट्रपति की रनिंग मेट भी हैं। उन्हें उम्मीदवार उतारने में कोई खास दिक्कत भी नहीं आएगी।

हिलेरी क्लिंटन और ओबामा की पत्नी के नाम की भी चर्चा

देश की पहली अश्वेत उपराष्ट्रपति हैरिस ने ट्रंप के खिलाफ हमलों को तेज कर दिया है। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के अन्य दावेदारों में हिलेरी क्लिंटन और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा के नाम की भी चर्चा है। हिलेरी पूर्व में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार रह चुकीं हैं। राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के दावेदारों में कैलिफोर्निया गवर्नर गैविन न्यूसम, मिशिगन की गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर, इलिनोइस के गवर्नर जे.बी. प्रित्जकर, पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो, परिवहन मंत्री पीट बटिगिएग, न्यू जर्सी के सीनेटर कोरी बुकर और मिनेसोटा की डेमोक्रेट एमी क्लोबुचर, केंटकी के गवर्नर एंडी बेशर शामिल हैं।

देश की स्थिरता को जोखिम में न डाले डेमोक्रेटिक पार्टी

न्यूयार्क टाइम्स ने डेमोक्रेटिक पार्टी को सलाह दी, मतदाताओं को ट्रंप की कमियों और बाइडन की कमियों के बीच चयन करने के लिए मजबूर करके देश की स्थिरता और सुरक्षा को जोखिम में डालने का कोई कारण नहीं है। यह उम्मीद करना बहुत बड़ी बात है कि अमेरिकी बाइडन की उम्र और कमजोरी को अनदेखा कर देंगे या कम आंकेंगे, जिसे वे अपनी आंखों से देखते हैं। वाशिंगटन पोस्ट के संपादकीय में कहा गया है कि यह वर्तमान राष्ट्रपति (बाइडन) पर निर्भर करता है कि वह यह तय करें कि क्या उनका पुन राष्ट्रपति चुनाव लड़ना देशहित में है। वाल स्ट्रीट जर्नल ने कहा कि ट्रंप और बाइडन के बीच बहस अमेरिका के लिए दर्दनाक थी।

बाइडन को और बेहतर करना होगा

गुरुवार रात को डिबेट में राष्ट्रपति बाइडन के प्रदर्शन से स्पष्ट रूप से पता चला कि वह एक और कार्यकाल के लिए तैयार नहीं हैं। देश की भलाई के लिए डेमोक्रेट्स को इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा कि क्या उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बदलना चाहिए। यह पक्षपातपूर्ण विचार नहीं है, बल्कि देशभक्तिपूर्ण विचार है। लास एंजिल्स टाइम्स ने कहा, बाइडन को और बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए। राष्ट्र के लिए दांव बहुत ऊंचे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आत्मघाती हमलों से दहला नाइजीरिया, 18 की मौत और 42 घायल

ग्वोजा, एजेंसी। पूर्वोत्तर नाइजीरिया में हुए आत्मघाती हमलों में कम से कम 18 लोग मारे गए और 19 गंभीर रूप से घायल हुए। उत्तर कैरोलिना में एक महिला को उसकी आठ वर्षीय बेटी की कार के अंदर लावारिस हालत में मौत हो गई। बोको हराम के आतंकवादियों ने 2014 में ग्वोजा पर कब्जा कर लिया था, जब समूह ने उत्तरी बोर्नो के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था। 2015 में चाड की सेना की मदद से नाइजीरियाई सेना ने इस शहर पर पुनः कब्जा कर लिया था, लेकिन तब से समूह ने शहर के पास के पहाड़ों से हमले जारी रखे हैं। बता दें कि हिंसा के कारण नाइजीरिया के उत्तर पूर्व में 40,000 से अधिक लोग मारे गए हैं, लगभग 20 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। यह संघर्ष पड़ोसी देशों नाइजर, कैमरून और चाड तक फैल चुका है। इसके कारण ही उग्रवादियों से लड़ने के लिए एक क्षेत्रीय सैन्य संगठन का गठन किया गया है। ग्वोजा शहर में हुए तीन आत्मघाती विस्फोट हुए। पहला हमला एक में अपनी पीठ पर बच्चे को बांधे महिला ने किया। हमलावर महिला ने एक शादी समारोह में विस्फोटकों से विस्फोट किया। दूसरा हमला कैमरून के सीमावर्ती शहर में एक अस्पताल में हुआ। वहीं तीसरा हमला शादी में हुए हमले में मरे लोगों के अंतिम संस्कार के दौरान हुआ। बोर्नो राज्य आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के अनुसार हमलों में 18 लोगों की मौत हुई है, वही 42 लोग घायल हुए हैं। मृत लोगों में बच्चे, पुरुष, महिलाएं और गर्भवती महिलाएं भी थीं। वहीं 42 घायलों में 19 गंभीर रूप से घायल हैं, उन्हें मैदुगुरी ले जाया गया है, वहीं 23 अन्य को निकाले जाने का इंतजार है। ग्वोजा में सेना की सहायता करने वाले मिलिशिया के एक सदस्य ने बताया कि सुरक्षा चौकी पर हुए एक अन्य हमले में उसके दो साथी और एक सैनिक मारे गए।

बेटी की मौत के आरोप में मां गिरफ्तार

कैरोलिना, एजेंसी। उत्तर कैरोलिना में एक महिला को उसकी आठ वर्षीय बेटी की कार के अंदर लावारिस हालत में मौत हो गई। इसके बाद महिला को जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाने, हत्या और बाल उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 36 वर्षीय महिला एशली स्टालिंग्स 26 जून को गर्म मौसम के कारण अपनी बेटी को कार में छोड़कर अपने कार्यालय चली गई। उनका कहना है कि उसने कार का एसी चालू छोड़ा था, लेकिन उसे लगा कि उसकी बेटी ने कार बंद कर दी होगी क्योंकि उसे ठंड लग रही थी। उनके कहा कि वह मैसेज में अपनी बेटी से बात कर रही थी। आखिरी मैसेज के लगभग डेढ़ घंटे बाद जब वह कार में पहुंची तो उसने देखा कि उसकी बेटी कार की पीछे की सीट पर बेहोशी की हालत में थी। वह सांस ले रही थी, लेकिन उसके मुंह से झाग निकल रहा था। उसे अस्पताल ले जाया गया, वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि हाइपरथर्मिया के कारण लड़की के मस्तिष्क में हर्निया हो गया था। वहीं लड़की की मां ने स्वीकार किया कि वह जानती थी कि बाहर का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस था। उसे बेटी को कार में नहीं छोड़ना चाहिए था।

नशे की हालत में चालक ने नेल सैलून में घुसा दी कार, अमेरिकी पुलिसकर्मी समेत चार की मौके पर ही मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। मौत कब कहां कैसे आ जाए पता ही नहीं चलता। एक न्यूयॉर्क की पुलिसकर्मी जो कि एक शादी की पार्टी के लिए सैलून में नाखून बनवा रही थी। उस सैलून में एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे पुलिसकर्मी समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आईलैंड में स्थित एक नेल सैलून में एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। 64 वर्षीय श्वाली 2020 चेली ट्रैवर्स चला रहा था, तभी अचानक उसकी कार नेल सैलून के स्टोरफ्रंट से टकरा गई। टकराव से सैलून का पूरा कांच टूट गया और छत भी गिर गई। इस घटना के दौरान नेल सैलून में न्यूयॉर्क सिटी पुलिस विभाग की एक अधिकारी 30 वर्षीय एमिलिया रेनहैक भी समेत कई लोग मौजूद थे। पुलिसकर्मी समेत 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस का कहना है कार चालक नशे की हालत में था। कार चालक को हिरासत में ले लिया गया है, उस पर नशे में गाड़ी चलाने का आरोप लगाया गया है।

फ्रांस में संसदीय चुनाव के लिए मतदान जारी, मैक्रों के हाथ से फिसल सकती सत्ता

पेरिस एजेंसी। फ्रांस में संसदीय चुनाव के पहले दौर के लिए रविवार को मतदान जारी है और यह अनुमान जताया जा रहा है कि नाजी युग के बाद, सत्ता की बागडोर पहली बार राष्ट्रवादी एवं धुर-दक्षिणपंथी ताकतों के हाथों में जा सकती है। दो चरणों में हो रहे संसदीय चुनाव सात जुलाई को संपन्न होंगे। चुनाव परिणाम से यूरोपीय वित्तीय बाजारों, यूक्रेन के लिए पश्चिमी देशों के समर्थन और वैश्विक सैन्य बल एवं परमाणु शस्त्रागार के प्रबंधन के फ्रांस के तौर-तरीके पर काफी प्रभाव पड़ने की संभावना है।

कई फ्रांसीसी मतदाता महंगाई और आर्थिक चिंताओं से परेशान हैं और वे राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व से भी निराश हैं। मरीन ले पेन की आव्रजन विरोधी 'नेशनल रैली पार्टी ने इस असंतोष को चुनाव में भुनाया है और उसे विशेष रूप से 'टिकटॉक जैसे ऑनलाइन मंचों के जरिए हवा दी है। चुनाव-पूर्व सभी जनमत सर्वेक्षणों में 'नेशनल रैली की जीत का अनुमान जताया गया है। नया वामपंथी गठबंधन 'न्यू पॉपुलर फ्रंट भी व्यापार समर्थक मैक्रों और उनके मध्यमार्गी गठबंधन 'टुगेदर फॉर द रिपब्लिक के लिए चुनौती पेश कर रहा है।

फ्रांस में संसदीय चुनाव के लिए रविवार सुबह आठ बजे मतदान शुरू हुआ और चुनाव परिणाम के शुरुआती रुझान रात आठ बजे आने की उम्मीद है। इस साल जून की शुरुआत में यूरोपीय संसद के चुनाव में 'नेशनल रैली से मिली करारी शिकस्त के बाद मैक्रों ने फ्रांस में मध्यावधि चुनाव की घोषणा की थी। 'नेशनल रैली का नस्लवाद और यहूदी-विरोधी भावना से पुराना संबंध है और यह फ्रांस के मुस्लिम समुदाय की विरोधी मानी जाती है। चुनाव परिणाम संबंधी पूर्वानुमान के अनुसार, संसदीय चुनाव में 'नेशनल रैली की जीत की संभावना है।

ऋषि सुनक व कीर स्टर्मर के बीच होगा कड़ा मुकाबला

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन में आम चुनाव के चलते राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और विपक्षी लेबर पार्टी के नेता कीर स्टर्मर के बीच कड़ा मुकाबला है। यहां 4 जुलाई को आम चुनाव होने है। जहां प्रधान मंत्री ऋषि सुनक अपनी कंजर्वेटिव पार्टी को सत्ता में बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

वहीं कीर स्टार्मर को आगामी आम चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश मिलने का अनुमान है। ऐसे में ये देखना बहुत दिलचस्प होगा कि सत्ता किसके हाथ में जाती है। विभिन्न सर्वेक्षणों के मुताबिक, 14 साल से ब्रिटेन की सत्ता पर काबिज कंजर्वेटिव पार्टी में अगर कोई बहुत बड़ा उलटफेर नहीं हुआ तो, इस बार इसकी विदाई लगभग तय है।

सर्वे एजेंसी YouGov के अनुमान के मुताबिक लेबर पार्टी आगामी चुनाव में 422 से 456 सीटें जीत सकती हैं। वहीं बताया जा रहा है कंजर्वेटिव पार्टी मात्र 72-140 सीटों पर ही सिमट कर रह सकती है। ये पार्टी की मौजूदा संख्या की तुलना में बड़ी गिरावट मानी जा रही है। बता दें कि ऋषि सुनक की संभावना इस बार कम लग रही है, दरअसल ब्रिटेन के सट्टा बाजार में कीर स्टर्मर के ब्रिटेन का अगला प्रधानमंत्री बनने पर बड़ा सट्टा लग रहा है।

इप्सोस सर्वे की अगर बात करें तो, कंजर्वेटिव पार्टी को 115 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं दूसरी तरफ लेबर पार्टी को ब्रिटेन के आम चुनाव में 453 सीटें मिल सकती हैं। ऐसे में ये सर्वे भी लेबर पार्टी की जीत की तरफ इशारा कर रहा है। साथ ही सर्वे के मुताबिक, ग्रीन और रिफॉर्म यूके पार्टी को 3-3, लिबरल डेमोक्रेट पार्टी को 38 सीटें, स्कॉटिश नेशनल पार्टी को 15 और सीटें मिलने का अनुमान है।

ब्रिटिश नीतियों पर जनता का रुख

वहीं ब्रिटिश नीतियों की अगर बात करें तो इनमें जो नीतियां ब्रिटिश जनता से जुड़ी हैं उनमें लेबर और कंजरवेटिव दोनों की ओर से राष्ट्रीय बीमा, वैट या आयकर में बढ़ोतरी न करने की प्रतिज्ञा शामिल है। पेंशन पर कंजर्वेटिव ट्रिपल लॉक को भी मजबूत समर्थन मिला है, जिसमें 73त्न उत्तरदाताओं ने इसका समर्थन किया है। निजी स्कूलों पर वैट लागू करने और ऊर्जा संबंधित लेबर की योजनाओं को भी लोगों का 61त्न और 74त्न समर्थन मिला है।

इमरान खान की पार्टी के चुनाव चिन्ह का मामला फिर पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

पीटीआई ने फैसले को चुनौती देने के लिए दायर की पुनर्विचार याचिका

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि वह आम चुनावों के लिए पार्टी को उसका बल्ला चिन्ह देने से इनकार करने के फैसले को चुनौती देने वाली अपनी समीक्षा याचिका को तय करे।

पीटीआई ने सुप्रीम कोर्ट में दिए आवेदन में कहा कि आरक्षित सीटों के मामले में समीक्षाधीन फैसले के दायरे पर पहले से ही पूर्ण पीठ के समक्ष बहस चल रही है, जबकि आरक्षित सीटों के मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के सभी न्यायाधीशों द्वारा की जा रही है।

पीटीआई ने चुनाव आयोग पर लगाया आरोपः पाकिस्तान के अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, सवाल यह है कि क्या पीटीआई से बल्ला चिन्ह छीनने के परिणामस्वरूप उन्हें आरक्षित सीटें आवंटित नहीं की गई या फिर पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की गलत व्याख्या की।

पीटीआई ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि आरक्षित सीटों और उनके हक का मुद्दा तब तक अनसुलझा रहेगा जब तक कि इसे आरक्षित सीटों के मामले के साथ बड़ी पीठ द्वारा नहीं सुना जाता है और साथ ही जल्द सुनवाई का अनुरोध भी किया अन्यथा याचिकाकर्ता को अपूरणीय क्षति और चोट होगी।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पीटीआई की दलील है कि आवेदन में मौलिक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए हैं, जिसके लिए एक बड़ी पीठ द्वारा सुनवाई की आवश्यकता है, जिसे स्वीकार कर लिया गया और आवेदनों की समीक्षा पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा की गई।

पीटीआई ने समीक्षा याचिका में क्या कहा

आवेदन के माध्यम से पार्टी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 13 जनवरी के फैसले के क्रियान्वयन से पीटीआई और आम जनता को बहुत नुकसान हो रहा है, जो आम चुनावों में अपनी पसंद की पार्टी को चुनने से वंचित हो गए हैं। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, उक्त फैसले के कारण पीटीआई सदस्य एक समान चुनाव चिह्न के तहत चुनाव नहीं लड़ पा रहे हैं, जिसमें अदालत ने ईसीपी के 22 दिसंबर, 2023 के आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें पार्टी को उसके चुनाव चिह्न से वंचित किया गया था। रविवार को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अतहर मिनल्लाह ने पाकिस्तान के चुनाव आयोग से सुप्रीम कोर्ट को यह संतुष्ट करने को कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ को वैध तरीके से चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखा गया है, जिससे आरक्षित सीटों पर उसका दावा खत्म हो गया है।

कनाडा की एयरलाईन वेस्टजेट ने अचानक 407 उड़ानें कर दीं रद्द, 49000 यात्री हुए प्रभावित

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा की दूसरी सबसे बड़ी विमानन कंपनी 'वेस्टजेट ने अचानक 407 उड़ानें रद्द कर दीं, जिससे 49,000 यात्री प्रभावित हुए। 'एयरक्राफ्ट मैकेनिक्स फ्रेटरनल एसोसिएशन ने कहा कि कर्मचारी संघ की हड़ताल की घोषणा के बाद उसके सदस्यों ने विमानन कंपनी की संघ के साथ बातचीत करने की अनिच्छा के कारण शुक्रवार शाम को हड़ताल शुरू कर दी गई। इस हड़ताल के कारण अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानें प्रभावित हुईं।

वेस्टजेट ने 407 उड़ानें रद्द करने की घोषणा की। विमानन कंपनी 'वेस्टजेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलेक्सिस वॉन होन्सब्रोच ने इस स्थिति के लिए ''कनाडा में पैठ बनाने की कोशिश कर रहे अमेरिका के एक संघ को दोषी ठहराया। टोरंटो पीयरसन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल तीन पर शनिवार को धरना दे रहे वेस्टजेट विमान के रखरखाव इंजीनियर सीन मैकवे ने कहा कि हड़ताल विमानन कंपनी को सम्मानजनक तरीके से बातचीत के लिए मजबूर करने का एक प्रयास है। मैकवे ने कहा कि संघ को यात्रियों को हुई किसी भी असुविधा के लिए खेद है।

गाजा में इजरायल की ताबड़तोड़ बमबारी, नरसंहार के बाद ईरान को भी दी चेतावनी

यरूशलेम, एजेंसी। इजरायल लगातार हमास पर अपने हमले जारी रख रहा है। पिछले 24 घंटों में गाजा पट्टी में हुए इजरायली हमलों में 40 फलस्तीनी मारे गए और 224 अन्य घायल हो गए। इजरायल लगातार हमास के आतंकियों का नरसंहार कर रहा है और गाजा पट्टी में बमबारी कर रहा है। इस बीच अब उसने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के खात्मे की भी बात कही है। इजरायल के विदेश मंत्री इजरायल कैट्ज ने कहा कि ईरान विनाशकारी युद्ध की बात कर रहा है, लेकिन ये संदेश उसे विनाश की ओर ले जाएगा। कैट्ज ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विनाश की धमकी देने वाली सरकार को नष्ट कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान समर्थित हिजबुल्लाह लेबनान से इजरायल पर गोलीबारी बंद नहीं करता और सीमा से दूर नहीं जाता तो इजरायल उसके खिलाफ पूरी ताकत से कार्रवाई करेगा। ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने शुक्रवार को कहा कि अगर इजरायल लेबनान में सैन्य आक्रमण करता है, तो विनाशकारी युद्ध शुरू हो जाएगा। ईरान ने कहा कि अगर स्थिति बिगड़ी तो हम भी अपने सभी विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे।

हिजबुल्लाह लगातार इजरायल पर कर रहा हमलेः बता दें कि इजरायल और हमास युद्ध के समानांतर हिजबुल्लाह भी इजरायल पर लगातार हमले कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने इस सप्ताह कहा कि वे स्थिति को हल करने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाना पसंद करते हैं।

बता दें कि हमास के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायल के साथ युद्ध में मरने वाले फलस्तीनी लोगों की संख्या 37 हजार 834 हो गई है और अक्टूबर 2023 में शुरू हुए इस संघर्ष के बाद से 86,858 लोग घायल हुए हैं।

अमेरिका में 13 साल के बच्चे ने पुलिस के सामने तानी नकली बंदूक

अधिकारी ने असली समझ मार दी गोली

न्यूयॉर्क। अमेरिका में गोलीबारी थमने का नाम नहीं ले रही है। अब अमेरिका के न्यूयॉर्क से पुलिस अधिकारी के एक 13 साल के बच्चे पर गोली चलाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है पुलिस से बचने के लिए बच्चे ने उन्हें एक हैंडगन जैसी चीज दिखाई। पुलिस ने बताया कि मैनहट्टन से लगभग 240 मील (400 किलोमीटर) दूर यूटिका पुलिस के अधिकारी ने डकैती की जांच के दौरान रात 10 बजे दो युवकों को रोका। पुलिस ने कहा कि 13 साल के दोनों युवकों का हुलिया डकैती के संदिग्धों से मेल खाता था। एक व्यक्ति उनमें से सड़क पर चल रहा था और दूसरा भाग गया और पहले ने पुलिस के ऊपर ही हैंडगन तान दी थी। इसके बाद पुलिस ने उस हैंडगन को असली समझ बच्चे के सीने में गोली चला दी।

बच्चे के पास मिली हैंडगन

पुलिस ने कहा कि अधिकारियों का मानना था कि यह एक हैंडगन थी, लेकिन बाद में पता चला कि यह एक योग्य मैगजीन के साथ ग्लॉक 17 जनरल 5 हैंडगन की प्रतिकृति थी।

पुलिस और बच्चे के बीच की आपसी झड़प के दौरान एक अधिकारी ने गोली चलाई जो लड़के के सीने में लगी। मालूम हो कि बच्चे को इसके अधिकारियों की तरफ से तुरंत इलाज के लिए व्यान अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

वीडियो में रिकॉर्ड हुआ मामला

बता दें कि बच्चे के हाथ में जो बंदूक थी वो रियल बंदूक के फीचर्स से बखूबी मेल खा रही थी। ये तस्ल्ष्ट्य चिह्नों, हस्ताक्षरों, अलग करने योग्य पत्रिका और सीरियल नंबरों के साथ एक यथार्थवादी दिखने वाली बन्दूक थी। वहीं दूसरे बच्चे को बाद में पुलिस गाड़ी के पीछे से हिरासत में लिया गया था और वह गोलीबारी में शामिल नहीं था। इस घटना की सारी वारदात वीडियो में रिकॉर्ड की गई है।

जिस अधिकारी ने गोली चलाई उसकी पहचान एजेंसी के छह साल के अनुभवी पैट्रिक हुस्रे के रूप में हुई। बता दें कि पुलिस विभाग इस मामले की आगे जांच कर रहा है। जानकारी के लिए बता दें कि साथ ही पुलिस ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अधिकारियों ने नीतियों और ट्रेनिंग का पालन किया या नहीं। वहीं राज्य अटॉर्नी जनरल भी इस मामले में सही तथ्यों की जांज करेंगे और पता लगाएंगे कि क्या पुलिस की तरफ से ये गोलीबारी की घटना सही थी।

फिलीपींस में पटाखा गोदाम में विस्फोट, पांच की मौत, 20 घायल

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस के जाम्बोआंगा शहर में शनिवार को एक पटाखा गोदाम में हुए शक्तिशाली विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि विस्फोट में गोदाम के पास के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचा है। विस्फोट स्थल पर पहुंचे जाम्बोआंगा के मेयर जॉन डेलिप ने संवाददाताओं को बताया कि घटना में पांच लोगों की मौत हो गई, और 20 लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में से आठ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बारबाडोस में रोहित ने जीत का झंडा गाड़ा

पिच की मिट्टी चखी, विराट के गले लगकर रोए; हार्दिक को जादू की झप्पी दी

वेस्टइंडीज से भारत तक का जश्न ही जश्न

बारबाडोस/नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के टी-20 वर्ल्ड कप जीतने का जश्न बारबाडोस से भारत तक मनाया जा रहा है। मैच जीतने के बाद कप्तान रोहित अपनी भावनाओं को रोक नहीं पाए। जमीन पर हाथ पटकने लगे। विराट के गले लगकर रोए। हार्दिक पंड्या का गाल चूमा और गले लगा लिया।

रोहित ने झंडा गाड़ा

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत से पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि टी-20 वर्ल्ड कप में हम रोहित की कप्तानी में बारबडोस में भारत का झंडा गाड़ेंगे। भारतीय कप्तान ने मैच जीतने के बाद ऐसा ही किया और जय शाह की बात को सच साबित कर दिया। इस मोमेंट पर जय शाह भी मौजूद थे।

हार्दिक को रोहित ने दी जादू की झप्पी

अहम मौके पर 3 विकेट लेकर मैच इंडिया के पाले में करने वाले हार्दिक पंड्या भी कप्तान रोहित से गले मिले। रोहित ने उन्हें सीने से लगा लिया और किस भी किया। हार्दिक की आंखों में आंसू आ गए।

अर्शदीप और विराट कोहली का भांगड़ा

मैच के बाद पूरी टीम जमकर नाची। सेंटर ऑफ अट्रैक्शन रहा विराट कोहली और अर्शदीप का भांगड़ा।

रोहित-विराट गले मिलकर रोए

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद विराट और रोहित ने इस फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। फाइनल जीतने के बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा 1 मिनट तक गले मिले। दोनों की आंखों में आंसू थे। टी-20 इंटरनेशनल में लंबे समय तक खेलने के बाद दोनों ने इसे अलविदा कह दिया है।

रोहित शर्मा के हैप्पी स्टेप्स

वर्ल्ड कप ट्रॉफी के दौरान जय शाह भी मौजूद थे। मंच पर टीम इंडिया खुश थी और कैप्टन रोहित शर्मा का इंतजार कर रही थी। रोहित छोटे-छोटे कदम बढ़ाते हुए खुशी से भरे हुए मंच पर आए और ट्रॉफी लेकर जश्न मनाया।

रोहित शर्मा ने पिच की मिट्टी चखी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मैच जीतने के बाद पिच पर गए और वर्ल्ड कप जीत को यादगार बनाने के लिए बारबाडोस के पिच की मिट्टी चखी। रोहित शर्मा का टी-20 इंटरनेशनल में यह आखिरी मैच था।

विराट ने अनुष्का को वीडियो कॉल किया

मैच जीतने के बाद विराट कोहली ने टी-20 से संन्यास ले लिया। इसके बाद विराट कोहली ने अनुष्का शर्मा को वीडियो कॉल की और काफी देर तक बातचीत करते रहे।

कोच राहुल द्रविड़ को कंधे पर उठा लिया

भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ 19वें ओवर में काफी एक्साइटेड दिखाई दिए। अपने शांत स्वभाव के लिए मशहूर द्रविड़ ने जमकर सेलीब्रेशन किया। टीम इंडिया के प्लेयर्स ने राहुल द्रविड़ को कंधे पर उठा लिया। जैसे ही 20वां ओवर खत्म हुआ, टीम इंडिया जश्न मनाने लगी। चंद पलों में कोच, टीम का स्टाफ मैदान में चले आए। हर किसी ने एक-दूसरे को बधाई दी।

रो पड़े मो. सिराज

मो. सिराज फाइनल मैच नहीं खेले। उन्होंने सिर्फ अमेरिका में हुए मैचों में परफॉर्म किया। जीत के बाद उन्हें इंटरव्यू के लिए बुलाया गया। इस दौरान सिराज रो पड़े।

टी20 विश्व कप जीत के साथ द्रविड़ का कार्यकाल खत्म, कहा- इस प्लेयर को मिस करूंगा

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) (एजेंसी)। भारत के दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर दूसरी बार प्रतिष्ठित टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीतने के बाद राहुल द्रविड़ ने मेन इन ब्लू के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका के बारे में खुलकर बात की और कहा कि यह एक शानदार यात्रा थी। भारत ने बारबाडोस में टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल मैच में दक्षिण

अफ्रीका को सात रनों से हराया। इस शानदार इवेंट का फाइनल मैच द्रविड़ का मेन इन ब्लू के लिए मुख्य कोच के रूप में आखिरी मैच था।

मैच खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए द्रविड़ ने टी20 विश्व कप 2024 जीतने के लिए मेन इन ब्लू को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतना एक अच्छा एहसास है। द्रविड़ ने कहा, %एक खिलाड़ी के तौर पर मैं ट्रॉफी जीतने के लिए भाग्यशाली नहीं था, लेकिन जब भी मैंने खेला, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। मैं भाग्यशाली था कि मुझे टीम का कोच बनने का मौका मिला, मैं भाग्यशाली था कि लड़कों के इस समूह ने मुझे यह ट्रॉफी जीतने में सक्षम बनाया। यह एक शानदार अहसास है, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि मैंने कुछ सुधार किया है, यह सिर्फ वह काम था जो मैं कर रहा था। मुझे रोहित और उनकी टीम के साथ काम करना पसंद है, यह एक शानदार यात्रा थी और मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया।

टी20 विश्वकप जीतकर मालामाल हुई टीम इंडिया, इनाम में मिली 20 करोड़ से ज्यादा की राशि

दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी-20 विश्वकप चैंपियन बनी भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को पुरस्कार स्वरूप 20.36 करोड़ रुपए मिले। इस बार टूर्नामेंट शुरु होने से पहले अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रिकार्ड पुरस्कार राशि का बजट 93.51 करोड़ रुपए रखा था। उसी के अनुसार फाइनल में जीतने वाली भारतीय टीम को 20.36 करोड़ रुपए की राशि दी गई है। वहीं फाइनल में हारने वाली टीम दक्षिण अफ्रीका को 10.64 करोड़ रुपए से संतोष करना पड़ा।

बुमराह तो ठीक, पर अर्शदीप को न भूलें...

गौतम गंभीर की तरह अनसंग हीरो

हर मुश्किल में संकटमोचन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब भी 2011 के वनडे वर्ल्ड कप की बात होती है। तो हम सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह, जहीर खान के बारे में बात करते हैं। हालांकि भारत को वर्ल्ड कप जिताने में गौतम गंभीर का भी बहुत हड़ा हाथ रहा था। लेकिन वह इतनी सुर्खिया नहीं बटोर पाए थे। गंभीर ने 9 मैचों में 393 रन बनाए थे। वह वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले छठे बल्लेबाज थे। ठीक कुछ इसी तरह से अर्शदीप सिंह का भी रोल भारत के टी20 वर्ल्ड कप 2024 में रहा है। उन्होंने टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जिताने में अहम रोल निभाया है। लेकिन उन्हें इतनी लाइमलाइट नहीं मिली।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले 10 गेंदबाज

गेंदबाज	विकेट
फजलहक फारूकी	17 विकेट
अर्शदीप सिंह	17 विकेट
जसप्रीत बुमराह	15 विकेट
एनरिक नॉर्खिया	15 विकेट
राशिद खान1	4 विकेट
रिशाद हुसैन	14 विकेट
नवीन उल हक	13 विकेट
कगिसो रबाडा	13 विकेट
एडम जाम्पा1	3 विकेट
अल्जारी जोसेफ	13 विकेट

फाइनल में साउथ अफ्रीका का निकाला तेल

अर्शदीप सिंह ने अपने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 5 की इकॉनमी से गेंदबाजी करते हुए 20 रन देकर 2 विकेट लिए थे। उन्होंने क्विंटन डि कॉर्क और एडन मार्करम जैसे सूरमा बल्लेबाजों का शिकार किया था। इसके अलावा सिंह ने इस पूरे टूर्नामेंट में 17 विकेट लिए हैं। वह फजलहक फारूकी के साथ इस टूर्नामेंट में जॉइंट हाइएस्ट विकेट टेकर हैं। सिंह ने इस टूर्नामेंट में अपनी गेंदबाजी से सबका दिल जीत लिया।

अर्शदीप सिंह का इंटरनेशनल करियर

25 साल के तेज तर्रार गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने भारत के लिए अब तक 52 टी20 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 8.39 की इकॉनमी से 79 विकेट लिए हैं। वहीं 6 वनडे मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने भारत के लिए 10 विकेट झटके हैं। सिंह को आईपीएल का भी अच्छा अनुभव है। उन्होंने 65 आईपीएल मैचों में 76 विकेट लिए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान मारक्रम बोले

यह दिल को झकझोरने वाली हार है

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत के खिलाफ निराशाजनक हार को दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम ने चुभने वाला करार देते हुए उम्मीद जतायी कि यह प्रदर्शन अगली बार टीम को बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा। जीत के लिए 176 रन का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम हेनरिच क्लासेन की 27 गेंद में 52 रन की पारी के दम पर 15वें ओवर के बाद बेहद मजबूत स्थिति में थी। टीम को आखिरी 30 गेंद में 30 रन की जरूरत थी लेकिन भारत ने शानदार वापसी करते हुए सात रन की रोमांचक जीत दर्ज की।

आखिरी ओवरों में जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने कमाल की गेंदबाजी की जबकि सूर्यकुमार यादव ने दबाव की परिस्थिति में कमाल का कैच लपका। इससे पहले विराट कोहली ने 76 रन की पारी खेल भारत को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। मारक्रम ने मैच के बाद कहा, 'यह क्रिकेट का पहला मैच नहीं है जिसमें 30 गेंदों में से 30 की जरूरत वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अच्छी गेंदबाजी और कमाल के क्षेत्ररक्षण से शानदार वापसी की।

इस 29 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'अभी किसी एक चीज को हार का कारण बताना मुश्किल है। हम अगले कुछ दिनों में, अगले कुछ हफ्तों में इस बारे में विचार करेंगे, उन क्षेत्रों को ढूंढने का प्रयास करेंगे जिसमें हम आज के मैच के दौरान सुधार कर सकते थे। हम इसके साथ ही उन चीजों के बारे में भी सोचेंगे जो हमारे लिए वास्तव में अच्छा रहा है।

हार के गम के बावजूद मारक्रम को विश्व कप फाइनल में पहुंचने पर टीम के साथी खिलाड़ियों पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'मैं यह बात कहना चाहूंगा कि मुझे अपनी टीम के खिलाड़ियों पर काफी गर्व है। हम सिर्फ आज के प्रदर्शन से नहीं बल्कि टीम ने इस पूरे टूर्नामेंट और उससे पहले तैयारियों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है।% मारक्रम ने कहा, 'यह हार चुभने वाली है लेकिन इससे आने वाले टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम की भूख बढ़ेगी।

मारक्रम ने स्वीकार किया कि क्लासेन के लिए इस तरह के 'विशेष प्रयास के बाद इस परिणाम को पचा पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, 'हमने उसे दुनिया भर में कई बार ऐसा करते देखा है। इस तरह के मंच पर ऐसी पारी खेलना वास्तव में एक विशेष प्रयास है। उसके लिए इस हार को पचा पाना मुश्किल होगा।% भारतीय खिलाड़ियों की आंखों में जहां खुशी के आंसू थे, वहीं प्रोटियाज इससे टूट गए कि एक और बड़ा खिताब उनके हाथ से फिसल गया है। टीम पहली बार विश्व कप के फाइनल में पहुंची लेकिन आखिरी बाधा को पार नहीं कर सकी। उन्होंने कहा, 'यह हार लंबे समय तक चुभेगी। हर खिलाड़ी ने टीम को पहली बार फाइनल में पहुंचाने में अपना योगदान दिया। आप जानते है कि आप एक टीम हैं और इस समूह के साथ आप अच्छी चीजें चाहते हैं क्योंकि सभी शानदार खिलाड़ी हैं।% हार की निराशा और दिल टूटने के बावजूद मारक्रम फाइनल में भारत की प्रतिभा और धैर्य की सराहना करना नहीं भूले।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने कहा, 'यह क्रिकेट टूर्नामेंट है, यह कठिन क्रिकेट है, ट्रॉफियां जीतना आसान नहीं है और आपको ट्रॉफी जीतने के लिए भारत जैसी टीम को सलाम करना होगा। इसमें बहुत मेहनत लगती है।% उन्होंने कहा, 'हां, हम यह सोचना चाहेंगे कि हम एक कदम करीब हैं और उम्मीद है कि आगे बढ़ते हुए हम पहली जीत हासिल कर सकते हैं और यह आने वाले कुछ वर्षों में इसका सकारात्मक प्रभाव दिख सकता है।

सूर्यकुमार को जय शाह से मिला 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार'

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने सूर्यकुमार यादव को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार प्रदान किया जिन्होंने खतरनाक डेविड मिलर का शानदार कैच लपका जो भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ। भारतीय क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक' चुनने की प्रथा शुरू की थी। उन्होंने भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण की प्रशंसा 'भेड़ियों के झुंड' से की जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिलीप ने कहा, 'हम बड़े मुकाबलों में मौके के अनुसार प्रदर्शन करने की बात करते हैं लेकिन आज हमने सिर्फ प्रदर्शन नहीं किया बल्कि जीत हासिल की। उन्होंने कहा, 'हमने पूरे टूर्नामेंट में और आज जो जज्बा, जो एकजुटता और जो लचीलापन दिखाया, वह असाधारण से कम नहीं है। दिलीप ने कहा, 'हमने 'भेड़ियों के झुंड' की तरह क्षेत्ररक्षण किया। जैसा कि राहुल भाई और रोहित कहते रहते हैं। हर कोई अपनी भूमिका जानता था लेकिन हमने साथ मिलकर हर मौके का फायदा उठाया और कोई कसर नहीं छोड़ी।

भारत ने शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को पहला विश्व कप खिताब जीतने से महरूम कर दिया जिसमें अंतिम ओवर में सूर्यकुमार यादव का कैच निर्णायक रहा। सूर्यकुमार ने जिस संयम और सही समय पर लिये कैच से बेहतरीन मिसाल पेश की। जब उन्होंने डेविड मिलर का कैच लपका तब दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में महज 16 रन की दरकार थी। सूर्यकुमार ने यह पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, 'दिलीप सर, मुझे यह मौका देने और जय (शाह) सर से यह पदक लेने के लिए आपका धन्यवाद।

मन की बात में पीएम मोदी ने की सूर्य कुमार यादव के कैच की तारीफ

विराट कोहली-राहुल द्रविड़ का किया आभार

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' - मासिक रेडियो प्रसारण - रविवार, 30 जून को फिर से शुरू हुई। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा, आज, आखिरकार वह दिन आ गया है जिसका हम सभी इंतजार कर रहे थे फरवरी से मैं 'मन की बात' के माध्यम से एक बार फिर आपके बीच में हूं, अपने परिवार के सदस्यों के बीच में हूं, मैंने फरवरी में कहा था कि चुनाव नतीजों के बाद मैं फिर आपसे मिलूंगा और आज फिर मन की बात के साथ आपके बीच उपस्थित हूं। मानसून के आगमन ने आपका भी दिल खुश कर दिया है...।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम को टी 20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी है और कहा कि क्रिकेटरों ने विश्व कप के साथ-साथ करोड़ों लोगों का दिल भी जीत लिया है। इस जीत के बाद प्रधानमंत्री ने रविवार को कॉल कर टीम इंडिया के खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से बात की और उन्हें बधाई दी।

भारत के जीतते ही पाक में शैम्पेन व डांस के साथ मना जश्न, पाकिस्तानी बोले-'आई लव यू इंडिया'

इस्लमाबाद (एजेंसी)। टी-0 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल में टीम इंडिया के जीतने पर पाकिस्तान में भी जश्न का माहौल है। पाकिस्तान के कुछ लोग जहां भारत के नाम से चिढ़ते हैं, वहीं कुछ पाकिस्तानियों ने 'आई लव यू इंडिया' का नारा लगाया है। पाकिस्तान के युवाओं ने कहा कि भारत ने जहा सेमीफाइनल में गोरों को नानी याद दिला दी और 2014 व 2022 का बदला ले लिया वहीं फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर इतिहास रच दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह वीडियो आते ही वायरल हो गया है, भारत के लोग भी इस वीडियो की जमकर तारीफ कर रहे हैं। दरअसल, भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंग्लैड को हराकर फाइनल में पहुंचा। इस जीत के बाद पाकिस्तान से जश्न मनाने का वीडियो सामने आया जिसमें पाकिस्तान की प्रसिद्ध यूट्यूबर शैला खान भी नजर आ रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि शैम्पेन बोतलों के साथ पाकिस्तानी जश्न मना रहे हैं। पाकिस्तान के युवाओं ने वीडियो में नारा लगाते सुनाई दे रहे हैं कि %हमारा कप्तान कैसा हो रोहित शर्मा जैसा हो।

भारत की जीत पर झूम उठी दुनिया, इजरायल-यूएस ने दी बधाई, आनंद महिंद्रा व गूगल सीईओ बोले...

भारत की टी-20 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर जीत पर पूरी दुनिया झूम रही है। भारत ने दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। भारतीय टीम ने डेथ ओवर में साउथ अफ्रीका के मुंह से जीत छीन कर अपनी मेहनत और काबलियत को साबित कर दिया है। इस जीत के बाद देश दुनिया से भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई दी जा रही है। इजरायल से लेकर अमेरिका तक ने भारत को जीत की बधाई दी है।भारत में इजरायल के वर्तमान राजदूत ने भी इंडियन क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए ङ्ग पर लिखा ' चक दे ?इंडिया सटी20वर्ल्डकप2024 में शानदार जीत के लिए सटीमइंडिया को बधाई! वाकई एक ऐतिहासिक उपलब्धि!' बता दें कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारती टीम को बधाई दी है। इसके अलावा श्रीलंका के विदेश मंत्री ने भारत को बधाई देते हुए लिखा- दबाव में शानदार प्रदर्शन। अमेरिका की ओर से भी जीत की बधाई आई है। भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने भी भारतीय टीम को बधाई दी है। उन्होंने ङ्ग पर अपने पोस्ट में लिखा 'वाह, शानदार जीत! बधाई आनंद महिंद्रा बोले ...

वहीं देश के जानेमाने बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने भी भारतीय टीम को बधाई दी है। उन्होंने ङ्ग पर पोस्ट करते हुए लिखा 'नमस्ते चैट'कृपया मुझे भारतीय क्रिकेट टीम को सुपरहीरो के रूप में दिखाने वाली एक तस्वीर बनाकर दें क्योंकि वे अंत तक सुपरकूल थे। भारत के लिए इस फाइनल का सबसे बड़ा उपहार यह था कि यह आसान नहीं था। यह लगभग उनकी पकड़ से फिसल गया था लेकिन उन्होंने अपने मन में कभी मैच नहीं हारा। हम सभी को याद दिलाते हुए कि सुपरहीरो बनना कभी भी जीतने के दृढ़ संकल्प और कभी हार न मानने वाले रवैये के बिना नहीं आता है...जय हो!'इसके साथ ही गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने भारतीय टीम को बधाई दी।